आधुनिक अरबी

नागरी लिपि द्वारा

लेखक :

सैयिद् इह् सानुर् रह् मान्

अ्सिस्टेन्ट प्रोफ़ेसर आफ़ अरबिक

जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली-110067

प्रकाशक

नागरी लिपि परिषद्

गांधी स्मारक निधि

राजघाट, नई दिल्ली-110002

प्रकाशक

मंत्री

नागरी लिपि परिषद्

गांधी स्मारक निधि, राजघाट, नई दिल्ली

संस्करण : प्रथम 1979

मूल्य 12 रुपये

मुद्रक : न्यू पब्लिक प्रैस, दिल्ली-110006

दो शब्द

नागरी लिपि में 'आधुनिक अरबी' पुस्तक हिन्दी भाषी जनता की सेवा में प्रस्तुत करते हुए हमें बड़ी प्रसन्नता हो रही है। पड़ोसी राष्ट्रों की भाषा का परिचय नागरी लिपि में और हिन्दी भाषा में प्रकाशित करने की, नागरी लिपि परिषद् की योजना के अन्तर्गत अब तक 'भाषा इण्डोनेशिया', 'सिंहल स्वयं शिक्षक' 'आधुनिक फारसी' और 'जापानी भाषा-प्रवेश' के बाद यह पांचवीं पुस्तक है।

इस पुस्तक के प्रकाशन के पीछे तत्कालीन भारत के राष्ट्रपति स्व० श्री फख़रुद्दीन अली अहमद साहब की विशेष प्रेरणा रही है और उनकी सूचना पर परिषद् के अध्यक्ष डा० श्रीमन्नारायण ने तभी इस पुस्तक के निर्माण का प्रयत्न शुरू कर दिया था। दुर्भाग्य से, वे दोनों इस समय नहीं रहे। पर हमें सतोष है कि उनके संकल्प को पूर्ति अब हो रही है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अरबी भाषा के सहायक प्राध्यापक श्री सैयद इह्सानुर रहमान के हम अत्यन्त आभारी हैं कि उन्होंने यह सुन्दर, सुबोध और अत्यन्त उपयोगी पुस्तक हमारे लिए तैयार की।

अरबी भाषा संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्य सात भाषाओं में से एक है और इस भाषा को यह सौभाग्य प्राप्त है कि शान्ति और प्रभुशरणता का संदेश देने वाले महान् पैगम्बर मुहम्मद साहब की वाणी, कुरानशरीफ़ के रूप में दुनिया को इसी भाषा के द्वारा मिली है। भारत के मित्र राष्ट्रों में अरब राष्ट्र एक महत्वपूर्ण राष्ट्र है। इसलिये भी इस पुस्तक का महत्त्व हमारे लिए विशेष है।

आशा है, हिन्दी भाषी जनता इस पुस्तक का अच्छा स्वागत करेगी।

मलिक मोहम्मद
अध्यक्ष
नागरी लिपि परिषद्

विषय सूची

Gram—JAYENU
Telephone :
New Mehrauli Road,
NEW DELHI-110057.

JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY
S.M.M. NAINAR
Chairman, Centre of African & Asian Languages
School of Languages

13th May, 1978

This Primer on Basic Arabic through Hindi is perhaps the first of its kind to be published in India. My colleague Shri S.A. Rahman has done his best to incorporate only the bare essentials of grammar and syntax. I am sure that this book will be of immense use to many Indians whose contact with the Arab World is increasing rapidly.

(S.M.M. NAINAR)
Chairman

CENTRE OF AFRICAN & ASIAN LANGU
SCHOOL OF FOREIGN LANGUAGE
R LAL NEHRU UNIVERSITY
ULI ROAD, NEW

भूमिका

किसी भी भाषा को दूसरी भाषा की लिपि के द्वारा सिखाना आसान कार्य नहीं है। यह काम उस समय और भी कठिन होता है जब सिखाई जाने वाली भाषा के अक्षरों की ध्वनि उस भाषा के अक्षरों की ध्वनि से भिन्न हो जिसके माध्यम से कोई दूसरी भाषा सिखानी हो।

आजकल हमारे बहुत से भारतीय भाई नौकरी और व्यापार के लिए अरब देशों को जा रहे हैं। अरबी भाषा न आने के कारण उनको अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मैंने ऐसे ही लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर यह पुस्तक तैयार की है।

मैंने इस बात की पूरी कोशिश की है कि इस पुस्तक में केवल वे बातें हो बताई जायें जो अधिक जरूरी हैं और जिनके बिना काम चलाना असम्भव हो। मैंने इस पुस्तक में इस बात का भी ध्यान रखा है कि नागरी लिपि में अरबी भाषा के केवल ऐसे वाक्य और शब्द दिये जायें जो रोजाना की जिन्दगी में उपयोगी हों साथ ही साथ मैंने अरबी लिपि भी दे दी है ताकि जो लोग अरबी लिपि को भी सीखना चाहें लाभ उठा सकें और आगे भी अरबी लिपि के माध्यम से भाषा सीखने का प्रयास जारी रख सकें।

इस पुस्तक के पहले पाठ में यह बात भी विस्तार से बताई गई है कि अरबी भाषा के अक्षरों की ध्वनि किस प्रकार ठीक ढंग से निकाली जाये। अरबी अक्षरों की ध्वनि का अभ्यास बहुत आवश्यक है क्योंकि किसी अक्षर की ध्वनि बदलने से कभी कभी अर्थ बिलकुल ही बदल जाता है।

इसी पाठ में नागरी लिपि में अरबी अक्षरों के बदल रूप भी बताये गये हैं। इनको अच्छी तरह से पढ़ना और ध्यान में रखना बहुत जरूरी है।

दूसरे पाठ में मात्रायें बताई गई हैं और अरबी भाषा की ध्वनि के अनुसार नागरी लिपि में उनकी बदल मात्रायें निर्धारित की हैं।

इस पुस्तक के ये दोनों पाठ इसलिए ध्यान से पढ़ना और याद रखना जरूरी है क्योंकि इनके बिना पुस्तक के अगले पाठों को पढ़ना कठिन है।

नागरी लिपि द्वारा अरबी सिखाने की यह पुस्तक अपने ढंग की पहली पुस्तक है। यह कार्य करते समय मेरे सामने कोई ऐसी पुस्तक नहीं थी जिससे मैं लाभ उठा सकता इसके बावजूद मैंने अपनी पूरी कोशिश की है कि अरबी अक्षरों और मात्राओं की ध्वनि के अनुसार ही नागरी लिपि में उनका बदल निर्धारित करूं।

मुझे इस बात की अत्यधिक प्रसन्नता है कि जो काम मैं पिछले कई वर्षों से कर रहा था वह आज पूरा हुआ और इससे भी अधिक खुशी मुझे तब होगी जब यह पुस्तक उन लोगों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी जो नागरी लिपि द्वारा अरबी भाषा सीखना चाहते हैं।

अन्त में मैं अपने मित्र श्री हर प्रसाद राय का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने इस काम के करने में समय-समय पर मेरी हिम्मत बांधी।

सैयिद् इह् सा नुर रह् मान्

अन्त है

ا ب ت ث ج

ح خ د ذ ر

ز س ش ص ض

ط ظ ع غ ف

ق ك ل م ن

و ه ي

اَلدَّرْسُ الْأَوَّلُ

पाठ *1*

अरबी अक्षर और नागरी लिपि में उनके बदल अक्षर तथा ध्वनि

अरबी में अक्षर का रूप	नागरी लिपि में अक्षर का नाम	नागरी में अक्षर का बदल रूप तथा ध्वनि
ا	अलिफ़्	अ
ب	बा	ब
ت	ता	त
ث	ता़	त़
ج	जीम्	ज
ح	·हा	·ह
خ	ख़े	ख़
د	दाल्	द
ذ	दा़ल्	द़
ر	रा	र
ز	ज़ा	ज़
س	सीन्	स
ش	शीन्	श

ص	·सुवाद	·स
ض	·दुवाद्	·द
ط	त·ा	त·
ظ	ज·ा	ज·
ع	अ़ैन्	अ़
غ	ग़ैन्	ग़
ف	फ़े	फ़
ق	क़ाफ़्	क़
ک	काफ़्	क
ل	लाम्	ल
م	मीम्	म
ن	नून्	न
ه	हे	ह
و	वाव्	व
ی	या	य

शब्दों में मिलाकर लिखते समय इन अक्षरों के रूप इस प्रकार होते हैं ।

अन्त में	बीच में	आरम्भ में	अलग
ـا	ـ	ا	ا
ـب	ـبـ	بـ	ب
ـت	ـتـ	تـ	ت
ـث	ـثـ	ثـ	ث
ـج	ـجـ	جـ	ج
ـح	ـحـ	حـ	ح
ـخ	ـخـ	خـ	خ
ـد	ـ	د	د

ذ	ذ	ـــ	ـذ
ر	ر	ـــ	ـر
ز	ز	ـــ	ـز
س	سـ	ـسـ	ـس
ش	شـ	ـشـ	ـش
ص	صـ	ـصـ	ـص
ض	ضـ	ـضـ	ـض
ط	ط	ـط	ـط
ظ	ظ	ـظ	ـظ
ع	عـ	ـعـ	ـع

غ	غـ	ـغـ	ـغ
ف	فـ	ـفـ	ـف
ق	قـ	ـقـ	ـق
ك	كـ	ـكـ	ـك
ل	لـ	ـلـ	ـل
م	مـ	ـمـ	ـم
ن	نـ	ـنـ	ـن
ه	هـ	ـهـ	ـه
و	و	ـ	ـو
ى	يـ	ـيـ	ـى

अरबी अक्षरों को कैसे लिखें

अलिफ़ जब
अलग लिखा जाये

ا

अलिफ़ जब
मिला कर (अन्त में)
लिखा जाये

ـا

बा ता और ता़
कैसे लिखें
आरम्भ में

ثـ تـ بـ

बीच में

ـثـ ـتـ ـبـ

अन्त में

ـث ـت ـب

अलग

ث ت ب

नून् कैसे लिखें

आरम्भ में

نـ

बीच में

ـنـ

अन्त में

ـن

अलग

ن

या

लिखने का तरीक़ा

आरम्भ में

یـ

बीच में

ـیـ

अन्त में



अलग



दाल्, ड़ाल्, रा, ज़ा और वाव् लिखने का तरीक़ा

अलग या आरम्भ में







अन्त में







जीम्, हा और ख़ा

आरम्भ में





बीच में

ﺨ ﺤ ﺠ

अन्त में

ﺦ ﺢ ﺞ

अलग

خ ح ج

सीन् और शीन्

आरम्भ में

ﺷ ﺳ

बीच में

ﺸ ﺴ

अन्त में

ـش ـس

अलग

ش س

काफ़

आरम्भ में

کـ

बीच में

ـکـ

अन्त में

ـک

अलग

ک

लाम्

आरम्भ में

ﻟ

बीच में

ـلـ

अन्त में

ـل

अलग

ل

मीम्

आरम्भ में

ﻣ

बीच में

ـمـ

अन्त में



अलग



हा

आरम्भ में



बीच में





अन्त में



अलग



सुवाद् और दुवाद्

आरम्भ में

ضـ صـ

बीच में

ـضـ ـصـ

अन्त में

ـض ـص

अलग

ض ص

ता और जा

आरम्भ में

ظ ط

बीच और अन्त में

ظ ط

अलग

ظ ط

ऐ़न् और ग़ैन्

आरम्भ में

غ ع

बीच में

غ ع

अन्त में

غ ع

अलग

غ ع

फ़े और क़ाफ़

आरम्भ में

فـ قـ

बीच में

ـفـ ـقـ

अन्त में

ـف ـق

अलग

ف ق

गौल ता ۃ और हम्ज़: ء

गौल ता ۃ सदा शब्द के अन्त में आता है और यदि जब इसको बाद वाले अक्षर से जोड़ कर लिखा जाता है तो यह ता ت की तरह लिखा जाता है।

अन्त में बिना मिलाए लिखने का तरीक़ा



अन्त में मिलाकर लिखने का तरीक़ा



हम्ज़: सदा इस प्रकार अक्षर के उपर या नीचे लिखा जाता है



कभी कभी बीच में इस प्रकार भी लिखा जाता है।



अरबी भाषा दायें हाथ की ओर से बायें हाथ की ओर लिखी जाती है। अरबी भाषा में २८ अक्षर होते हैं। यह सब व्यंजन वर्ण (Consonants) हैं परन्तु इनमें से तीन अक्षर दीर्घ स्वर (Vowel) का भी काम करते हैं, वह तीनों अक्षर यह हैं।

अलिफ़् वाव् और या

ا و ی

अरबी के कुछ अक्षरों का बोलना हमारे लिए कठिन है। परन्तु अगर नीचे लिखे उपायों के अनुसार प्रयत्न किया जाये, तो हम इनको ठीक प्रकार बोल सकते हैं।

अरबी भाषा के पहले, दूसरे और तीसरे अक्षर का उच्चारण करना बहुत आसान है परन्तु चौथे अक्षर को कहने के लिये हमें अपनी जीभ की नोक को ऊपर के दांतों केअन्दर की ओर रखना होगा और जब हम उच्चारण करेंगे तो जीभ को ऊपर से हटा लेंगे। इस अक्षर की आवाज़ अंग्रेज़ी के "Th" के समान होती है।

अरबी के पांचवें अक्षर या वर्ण (ह ح) की आवाज़ कण्ठ से निकलती है। इसकी ठीक आवाज़ निकालने के लिये सांस को गले में रोकना पड़ता है और आवाज़ निकालते समय सारा जोर गले पर ही रहता है, इसकी आवाज़ हिन्दी के "ह" से गाढ़ी और भारी होती है।

خ ख़ की आवाज़ बिल्कुल वैसी ही होती है जैसी मनुष्य के मुंह से सोते समय खर्राटे की आवाज़ निकलती है।

द़ ذ कहते समय भी चाहिये कि आप अपनी जीभ की नोक ऊपर के दाँतों के अन्दर की ओर रखें और आवाज़ निकालते हुये अपनी जीभ वहां से हटायें।

अक्षर स़ ص कहते समय आप अपनी जीभ को एक छिछले प्याले का रूप देकर ऊपर उठायें और जीभ की नोक को तालु के अगले भाग के पास ले जायें। परन्तु जीभ तालु के बताये हुए स्थान से मिलायें नहीं, अब इसका उच्चारण करें और आवाज़ के अन्त में जीभ की नोक को तालु के बताये हुये स्थान से मिला लें।

द़ ض को कहने का उपाय (तरीक़ा) ऊपर वाले अक्षर के प्रकार ही है परन्तु इसके उच्चारण करने से पहले जीभ की नोक तालु के अगले भाग से मिल जानी चाहिये और फिर जीभ को उसके स्थान से थोड़ा हटा कर इस अक्षर की आवाज़ निकालनी चाहिये, यह ध्यान में रखिये कि इस अक्षर की आवाज़ के अन्त में जीभ एक बार फिर तालु के बताये हुये स्थान पर टिक जायेगी।

त· ط कहते समय जीभ का रूप बिल्कुल वैसा ही होगा जैसा ·स और ·द कहते समय था अथवा छिछले प्याले का रूप, अब इस अक्षर की आवाज कहते समय जीभ की नोक तालु के अगले भाग पर लगेगी और आवाज निकालते समय जीभ की नोक को उसके स्थान से हटा लिया जायेगा।

ज· ظ कहते समय जीभ का रूप पहले जैसा ही रहेगा परन्तु जीभ की नोक तालु तक जायेगी लेकिन तालु से लगेगी नहीं और आवाज निकालते समय जीभ को नीचे ले जाना होगा।

अ़ ع कहते समय कण्ठ का प्रयोग होगा, सांस कण्ठ में रोक लें आवाज निकालते समय कण्ठ के नीचे के भाग को ऊपर की ओर, और ऊपर के भाग को नीचे की ओर इस प्रकार लायें कि दोनों भाग पास-पास हो जायें परन्तु मिलें नहीं, अब सांस छोड़े बिना अक्षर की आवाज निकालें।

ग़ غ की आवाज हिन्दी के ग से भारी होती है। इसकी आवाज बिल्कुल वैसी ही होती है जैसी ग़रारा करते समय कण्ठ से निकलती है।

फ़ ف की आवाज हिन्दी के फ से हल्की होती है। इस अक्षर की आवाज रूसी भाषा के V और अंग्रेजी के F जैसी होती है।

क़ ق की आवाज हिन्दी के क से भारी होती है। यह आवाज निकालते समय भी कण्ठ का प्रयोग करना आवश्यक है। सांस रोककर इस अक्षर की आवाज को कण्ठ के ऊपर नीचे भागों को मिला कर निकालना चाहिये।

ह ة की आवाज बिल्कुल हिन्वी के ह के समान है।

ऊपर बताये गये २८ अक्षरों के अलावा अरबी भाषा में गोल ता ة और हम्ज़ः भी होते हैं। यह गोल ता ة वास्तव में लम्बी ता(ت) का बदल अक्षर है। यह ता केवल शब्द के अन्त में ही आती है। यदि यह त अलग हो तो ऐसे (ة)लिखी जाती है। यदि मिलाकर लिखी जाये तो इसका रूप इस प्रकार होता है(ـة)। बोलते समय आमतौर पर इस "ता" को पूरी तरह नहीं कहा जाता बल्कि इसको झटके से ह के समान कहते हैं। अथवा इसकी आवाज (:) के समान होती है।

हम्ज़ः ء अलिफ़ का बदल अक्षर है बल्कि यह कहना अधिक ठीक होगा कि जब अलिफ़ दीर्घ स्वर (Vowel) के तौर पर प्रयोग होती है तो (अलिफ़) की तरह लिखी जाती है। और जब व्यंजन वर्ण (Consonant) के तौर पर प्रयोग होती है तो ء के प्रकार लिखी जाती है। या फिर इसको आलिफ़ के ऊपर أ या नीचे إ लिखा जाता है इसको समय-समय पर ؤ और ئ के ऊपर भी लिखा जाता है जैसेः–

जिन अक्षरों की ध्वनि के बारे में यहां नहीं बताया गया इसका अर्थ है कि वह जैसे लिखे जाते हैं वैसे ही पढ़े जाते हैं अथवा उनका उच्चारण बिल्कुल सावा या हिन्वी के अक्षरों के समान ही है।

इस पुस्तक में नागरी लिपि में लिखी अरबी पढ़ते समय निम्नलिखित चिन्हों को ध्यान में रखें। यह चिन्ह हमने अरबी अक्षरों पर नज़दीक और दूर की आवाज़ की मात्राओं के अनुसार तय किये हैं। और इनके अनुसार ही हमने नागरी लिपि में अरबी लिखी है।

أَبَ	अ ब
أَبِ	अ बि
أَبُ	अ बु
أَبًا	अ बन्
أَبٍ	अ बिन्
أَبٌ	अ बुन्
أَبَا	अ बा
أَبِي	अ बी
أَبُو	अ बू
أَبْ	अब्
أَبٌّ	अब् बुन्



اَلدَّرْسُ الثَّانِي -

पाठ 2

मात्रायें

अरबी भाषा में दो प्रकार की मात्रायें होती हैं।

१. नजदीकी या अवरुद्ध (Close) आवाज की मात्रायें।

२. खुली (Open) आवाज की मात्रायें।

१. नजदीकी आवाज की मात्राओं के नाम और प्रयोग इस प्रकार हैं।

पहली मात्रा को अक्षर के ऊपर लिखते हैं। यह एक छोटी सी टेढ़ी लकीर (Diagonal Mark) जैसी होती है।

उदाहरण :-

تَ بَ اَ

अगर यह निशान अक्षर के ऊपर होगा तो हम अक्षर को नजदीक की आवाज से पढ़ेंगे अथवा अब हम تَ بَ اَ को

अ ब त पढ़ेंगे। इस निशान को अरबी भाषा में फ़त्-ह: कहते हैं।

अगर यही निशान अक्षर के नीचे हो तो हम इसको कस्र: कहते हैं और इसको "इ" की मात्रा से पढ़ते हैं।

उदाहरण :-

تِ بِ اِ

ति बि इ

तीसरे निशान को ज़म्मः कहते हैं। यह खुले पेट के कोमा की प्रकार का होता है और सबा अक्षर के ऊपर ही आता है। इसकी आवाज ह्रस्व उ की मात्रा की तरह कही जाती है।

उदाहरण :–

تُ بُ اُ

तु बु उ

यह मात्रायें शब्द के अन्तिम अक्षर पर दो-दो बार भी लिखी जाती हैं। इनको अरबी में "तन्वीन" कहते हैं और इस प्रकार लिखे शब्दों की आवाज "न" की आवाज पर खत्म होती है।

उदाहरण :–

تٌ بٌ اٌ

तुन बुन उन

تً بً اً

तन बन अन

تٍ بٍ اٍ

तिन बिन इन

छपाई में दो ज़म्मः की शक्ल इस प्रकार होती है ٌ अथवा एक सीधा और एक उल्टा कोमा

अरबी लिखते समय इस बात को ध्यान में रखना चाहिये कि अगर किसी शब्द के अन्तिम अक्षर पर दो फ़त्‌‌हः हों तो एक अलिफ़ लगाकर लिखा जाता है।

उदाहरण :–

بًا تًا

परन्तु गोल त ةً के पश्चात अलिफ़ नहीं लगाया जाता बल्कि दो फ़त्‌हः उसके ऊपर लगाये जाते हैं।

उदाहरण :–

ةً ـةً

यह बात भी जान लेना जरूरी है कि अरबी भाषा लिखते समय अक्षरों को एक दूसरे से जोड़कर लिखा जाता है परन्तु अगर किसी शब्द के बीच में नीचे लिखे हुये अक्षरों में से कोई अक्षर आ जाये तो शब्द को तोड़कर शब्द का अगला भाग अलग से लिखा जाता है। वह अक्षर छ हैं।

ا अलिफ़

د दाल्

ذ ज़ाल्

ر रा

ز ज़ा

و वाव्

ऊपर बताया गया है कि मात्राओं की दूसरी प्रकार खुली (Open) आवाज़ की होती है। यह खुली मात्रायें

य　　वाव्　　अलिफ़्

ی　　و　　ا

की सहायता से पढ़ी जाती हैं। अगर 'अलिफ़' से पहले वाले अक्षर पर एक फ़त्-ह: हो तो इसको 'आ' की तरह पढ़ेंगे।

उदाहरण :–

ता　　बा

تَا　　بَا

अगर 'वाव्' से पहले वाले अक्षर पर एक दम्म: हो तो इसको 'ऊ' की तरह पढ़ेंगे।

उदाहरण :–

तू　　बू

تُو　　بُو

अगर या से पहले वाले अक्षर के नीचे एक कसर: हो तो हम इसको ई की तरह पढ़ेंगे।

उदाहरण :–

ती　　बी

تِی　　بِی

इन तीनों मात्राओं के अलावा अरबी भाषा में एक और निशान होता है। यह सदा अक्षर के ऊपर एक छोटा सा दायरा (शून्य) होता है। इसको अरबी भाषा में सुकून कहते हैं। इसको हिन्दी में हलन्त कहा जाता है।

उदाहरण : —

त्   ब्

تْ   بْ

अगर अक्षर पर यह निशान हो तो हम इस अक्षर को रुकी आवाज की तरह अथवा हिन्दी क आधे अक्षर की तरह पढ़ेंगे। इस पुस्तक में एसे अक्षरों के नीचे जिनके ऊपर अरबी में सुकून आता है हलन्त का निशान ् लगाया गया है।

इन सबके अलावा कभी-कभी एक ही अक्षर दो बार पढ़ा जाता है। इस प्रकार पढ़े जाने वाले अक्षर को अरबी भाषा में केवल एक ही बार लिखा जाता है, परन्तु इसके ऊपर तीन दांतों वाला (ّ) एक निशान लगा कर मात्रा के अनुसार इस अक्षर का दो बार उच्चारण करते हैं। इस प्रकार के अक्षरों का पहला भाग क्योंकि अरबी भाषा में हलन्त माना जाता है इस कारण हमने भी नागरी लिपि में इस पर हलन्त लगाया है।

उदाहरण :—

حُبٌّ हुब्+बुन्

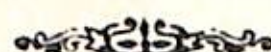
حُبًّا हुब्+बन्

अन्त में आपको यह भी जान लेना चाहिये कि अगर वाव् से पहले वाले अक्षर पर फ़त्‌हः होगा तो इनके जोड़ की आवाज़ औ के समान निकलेगी।

इसी प्रकार अगर या से पहले वाले अक्षर पर फ़त्‌हः होगा तो इनके जोड़ की आवाज़ "ऐ" की आवाज़ के समान निकलेगी।

पाठक को चाहिये कि ऊपर बताये गये नियमों को ध्यान से पढ़े और उनके अनुसार ही अरबी भाषा लिखने पढ़ने और बोलने का अभ्यास करे।

अच्छा होगा कि पाठक आरम्भ में किसी अरबी के विद्वान से पढ़े ताकि उसको अरबी अक्षर ठीक प्रकार कहने का अभ्यास हो सके। यह बात बहुत आवश्यक है क्योंकि अरबी अक्षरों की आवाज ठीक प्रकार न कहने की हालत में अर्थ बहुत बदल सकता है।



اَلدَّرْسُ الثَّالِثُ

पाठ 3

सामान्य संज्ञा (Common Noun)

अरबी शब्द	नागरी लिपि में उच्चारण	अर्थ
أَبٌ	अ बुन्	पिता
أَخٌ	अ ख़ुन्	भाई
أُمٌّ	उम् मुन्	माता
أُخْتٌ	उख़् तुन्	बहन
وَلَدٌ	व ल दुन्	लड़का, पुत्र
بِنْتٌ	बिन् तुन्	लड़की, पुत्री
دَرْسٌ	दर् सुन्	पाठ
كِتَابٌ	कि ता बुन्	पुस्तक
كُرَّاسَةٌ	कुर् रा स तुन्	कापी
قَلَمٌ	क़ ल मुन्	क़लम
مَكْتَبٌ	मक् त बुन्	द फ़्तर
كُرْسِيٌّ	कुर् सी युन्	कुर्सी
طَاوِلَةٌ	ता वि ल तुन्	मेज
أُسْتَاذٌ	उस् ता ज़ुन्	अध्यापक
طَالِبٌ	ता लि बुन्	विद्यार्थी (लड़का)

व्याकरण

अरबी भाषा में केवल दो लिंग होते हैं।

१. स्त्रीलिंग

२. पुल्लिग

अरबी भाषा में किसी संज्ञा के लिंग को उसके प्रयोग से पहचाना जाता है परन्तु ऐसी संज्ञायें जिनके आखिर में गोल ता ة होता है वह आमतौर पर स्त्रीलिंग होती हैं ऐसी सारी संज्ञायें जो दो -दम्म पर खत्म होती हैं उनको सामान्य संज्ञा (Common Noun) कहते हैं। कहने का मतलब यह है कि "व ल दुन् का अर्थ है एक लड़का अथवा कोई भी एक लड़का।

इसी प्रकार दूसरी संज्ञाओं को भी समझें।

अभ्यास

पाठ में दिये गये शब्दों को बार-बार पढ़ो और हर शब्द को बार-बार लिखकर याद करो।



اَلدَّرْسُ الرَّابِعُ

पाठ 4

विशेष्ठ सँज्ञा (Definite Noun)

अरबी शब्द	नागरी में उच्चारण	अर्थ
اَلْمَكْتَبُ	अल् मक् त बु	दफ़्तर
اَلْمِرْوَحَةُ	अल् मिर् व ·ह तु	पंखा
اَلْمِصْبَاحُ	अल् मिस् बा ·हु	लैम्प
اَلْوَلَدُ	अल् व ल दु	लड़का
اَلْبِنْتُ	अल् बिन् तु	लड़की
اَلرَّجُلُ	अर् र जु लु	आदमी
اَلسَّيَّارَةُ	अस् सै या र तु	मोटरकार
اَلطَّالِبُ	अत्· ता· लि बु	छात्र
اَلشَّمْسِيَّةُ	अश् शम् सी य तु	छाता
اَلطَّائِرَةُ	अत्· ता· इ र तु	हवाई जहाज़

व्याकरण

अरबी भाषा में किसी भी सामान्य संज्ञा (Common Noun) को विशिष्ठ संज्ञा (Definite Noun) बनाने के लिये उसके आरम्भ में "अल اَلْ" लगा देते हैं और इस प्रकार वह कोई खास चीज हो जाती है परन्तु यह बात ध्यान में रखनी चाहिये कि "अल اَلْ" लगाने के बाद इस संज्ञा के अन्तिम अक्षर पर केवल एक दम्मः या एक फ़त्·हः या एक कसर. आयेगा, दो कभी नहीं।

उदाहरण :–

كِتَابٌ	कि ता बुन्	अल् कि ता बु	اَلْكِتَابُ
كِتَابًا	कि ता बन्	अल् कि ता ब	اَلْكِتَابَ
كِتَابٍ	कि ता बिन्	अल् कि ता बि	اَلْكِتَابِ
	एक पुस्तक अथवा कोई भी एक पुस्तक	पुस्तक अथवा कोई खास पुस्तक	

इस बात को समझने के लिये हम कह सकते हैं कि अरबी भाषा का "अल اَلْ" अंग्रेजी भाषा के "The" के समान होता है।

अरबी भाषा के २८ अक्षरों को दो भागों में बांटा जाता है। पहले भाग के अक्षरों को सूर्य-अक्षर (Sun-Letters) कहते हैं वह १४ हैं।

श	स	ज़	र	द़	द	त़	त
ش	س	ز	ر	ذ	د	ث	ت

न	ल	ज़·	त·	·द	·स
ن	ل	ظ	ط	ض	ص

बाक़ी १४ अक्षरों को चांद-अक्षर (Moon-Letters) कहते हैं।

ग़	अ़	ख़	ह़	ज	ब	अ
غ	ع	خ	ح	ج	ب	ا

य व ह म क क़ फ़

ی و ه م ك ق ف

इन बातों को इस समय पर बताना इसलिये आवश्यक था कि जब सामान्य संज्ञा से पहले "अल् اَلْ " लगाते हैं तो चांद-अक्षरों से आरम्भ होने वाले शब्दों में अल् बिल्कुल साफ़ पढ़ा जाता है, तथा "अल्" के लकार की श्रुति स्पष्ट होती है।

उदाहरण :–

كِتَابٌ कि ता बुन् अल् कि ता बु اَلْكِتَابُ

परन्तु सूर्य-अक्षरों से आरम्भ होने वाले शब्दों के पहले जब "अल् اَلْ " लगाते हैं तो "ल ل" नहीं पढ़ा जाता बल्कि "अ ا " को सीधे सूर्य-अक्षर से जोड़ा जाता है, तथा अल् का लकार अगले वर्ण से मिलकर परसवर्ण हो जाता है।

उदाहरण:–

طَاوِلَةٌ त़ा वि ल तुन अत़् त़ा वि ल तु اَلطَّاوِلَةُ

अभ्यास

नीचे दी हुई संज्ञाओं से पहले "अल् اَلْ " का प्रयोग करो। इनको बार-बार लिखो, पढ़ो और याद करो।

غُرْفَةٌ ग़ुर् फ़ तुन्

طَالِبٌ त़ा लि बुन्

قَلَمٌ क़ ल मुन्

أُسْتَاذٌ उस् ता दुन्

دَرْسٌ दर् सुन्

أَبٌ अ बुन्

أُمٌّ उम् मुन्

أُخْتٌ उख़् तुन्

أَخٌ अ ख़ुन्

طَالِبَةٌ ता लि ब तुन्



اَلدَّرْسُ الْخَامِسُ

पाठ 5

केवल संज्ञाओं के जोड़ से बनने वाले वाक्य
(वर्तमान काल)
Simple Nominal Sentence (Present Tense)

अरबी वाक्य	नागरी में उच्चारण	अर्थ
اَلْقَلَمُ ثَمِيْنٌ	अल् क़ ल मु त मी नुन्	क़लम महंगी है।
اَلْكُرْسِيُّ رَخِيصٌ	अल् कुर् सी यु र ख़ी सुन्	कुर्सी सस्ती है।
اَلطُّلَّابُ فِي الْغُرْفَةِ	अत् तुल् ला बु फ़िल् ग़ुर् फ़ ति	विद्यार्थी (पुरुष) कमरे में हैं।
اَلرِّجَالُ جَالِسُوْنَ	अर् रि जा लु जा लि सू न	आदमी बैठे हुये हैं।
اَلطَّالِبُ وَرَاءَ الطَّاوِلَةِ	अत् ता लि बु व रा अत् ता वि ल ति	विद्यार्थी मेज के पीछे हैं।
اَلرَّجُلُ جَالِسٌ	अर् र जु लु जा लि सुन्	आदमी बैठा हुआ है।
اَلْإِمْرَأَةُ وَاقِفَةٌ	अल् इम् र अ तु वा क़ि फ़ तुन्	स्त्री खड़ी हुई है।
اَلْكَاتِبُ مَشْغُولٌ	अल् का ति बु मश् ग़ू लुन्	क्लर्क काम में व्यस्त है।
اَلْكِتَابُ مَفْتُوحٌ	अल् कि ता बु मफ़् तू हुन्	पुस्तक खुली हुई है।
اَلْأُسْتَاذُ قَادِمٌ	अल् उस् ता दु क़ा दि मुन्	अध्यापक आ रहा है।
اَلطَّالِبُ مَوْجُودٌ	अत् ता लि बु मौ जू दुन्	छात्र उपस्थित है
اَلطَّالِبَةُ مَوْجُودَةٌ	अत् ता लि ब तु मौ जू द तुन्	छात्रा उपस्थित है
اَلْكَاتِبُ غَائِبٌ	अल् का ति बु ग़ा इ बुन्	क्लर्क ग़ायब है

اَلْأُسْتَاذُ أَمَامَ الطَّالِبِ	अल् उस्तादु अमामत्· तालिबि	अध्यापक छात्र के सामने है

व्याकरण

अरबी भाषा में दो संज्ञाओं को जोड़कर भी वाक्य बनाया जा सकता है। इस प्रकार के वाक्य को साधारण संज्ञाओं वाला वाक्य कहा जाता है। इस प्रकार के वाक्य बनाते समय यह बात ध्यान में रखनी चाहिये कि इसका पहला भाग या तो किसी मनुष्य का नाम होगा या किसी विशेष वस्तु, या स्थान का। या फिर कोई भी संज्ञा जिसके पहले "अल् اَلْ" लगाया गया हो। ऐसे वाक्यों का दूसरा भाग बिना अल् "اَلْ" के होता है। यह दूसरा भाग आमतौर पर विशेषण (Adjective) या ऐसी संज्ञा होती है जिसमें क्रिया (Verb) का अर्थ भी होता है। ऐसे वाक्य के पहले भाग को "मुब्तदा" अथवा उद्देश्य और दूसरे भाग को "ख़बर" अथवा विधेय कहते हैं। उदाहरण :—

اَلْكِتَابُ جَدِيدٌ	१ अल् किताबु जदीदुन्	पुस्तक नई है
اَلطَّاوِلَةُ جَدِيدَةٌ	२ अत्· ता विलतु जदीदतुन्	मेज नई है
اَلْوَلَدُ جَالِسٌ	३ अल् वलदु जालिसुन्	लड़का बैठा हुआ है
اَلْبِنْتُ جَالِسَةٌ	४ अल् बिन्तु जालिसतुन्	लड़की बैठी हुई है
اَلْكُتُبُ جَدِيدَةٌ	५ अल् कुतुबु जदीदतुन्	पुस्तकें नई हैं
اَلطَّاوِلَاتُ جَدِيدَةٌ	६ अत्· ता विलातु जदीदतुन्	मेजें नई हैं
اَلْأَوْلَادُ جَالِسُونَ	७ अल् औलादु जालिसून	लड़के बैठे हुये हैं
اَلْبَنَاتُ جَالِسَاتٌ	८ अल् बनातु जालिसातुन्	लड़कियां बैठी हुई हैं

इस प्रकार के वाक्य बनाते समय यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिये कि अगर उद्देश्य एक वचन हो तो विधेय भी एक वचन होगा। यदि उद्देश्य पुल्लिग हो तो विधेय भी पुल्लिग होगा, उदाहरण के लिये देखो वाक्य एक और तीन, और इसी प्रकार अगर उद्देश्य स्त्री लिंग एक वचन है तो विधेय भी स्त्री लिंग एक वचन होगा, उदाहरण के लिये देखो वाक्य दो और चार।

यदि अगर उद्देश्य पुल्लिग बहुवचन है तो विधेय भी पुल्लिग बहुवचन होगा, उदाहरण के लिये देखो वाक्य सात और यदि उद्देश्य स्त्री लिंग बहुवचन है तो विधेय भी स्त्री लिंग बहुवचन होगा, उदाहरण के लिये देखो वाक्य आठ।

यदि अगर उद्देश्य अव्यक्तिक बहुवचन (Non Personal Plural) हो तो विधेय सदा स्त्रीलिंग एकवचन होगा चाहे वह बहुवचन संज्ञा स्त्रीलिंग हो या पुल्लिंग, उदाहरण के लिये देखो वाक्य पांच व छह।

हम थोड़े से शब्दों में यह बात इस प्रकार कह सकते हैं कि विधेय अपने उद्देश्य से लिंग, और वचन में एक समान होगा, परन्तु अगर उद्देश्य अव्यक्तिक बहुवचन हो तो विधेय स्त्रीलिंग एक वचन होगा।

इस प्रकार के वाक्यों के दोनों भागों के अन्तिम अक्षर पर ज़म्मः (ُ) आता है जैसा कि उदाहरणों से भी स्पष्ट है।

यहां यह बात भी समझ लेनी चाहिये कि कभी कभी एक उपसर्ग (Preposition) और एक संज्ञा भी मिलकर विधेय बन जाते हैं। ऐसी दशा में उपसर्ग के बाद आने वाली संज्ञा के अन्तिम अक्षर के नीचे कस्रः लगाया जाता है, उदाहरण के लिये ऐसा समझिये कि "अ़ला عَلَى" एक उपसर्ग है। हम कहना चाहते हैं कि:—पुस्तक मेज़ पर है। हम इसको अरबी में इस प्रकार कहेंगे।

اَلْكِتَابُ عَلَى الطَّاوِلَةِ **अल् किताबु अ़लत् ताविलति**

यहां देखने और अच्छी प्रकार समझने की आवश्यकता है कि उपसर्ग "अ़ला" के बाद जब "ता वि ल तुन्" का प्रयोग किया गया है तो उसके अन्तिम अक्षर के नीचे कस्रः लगाया गया है और इस हालत में हमने शब्द के अन्तिम अक्षर को "इ" की मात्रा से लिखा है। इसी प्रकार प्रत्येक उपसर्ग के बाद आने वाली संज्ञाओं के अन्तिम अक्षर के नीचे कस्रः ही लगाना और पढ़ना चाहिये।

अभ्यास

१. निम्नलिखित शब्दों को बार-बार लिखकर याद करो।

अरबी शब्द	नागरी लिपि में उच्चारण	अर्थ
جَالِسٌ	जा लि सुन्	बैठा हुआ
وَاقِفٌ	वा क़ि फुन्	खड़ा हुआ
مَوْجُودٌ	मौ जू दुन्	उपस्थित
غَائِبٌ	ग़ा इ बुन्	अनुपस्थित
قَادِمٌ	क़ा दि मुन्	आता हुआ
مَفْتُوحٌ	मफ़् तू हुन्	खुला हुआ

كَاتِبٌ	का ति बुन्		क्लर्क, लिखता हुआ
رَخِيصٌ	र ख़ी सुन्		सस्ती
ثَمِينٌ	स़ मी नुन्		मंहगी
قَلَمٌ	क़ ल मुन्		क़लम
فِي	फ़ी	(उपसर्ग)	अन्दर
عَلَى	अ़ ला	(उपसर्ग)	ऊपर, पर
أَمَامَ	अ मा म	(〃)	सामने
وَرَاءَ	व रा अ	(〃)	पीछे
مَشْغُولٌ	मश् ग़ू लुन्		व्यस्त
رَجُلٌ	र जु लुन्		पुरुष
طَالِبٌ	ता लि बुन्		छात्र
طَالِبَةٌ	ता लि ब तुन्		छात्रा
أُسْتَاذٌ	उस् ता दुन्		अध्यापक
إِمْرَأَةٌ	इम् र अ तुन्		स्त्री

२. पाठ में दिये गये वाक्यों को बार-बार और ठीक प्रकार पढ़ो और लिखो।

३. नीचे दिए गये जोड़ों को बताये गये तरीक़े के अनुसार मिलाकर वाक्ये बनाओ।

سَائِقٌ	सा इ क़ुन्	चालक
نَائِمٌ	ना इ मुन्	सो रहा
خَيَّاطٌ	ख़ै या तुन्	दर्ज़ी
مَشْهُورٌ	मश् हू रुन्	प्रसिद्ध

سَيَّارَةٌ	सै या र तुन्	मोटर गाड़ी
جَدِيدَةٌ	ज दी द तुन्	नई
جَامِعَةٌ	जा मि अ़ तुन्	विश्वविद्यालय
مَفْتُوحَةٌ	मफ़् तू ·ह तुन्	खुली
أَبْوَابٌ	अब् वा बुन्	दरवाज़े
مَقْفُولَةٌ	मक़् फ़ू ल तुन्	बन्द
أَسَاتِذَةُ	अ सा ति द़ तु	अध्यापक (बहुवचन)
قَادِمُونَ	क़ा दि मू न	आ रहे
طُلَّابٌ	तु·ल् ला बुन्	विद्यार्थी (बहुवचन)
حَاضِرُونَ	·हा ·दि रू न	उपस्थित (")
كِلَابٌ	कि ला बुन्	कुत्ते
وَرَاءَ الْبَابِ	व रा अल् बा बि	दरवाज़े के पीछे
سَبُّورَةٌ	सब् बू र तुन्	ब्लैक बोर्ड
كَبِيرَةٌ	क बी र तुन्	बड़ा
فَصْلٌ	फ़स् लुन्	कक्षा
كَبِيرٌ	क बी रुन्	बड़ी



اَلدَّرْسُ السَّادِسُ

पाठ 6

सांकेतिक सर्वनाम
(Demonstrative Pronouns)

अरबी वाक्य	नागरी में उच्चारण	अर्थ
هٰذَا أُسْتَاذٌ	१. हा ज़ा उस् ता ज़ुन्	यह एक अध्यापक है।
هٰذَا طَالِبٌ	२. हा ज़ा ता लि बुन्	यह एक छात्र है।
هٰذَا كَلْبٌ	३. हा ज़ा कल् बुन्	यह एक कुत्ता है।
هٰذَا قَلَمٌ	४. हा ज़ा क़ ल मुन्	यह एक क़लम है।
هٰذَا كُرْسِيٌّ	५. हा ज़ा कुर् सी युन्	यह एक कुर्सी है।
هٰذِهِ خَادِمَةٌ	६. हा ज़ि हि ख़ा दि म तुन्	यह एक नौकरानी है।
هٰذِهِ طَالِبَةٌ	७. हा ज़ि हि ता लि ब तुन्	यह एक छात्रा है।
هٰذِهِ طَاوِلَةٌ	८. हा ज़ि हि ता वि ल तुन्	यह एक मेज है।
هٰذِهِ سَيَّارَةٌ	९. हा ज़ि हि सै या र तुन्	यह एक कार है।
هٰذِهِ طَائِرَةٌ	१०. हा ज़ि हि ता इ र तुन्	यह एक हवाई जहाज है।
هٰؤُلَاءِ أَسَاتِذَةٌ	११. हा उ ला इ अ सा ति ज़ तु	यह अध्यापक है।
هٰؤُلَاءِ خَادِمَاتٌ	१२. हा उ ला इ ख़ा दि मा तुन्	ये नौकरानियां हैं।
هٰذِهِ كِلَابٌ	१३. हा ज़ि हि कि ला बुन्	यह कुत्ते हैं।
هٰذِهِ أَقْلَامٌ	१४. हा ज़ि हि अक़् ला मुन्	यह क़लमें हैं।
هٰذِهِ سَيَّارَاتٌ	१५. हा ज़ि हि सै या रा तुन्	यह कारें हैं।

ذٰلِكَ سَائِقٌ	१६. दा लि क सा इ क़ुन्	वह एक चालक है।
ذٰلِكَ طَائِرٌ	१७. दा लि क ता इ रुन्	वह एक चिड़िया है।
أُولٰئِكَ سَائِقُونَ	१८. उ ला इ क सा इ क़ू न	वे चालक हैं।
تِلْكَ مُضِيفَةٌ	१६. तिल् क मु ·दी फ़ तुन्	वह एक एयर होस्टेस है
تِلْكَ طُيُورٌ	२०. तिल् क तु· यू रुन्	वह चिड़ियां हैं।
هٰذَا الْكِتَابُ جَدِيدٌ -	२१. हा दल् कि ता बु ज दी दुन्	यह पुस्तक नई है।
هٰذَا الْقَلَمُ ثَمِينٌ	२२. हा दल् क़ लमु तमी नुन्	यह क़लम महंगा है।
هٰذِهِ الطَّاوِلَاتُ جَدِيدَةٌ	२३. हा दि हित्· ता विलातु जदीद तुन्	यह मेजें नई हैं।
هٰؤُلَاءِ الرِّجَالُ طِوَالٌ	२४. हा उलाइर् रिजा लु ति· वालुन्	ये आदमी लम्बे हैं।
تِلْكَ الْبِنْتُ صَغِيرَةٌ	२५. तिल् कल् बिन् तु ·सग़ी र तुन्	वह लड़की छोटी है।
تِلْكَ الْكُتُبُ عَلَى الطَّاوِلَةِ	२६. तिल् कल् कु तु बु अ लत्· ता वि लति	वह पुस्तकें मेज पर हैं
أُولٰئِكَ الْبَنَاتُ صَغِيرَاتٌ	२७. उला इ कल् ब नातु ·सग़ी रा तुन्	वे लड़कियां छोटी हैं।
ذٰلِكَ الْأُسْتَاذُ أَمَامَ السَّبُّورَةِ	२८. दालि कल् उस्तादु अ मा मस् सब् बू र ति	वह अध्यापक ब्लैक बोर्ड के सामने है
هٰؤُلَاءِ الطُّلَّابُ فِي الْغُرْفَةِ	२६. हा उ ला इत्· तुल् ला बु फ़िल् ग़ुर् फ़ ति	ये छात्र कमरे के अन्दर हैं।
أُولٰئِكَ الطَّالِبَاتُ فِي الْغُرْفَةِ	३०. उ ला इ कत्· ता लि बा तु फ़िल् ग़ुर् फ़ ति	वे छात्रायें कमरे के अन्दर हैं।

व्याकरण

प्रत्येक भाषा के समान अरबी भाषा में भी किसी नजदीक या दूर की वस्तु या मनुष्य की ओर संकेत करने के लिये कुछ सर्वनाम हैं परन्तु इनका प्रयोग थोड़ा कठिन है इसलिए पाठक को चाहिये कि वह इनका प्रयोग अच्छी प्रकार समझ कर आगे बढ़े।

(अ) नजदीक के सर्वनाम यह हैं :-

هٰذَا १. हा ज़ा — यह

पुल्लिग संज्ञा के लिये चाहे उस संज्ञा का अर्थ कोई मनुष्य हो, चाहे कोई दूसरी वस्तु।

उदाहरण :-

هٰذَا رَجُلٌ १. हा ज़ा र जु लुन् — यह एक पुरुष है।

هٰذَا كِتَابٌ २. हा ज़ा कि ता बुन् — यह एक पुस्तक है।

هٰذَا فِيلٌ ३. हा ज़ा फ़ी लुन् — यह एक हाथी है।

هٰذِهِ २. हा ज़ि हि — यह

स्त्रीलिग संज्ञा के लिये चाहे उस संज्ञा का अर्थ कोई मनुष्य हो चाहे कोई वस्तु।

هٰذِهِ إِمْرَأَةٌ १ हा ज़ि हि इम् र अ तुन् — यह एक स्त्री है।

هٰذِهِ كُرَّاسَةٌ २ हा ज़ि हि कुर् रा स तुन् — यह एक कापी है।

هٰذِهِ جَامُوسَةٌ ३ हा ज़ि हि जा मू स तुन् — यह एक भैंस है।

هٰؤُلَاءِ ३. हा उ ला इ — ये

यह सर्वनाम केवल मनुष्य का अर्थ देने वाली बहुवचन संज्ञाओं के साथ प्रयोग होता है चाहे वह संज्ञा पुल्लिग हो चाहे स्त्रीलिंग।

उदाहरण :-

هٰؤُلَاءِ رِجَالٌ १ हा उ ला इ रि जा लुन् — ये पुरुष हैं।

هٰؤُلَاءِ نِسَاءٌ २ हा उ ला इ नि सा उन् — ये स्त्रियां हैं।

मनुष्य का अर्थ देने वाली बहुवचन संज्ञाओं के अलावा बहुवचन संज्ञाओं को

ओर संकेत करने के लिए स्त्रीलिंग एक वचन सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है अथवा "हा ज़ि हि" चाहे वह बहुवचन संज्ञा पुल्लिंग हो चाहे स्त्रीलिंग ।

उदाहरण :-

هٰذِهِ كُتُبٌ	१ हा ज़ि हि कु तु बुन्	यह पुस्तकें हैं।
هٰذِهِ أَفْيَالٌ	२ हा ज़ि हि अफ़् या लुन्	यह हाथी हैं।
هٰذِهِ كُرَّاسَاتٌ	३ हा ज़ि हि कुर् रा सा तुन्	यह कापियां हैं।
هٰذِهِ جَوَامِيسُ	४ हा ज़ि हि ज वा मी सु	यह भैंसें हैं।

(ब) दूर के सर्वनाम :-

ذٰلِكَ	१ ज़ा लि क	वह (एक पुरुष या एक वस्तु)
تِلْكَ	२ तिल् क	वह (एक स्त्री या एक वस्तु)
أُولٰئِكَ	३ उ ला इ क	वे (पुरुष या स्त्रियां)

इन सर्वनामों का प्रयोग भी नजदीक के सर्वनामों के आधार पर किया जाता है।

उदाहरण :-

ذٰلِكَ رَجُلٌ	ज़ा लि क र जु लुन्	वह एक पुरुष है।
ذٰلِكَ كِتَابٌ	ज़ा लि क कि ता बुन्	वह एक पुस्तक है।
ذٰلِكَ فِيلٌ	ज़ा लि क फ़ी लुन्	वह एक हाथी है।
تِلْكَ إِمْرَأَةٌ	तिल् क इम् र अ तुन्	वह एक स्त्री है।
تِلْكَ كُرَّاسَةٌ	तिल् क कुर् रा स तुन्	वह एक कापी है।
تِلْكَ جَامُوسَةٌ	तिल् क जा मू स तुन्	वह एक भैंस है।
أُولٰئِكَ رِجَالٌ	उ ला इ क रि जा लुन्	वे पुरुष हैं।
أُولٰئِكَ نِسَاءٌ	उ ला इ क नि सा उन्	वे स्त्रियां हैं।

تِلْكَ كُتُبٌ	तिल् क कु तु बुन्	वह पुस्तकें हैं।
تِلْكَ كُرَّاسَاتٌ	तिल् क कुर् रा सा तुन्	वह कापियां हैं।
تِلْكَ أَفْيَالٌ	तिल् क अफ़् या लुन्	वह हाथी हैं।
تِلْكَ جَوَامِيسُ	तिल् क ज वा मी सु	वह भैंसे हैं।

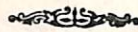
अभ्यास

१. पाठ को बार-बार पढ़ो और इसके प्रत्येक वाक्य को बार-बार लिखो।

२. नीचे दी गई संज्ञाओं के साथ ठीक-ठीक नजदीक और दूर के सर्वनामों को मिलाकर वाक्य बनाओ।

جَرِيدَةٌ	ज री द तुन्	समाचार पत्र
مَجَلَّةٌ	म जल् ल तुन्	पत्रिका
حَقِيْبَةٌ	·ह क़ी ब तुन्	थैला
مِرْوَحَةٌ	मिर् व ·ह तुन्	पंखा
دَرَّاجَةٌ	दर् रा ज तुन्	साईकिल
مِفْتَاحٌ	मिफ़् ता ·हुन्	चाबी
قُفْلٌ	क़ुफ़् लुन्	ताला
مَكْتَبٌ	मक् त बुन्	दफ़्तर
بَيْتٌ	बै तुन्	घर
قَمِيصٌ	क़ मी ·सुन्	क़मीज़
جَرَائِدُ	ज रा इ दु	समाचार पत्र (बहुवचन)
مَجَلَّاتٌ	म जल् ला तुन्	पत्रिकायें
حَقَائِبُ	·ह क़ा इ बु	थैले

مَرَاوِحُ	म रा वि ·हु	पंखे
دَرَّاجَاتٌ	दर् रा जा तुन्	साईकिलें
مَفَاتِيْحُ	म फ़ा ती ·हु	चाबियां
أَقْفَالٌ	अक़् फ़ा लुन्	ताले
مَكَاتِبُ	म का ति बु	दफ़्तर (बहुवचन)
بُيُوْتٌ	बु यू तुन्	घर (बहुवचन)
قُمْصَانٌ	क़ुम् ·सा नुन्	कमीज़ें



اَلدَّرْسُ السَّابِعُ

पाठ 7

सर्वनाम (Pronoun)

अरबी वाक्य	नागरी में उच्चारण	अर्थ
هُوَ رَجُلٌ	हु व र जु लुन्	वह एक पुरुष है ।
هُوَ سَائِقٌ	हु व सा इ क़ुन्	वह एक चालक है ।
هُمْ رِجَالٌ	हुम् रिजा लुन्	वे आदमी हैं ।
هُمْ سَائِقُوْنَ	हुम् सा इ क़ू न	वे चालक हैं ।
هِيَ بِنْتٌ	हि य बिन् तुन्	वह एक लड़की है ।
هِيَ طَالِبَةٌ	हि य ता लि ब तुन्	वह एक छात्रा है ।
هُنَّ بَنَاتٌ	हुन् न बना तुन्	वे लड़कियां हैं ।
هُنَّ طَالِبَاتٌ	हुन् न ता लि बा तुन्	वे छात्रायें हैं ।
هَلْ أَنْتَ سَائِقٌ	हल अन् त सा इ क़ुन्	क्या तुम एक चालक हो ।
نَعَمْ، أَنَا سَائِقٌ	न अम् , अ ना सा इ क़ुन्	हां, मैं एक चालक हूं ।
لَا، أَنَا أُسْتَاذٌ	ला, अ ना उस् ता दुन्	नहीं, मैं एक अध्यापक हूं ।
هَلْ أَنْتُمْ ذَاهِبُوْنَ إِلَى الْجَامِعَةِ	हल् अन् तुम् दा हि बू न इ लल् जा मि अ ति	क्या तुम सब यूनिवर्सिटी जा रहे हो ?
نَعَمْ نَحْنُ ذَاهِبُوْنَ إِلَى الْجَامِعَةِ	न अम् नह् नु दा हि बू न इ लल् जा मि अ ति	हां, हम (सब) यूनिवर्सिटी जा रहे हैं ।

لَا، نَحْنُ قَادِمُونَ	ला, नह्नु क़ादिमून मिनल्	नहीं, हम (सब) लायब्रेरी से
مِنَ الْمَكْتَبَةِ	मक्तबति	आ रहे हैं।
مَنْ أَنْتِ؟	मन् अन्ति	तुम कौन (लड़की) हो।
أَنَا خَادِمَةٌ	अना ख़ादिमतुन्	मैं एक नौकरानी हूं।
مَنْ أَنْتُنَّ؟	मन् अन्तुन्न	तुम सब (लड़कियां) कौन हो
نَحْنُ طَالِبَاتٌ	नह्नु तालिबातुन्	हम सब छात्रायें हैं।
أَيْنَ أَنْتَ ذَاهِبٌ؟	ऐन अन्त दाहिबुन्	तुम कहां जा रहे हो ?
أَنَا ذَاهِبٌ إِلَى الْجَامِعَةِ	अना दाहिबुन् इलल् जामिअति	मैं यूनिवर्सिटी जा रहा हूं।
مَا هٰذَا؟	मा हादा ?	यह क्या है ?
هٰذَا كِتَابِيْ	हादा किताबी	यह मेरी पुस्तक है।
مَاذَا فِي يَدِكَ؟	मादा फ़ी यदिक	तुम्हारे हाथ में क्या है ?
هٰذَا قَلَمٌ فِي يَدِيْ	हादा क़लमुन् फ़ी यदी	मेरे हाथ में एक क़लम है।

व्याकरण

वह शब्द जिसको किसी संज्ञा के बदले प्रयोग करते हैं उसको सर्वनाम कहते हैं। उदाहरण के लिये हम इस प्रकार कह सकते हैं कि :–

राम कल बम्बई गया।

वह एक सप्ताह के बाद लौटेगा।

इस वाक्य में राम का नाम दूसरी बार कहने के बदले हमने 'वह' का शब्द प्रयोग किया है। इसी शब्द को सर्वनाम कहते हैं। यह सर्वनाम किसी भी दूसरी भाषा की तरह दो प्रकार के होते हैं, एक वह जो वाक्य में कर्त्ता के तौर पर प्रयोग होते हैं जैसा कि ऊपर बताया गया है दूसरे वह जो वाक्य में कर्म (Object) या अधिपति (Possesor) के तौर पर प्रयोग होते हैं। उदाहरण के लिए हम इस प्रकार समझ सकते हैं कि :-

राम मेरे पास आया और मैंने उसको मारा।

इस वाक्य में मारने का काम राम पर किया जा रहा है और यहां पर हमने राम का नाम दोबारा प्रयोग करने के बदले "उसको" का शब्द प्रयोग किया है। इसी शब्द को कर्म सर्वनाम कहते हैं।

इसके अलावा अब नीचे दिये गये वाक्य को ध्यान से पढ़िये।

यह पुस्तक राम की है। उसकी पुस्तक मत फाड़ो।

इस वाक्य में 'उसकी' शब्द अधिपति सर्वनाम (Possesive Pronoun) है क्योंकि हमने इस शब्द को "राम की" के बदले प्रयोग किया है।

इस पाठ में हम केवल कर्ता सर्वनामों के बारे में बतायेंगे बाक़ी दूसरे प्रकार के सर्वनामों के बारे में इससे अगले पाठ में विस्तृत विवरण के साथ बताया जायेगा।

कर्ता सर्वनाम

هُوَ	हु व	वह (एक पुरुष)
هُمْ	हुम्	वे (बहुत से पुरुष)
هِيَ	हि य	वह (एक स्त्री)
هُنَّ	हुन् न	वे (स्त्रियां)
أَنْتَ	अन् त	तुम (एक पुरुष)
أَنْتُمْ	अन् तुम्	तुम (बहुत से पुरुष)
أَنْتِ	अन् ति	तुम (एक स्त्री)
أَنْتُنَّ	अन् तुन् न	तुम (बहुत सी स्त्रियां)
أَنَا	अ ना	मैं (पुरुष या स्त्री)
نَحْنُ	न·ह् नु	हम (पुरुष या स्त्रियां)

इन सर्वनामों के अलावा हम यहां पर आपको कुछ ऐसे सर्वनाम भी बताते हैं जिनकी सहायता से ऐसे वाक्य बनाये जा सकते हैं जिनसे प्रश्न पूछा जा सकता है और फिर उनके उत्तर में हां या नहीं का प्रयोग किस प्रकार होता है यह भी आपको जान लेना चाहिये।

مَنْ	मन्	कौन(केवल मनुष्य के लिये)
مَا	मा	क्या(अव्यक्तिक संज्ञायों केलिये)
مَاذَا	मादा	क्या, क्या चीज़
أَيْنَ	अैन	कहां
نَعَمْ	न अम्	हां
لَا	ला	नहीं

यह बात ध्यान में रखिये कि प्रश्न करने वाले सर्वनाम साधारण वाक्य के आरम्भ में आते हैं।

उदाहरण:-

هَلْ هٰذَا كِتَابٌ	हल् हा दा कि ता बुन्	क्या यह एक पुस्तक है ?

ध्यान से देखिये कि "हल्" वाक्य के आरम्भ में आया है।

अभ्यास

१. इस पाठ को बार-बार पढ़ो और लिखो।

२. नीचे दी गई संज्ञाओं के साथ ठीक-ठीक सर्वनाम का प्रयोग करो और फिर इन वाक्यों के साथ प्रश्न करने वाले सर्वनामों का भी प्रयोग करो। इसके पश्चात हां या नहीं में उत्तर भी लिखो।

وَلَدٌ	व ल दुन्	लड़का
بِنْتٌ	बिन् तुन्	लड़की
مُوَظَّفٌ	मु वज़् ज़ फ़ुन्	अफ़सर
خَادِمٌ	ख़ा दि मुन्	नौकर
مُدَرِّسٌ	मु दर् रि सुन्	अध्यापक
خَيَّاطٌ	ख़ै या तुन्	दर्ज़ी

بَقَّالٌ	बक़् क़ा लुन्	बनिया
مُهَنْدِسٌ	मु हन् वि सुन्	इंजीनियर
أَولَادٌ	औ ला दुन्	लड़के
بَنَاتٌ	ब ना तुन्	लड़कियां
مُوَظَّفُونَ	मुवज़् ज़ फ़ू न	अफ़सर (कई)
خَدَمٌ	ख़ द मुन्	नौकर (बहुवचन)
مُهَنْدِسُونَ	मु हन् दि सू न	इंजीनियर (बहुवचन)
مُدَرِّسَةٌ	मु दर् रि स तुन्	अध्यापिका
مُدَرِّسَاتٌ	मुदर् रि सा तुन्	अध्यापिकायें
خَادِمَةٌ	ख़ा दि म तुन्	नौकरानी
خَادِمَاتٌ	ख़ा दि मा तुन्	नौकरानियां
مُهَنْدِسَةٌ	मु हन् दि स तुन्	इंजीनियर (स्त्री)
مُهَنْدِسَاتٌ	मु हन् दि सा तुन्	इंजीनियर (स्त्रियां)



اَلدَّرْسُ الثَّامِنُ

पाठ 8

कर्म तथा अधिपति सर्वनाम
अथवा
जोड़कर लिखे जाने वाले सर्वनाम

अरबी वाक्य	नागरी में उच्चारण	अर्थ
كِتَابُ الْوَلَدِ عَلَى الطَّاوِلَةِ	किताबुल् वलदि अ़लत्· ताविलति	लड़के की पुस्तक मेज पर है।
كِتَابُهُ جَدِيدٌ	किताबुहु जदीदुन्	उसकी पुस्तक नई है।
كِتَابُهُ مَفْتُوحٌ	किताबुहु मफ़्तू·हुन्	उसकी पुस्तक खुली हुई है।
فِي كِتَابِهِ نَظْمٌ	फ़ी किताबिहि नज़्·मुन्	उसकी पुस्तक में एक कविता है
هُوَ أُسْتَاذٌ	हुव उस्तादुन्	वह एक अध्यापक है।
فِي يَدِهِ وَلَّاعَةٌ	फ़ी यदिहि वल्लाअ़तुन्	उसके हाथ में एक लाईटर है।
وَلَّاعَتُهُ غَالِيَةٌ	वल्लाअ़तुहु ग़ालियतुन्	उसका लाईटर महँगा है।
هٰذِهِ كُرَّاسَةُ الْبِنْتِ	हादि़हि कुर्रासतुल् बिन्ति	यह लड़की की कापी है।
كُرَّاسَتُهَا فِي الْحَقِيبَةِ	कुर्रासतुहा फ़िल् ·हक़ीबति	उसकी कापी थैले में है।
كُرَّاسَتُهَا فِي حَقِيبَتِهَا	कुर्रासतुहा फ़ी ·हक़ीबतिहा	उसकी कापी उसके थैले में है।
كُتُبُهُمْ عَلَى الطَّاوِلَةِ	कुतुबुहुम् अ़लत्· ताविलति	उनकी पुस्तकें मेज पर हैं।
كُرَّاسَاتُهُنَّ فِي حَقِيبَتِهِنَّ	कुर्रासातुहुन्न फ़ी ·हक़ीबतिहिन्न	उनकी कापियां उनके थैलेमें है
حَقِيبَتُكَ عَلَى الطَّاوِلَة	·हक़ीबतुक अ़लत्· ताविलति	तुम्हारा थैला मेज पर है।
حَقَائِبُكُمْ فِي الْغُرْفَةِ	·हक़ाइबुकुम् फ़ील् ग़ुर्फति	तुम्हारे थैले कमरे में हैं।

قَلَمُكِ فِى يَدِى	क़ लमु कि फ़ी य दी	तुम्हारा क़लम मेरे हाथ में है।
أَقْلاَمُكُنَّ فِى حَقَائِبِكُنَّ	अक़् ला मु कुन् न फ़ी ·ह क़ा इ बि कुन् न	तुम्हारी क़लमें तुम्हारे थैलों में हैं
سَيَّارَتِى أَمَامَ مَكْتَبِى	सै या र ती अ मा म मक् त बी	मेरी कार मेरे दफ़्तर के सामने है
فِى سَيَّارَتِى سَائِقِى	फ़ी सै या र ती साइक़ी	कार में मेरा ड्राइवर हैं।
صَدِيقُنَا قَادِمٌ	·स दी क़ु ना ·क़ा दि मुन्	हमारा दोस्त आ रहा है

व्याकरण

कोई भी सर्वनाम क्योंकि आपही विशेष (Definite) होता है इसलिए किसी सर्वनाम पर "अल् أَلْ" लगाकर विशेष बनाने की आवश्यकता नहीं बल्कि यह कहना अधिक ठीक होगा कि किसी भी प्रकार के सर्वनाम पर "अल् أَلْ" लगाना ग़लत है।

वह, तुम और मैं इत्यादि के लिये जो सर्वनाम हैं उनके बारे में आप पाठ न० ७ में पढ़ चुके हैं। वह सर्वनाम अपने पहले वाले शब्द के अन्तिम अक्षर से जोड़कर नहीं लिखे जाते।

उसका, उसकी, तुम्हारा, तुम्हारी और मेरा, मेरी, इत्यादि के लिए जो सर्वनाम हैं वह सदा अपने से पहले वाले शब्द के अन्तिम अक्षर से जोड़कर लिखे जाते हैं। इस प्रकार के सर्वनामों को अधिपति तथा कर्म (Possesive and ObjectivePronouns) सर्वनाम कहते हैं। वह सर्वनाम नीचे दिए गये हैं।

هُ	हु	उसका- की (पुरुष के लिये)
هُمْ	हुम्	उनका- की (पुरुषों के लिये)
هَا	हा	उसका-की (स्त्री के लिये)
هُنَّ	हुन् न	उनका- की (स्त्रियों के लिये)
كَ	क	तेरा–तुम्हारा (पुरुष के लिए)
كُمْ	कुम्	तुम्हारा (पुरुषों के लिए)
كِ	कि	तेरा-तुम्हारी (स्त्रियों के लिए)
كُنَّ	कुन् न	तुम्हारा (स्त्रियों के लिए)

ي	य*	मेरा-मेरी (पुरुष, स्त्री)
نا	ना	हमारा-हमारी (पुरुष-स्त्रियां)

अब इन जोड़ों को ध्यान से पढ़ो

كِتَابُهُ	कि ता बु हु	उसकी पुस्तक (पुरुष)
قَلَمُهُ	क़ ल मु हु	उसका क़लम (पुरुष)
كِتَابُهُمْ	कि ता बु हुम्	उनकी पुस्तक (पुरुष)
كِتَابُهَا	कि ता बु हा	उसकी पुस्तक (स्त्री)
كِتَابُهُنَّ	कि ता बु हुन् न	उनकी पुस्तक (स्त्रियां)
كِتَابُكَ	कि ता बु क	तेरी पुस्तक (पुरुष)
كِتَابُكُمْ	कि ता बु कुम्	तुम्हारी पुस्तक (पुरुष)
كِتَابُكِ	कि ता बु कि	तेरी पुस्तक (स्त्री)
كِتَابُكُنَّ	कि ता बु कुन् न	तुम्हारी पुस्तक (स्त्रियां)
كِتَابِي	कि ता बी	मेरी पुस्तक (पुरुष-स्त्री)
كِتَابُنَا	कि ता बु ना	हमारी पुस्तक (पुरुष-स्त्रियां)

ऊपर दी गई उदाहरणों से इन जोड़कर लिखे जाने वाले सर्वनामों का प्रयोग अच्छी प्रकार समझ में आ गया होगा। इन सर्वनामों को जिस प्रकार ऊपर बताया गया है उसी प्रकार हर स्थिति (Case) में लिखा और पढ़ा जाता है। परन्तु यह बात जान लेनी चाहिए कि 'हु-हुम्-हुन् न' से पहले अगर लम्बी अथवा खुली आवाज़ वाली "या ی" (Vowel) हो या कसरः हो तो इनको "हि-हिम्-हिन् न" लिखें और पढ़ेंगे। और "या" जिसका अर्थ मेरा या मेरी है को सदा "ई" की मात्रा से पढ़ें और लिखेंगे।

उदाहरण :–

* इस य को 'ई' की प्रकार पढ़ा जाता है।

فِي كِتَابِهِ	फ़ी कि ता बि हि	उसकी पुस्तक में।
فِي كِتَابِهِمْ	फ़ी कि ता बि हिम्	उनकी पुस्तक में।
فِي كِتَابِهِنَّ	फ़ी कि ता बि हिन् न	उनकी पुस्तक में।
فِي كِتَابِي	फ़ी कि ता बी	मेरी पुस्तक में।

अभ्यास

१. पाठ को बार-बार पढ़ो और लिखो व याद करो।

२. अपनी याद की हुई सब संज्ञाओं को जोड़कर लिखे जाने वाले सर्वनामों के साथ जोड़कर लिखो।

३. निम्नलिखित संज्ञाओं को सर्वनामों के साथ जोड़कर लिखो और फिर अपनी याद की हुई विशेषण और क्रिया का अर्थ देने वाली संज्ञाओं को विधेय (Predicate) के तौर पर प्रयोग करके वाक्य बनाओ।

ثَلَّاجَةٌ	त़ल् ला ज तुन्	रेफ्रीजेटर
دَرَّاجَةٌ	दर् रा ज तुन्	साईकिल
طَاوِلَةٌ	ता़ वि ल तुन्	मेज
مَجَلَّةٌ	म जल् ल तुन्	पत्रिका
حُجْرَةٌ	·हुज् र तुन्	कमरा
كَلْبٌ	कल् बुन्	कुत्ता
كِلَابٌ	कि ला बुन्	कुत्ते
مَوْقِدٌ	मौ क़ि दुन्	चूल्हा
مَوَاقِدُ	म वा क़ि दु	चूल्हे
مِرْوَحَةٌ	मिर् व ·ह तुन्	पंखा
مَرَاوِحُ	म रा वि ·हु	पंखे

جَرِيدَةٌ	ज री द तुन्	समाचार पत्र
جَرَائِدُ	ज रा इ दु	समाचार पत्र (बहुवचन)
سِكِّينٌ	सिक् की नुन्	छुरी
سَكَاكِينُ	स का की नु	छुरियां

४. अभ्यास न० ३ में दी गई संज्ञाओं को बहुवचन बनाकर बताये हुये तरीक़े के अनुसार अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

गोल "त ة" पर अन्त होने वाली संज्ञाओं का बहुवचन आमतौर पर गोल "त ة" को हटा कर और अलिफ़ व लम्बी त (ات) लगाकर बनाया जाता है।

उदाहरण :-

خَادِمَةٌ	ख़ा दि म तुन्
خَادِمَاتٌ	ख़ा दि मा तुन्

इसके अलावा बाक़ी संज्ञाओं का बहुवचन शब्दकोश में देखिए क्योंकि यही आसान तरीक़ा है वैसे हमने इस बात का ध्यान रखा है कि जहां कोई नई संज्ञा आये उसका बहुवचन सिद्धान्ततः वहीं बता दें।



اَلدَّرْسُ التَّاسِعُ

पाठ 9

Verbal Sentence, Past Tense, Positive Statement

क्रियात्मक वाक्य, भूतकाल सकारात्मक वर्णन

अरबी वाक्य	नागरी लिपि में उच्चारण	अर्थ
ذَهَبَ الْوَلَدُ	द़हबल् वलदु	लड़का गया।
ذَهَبَ الْأَوْلَادُ	द़हबल् औलादु	लड़के गये।
اَلْأَوْلَادُ ذَهَبُوا	अल्औलादु द़हबू	लड़के गये।
ذَهَبَتِ الْبِنْتُ	द़हबतिल् बिन्तु	लड़की गई।
ذَهَبَتِ الْبَنَاتُ	द़हबतिल् बनातु	लड़कियां गईं।
اَلْبَنَاتُ ذَهَبْنَ	अल्बनातु द़हब्न	लड़कियां गईं।
هَلْ ذَهَبْتَ إِلَى السُّوقِ أَمْسِ ؟	हल् द़हब्त इलस् सूक़ि अम्सि ?	क्या तू कल बाजार गया था ?
نَعَمْ، ذَهَبْتُ إِلَى السُّوقِ أَمْسِ	न अम्, द़हब्तु इलस् सूक़ि अम्सि	हां, मैं कल बाजार गया था।
هَلْ ذَهَبْتِ إِلَى الْمَدْرَسَةِ أَمْسِ؟	हल् द़ हब्ति इलल् मद्रसति अम्सि ?	क्या तू कल स्कूल गई थी ?
نَعَمْ، ذَهَبْتُ إِلَى الْمَدْرَسَةِ أَمْسِ	न अम्, द़हब्तु इलल् मद्रसति अम्सि	हां, मैं कल स्कूल गई थी।
هَلْ ذَهَبْتُمْ إِلَى الْمَعْرِضِ فِي الْأُسْبُوعِ الْمَاضِي؟	हल् द़हब्तुम् इलल् मअ्रिन्दि फ़िल् उसबूअिल् मा·दी ?	क्या तुम (सब) पिछले सप्ताह नुमाइश में गए थे ?
نَعَمْ، ذَهَبْنَا إِلَى الْمَعْرِضِ فِي الْأُسْبُوعِ الْمَاضِي	न अम्, द़हब्ना इलल् मअ्रिन्दि फ़िल् उसबूअिल् मा·दी	हां, हम पिछले सप्ताह नुमाइश गए थे।

هَلْ ذَهَبْتُنَّ إِلَى الْكُلِّيَّةِ	हल् द़हब्तुन्न इलल् कुल्लीयति	क्या तुम (स्त्रियां) पिछले
فِى الشَّهْرِ الْمَاضِى ؟	फ़िश् शह्रिल्मा·दी?	महीने कालेज गईं थीं ?
نَعَمْ، ذَهَبْنَا إِلَى الْكُلِّيَّةِ	नअ़म्, द़हब्ना इलल् कुल्लियति	हां, हम पिछले महीने कालेज
فِى الشَّهْرِ الْمَاضِى	फ़िश् शह्रिल् मा·दी	गईं थीं।

व्याकरण

अरबी भाषा में केवल दो काल (Tense) होते हैं पहला भूतकाल (Past Tense) और दूसरा वर्तमान काल (PresentTense)। इन दोनों कालों को अरबी भाषा में "मा·दी" (भूतकाल) और "मु·दा रिअ़" (वर्तमान काल) कहते हैं। इन दोनों कालों की क्रियाओं से पहले कुछ दूसरे अक्षर लगाकर बाक़ी सारे काल बनाये जाते हैं।

अरबी भाषा की अधिकतर क्रियाओं में तीन असली अक्षर होते हैं। इन तीन अक्षरों को (Root letters) भी कहते हैं। फिर इन तीन अक्षरों के आरम्भ या बीच में एक या दो या अधिक अक्षर बढ़ा कर बहुत सी क्रियायें बनाई जाती हैं। इन क्रियाओं को व्युत्पन्न क्रियायें (derived Verbs) कहते हैं।

अरबी भाषा में प्रत्येक क्रिया के कर्ता के वचन के अनुसार भिन्न-भिन्न रूप होते हैं। इसको आख्यात रूप (Conjugation) कहते हैं। कहने का मतलब यह है कि एक वचन उत्तम पुरुष पुल्लिग के लिए क्रिया का एक रूप होता है। इसी प्रकार स्त्रीलिंग उत्तम पुरुष (Third person) के लिये दूसरा और मध्यम पुरुष (Second person) में एक वचन और बहुवचन के लिये भी क्रिया का अलग-अलग रूप होगा परन्तु प्रथम पुरुष अथवा बोलने वाले की क्रिया के लिये पुल्लिग और स्त्रीलिंग का अलग-अलग रूप नहीं होता।

उदाहरण के लिये :-

ذَهَبَ द़ ह ब एक क्रिया है, इसमें तीन अक्षर हैं। इसका अर्थ है वह गया।

अब आप इस क्रिया के बदलते रूपों (Conjugation) को ध्यान से पढ़ें ताकि आगे आपको आसानी हो और आप किसी भी दूसरी क्रिया की Conjugation आसानी से कर सकें।

ذَهَبَ	द़ ह ब	वह गया
ذَهَبُوا	द़ ह बू	वे गये

ذَهَبَتْ	द़ ह बत्	वह गई
ذَهَبْنَ	द हब् न	वे गईं
ذَهَبْتَ	द ह ब् त	तू गया
ذَهَبْتُمْ	द़ हब् तुम्	तुम गए
ذَهَبْتِ	द़ हब् ति	तू गई
ذَهَبْتُنَّ	द़ हब् तुन् न	तुम गईं
ذَهَبْتُ	द़ हब् तु	मैं गया, मैं गई
ذَهَبْنَا	द़ हब् ना	हम गये, हम गईं

अरबी भाषा में यह बात अच्छी समझी जाती है कि क्रियातिक वाक्य को क्रिया से आरम्भ किया जाये। और जब क्रिया वाक्य के शुरू में आती है तो क्रिया अपने कर्ता से केवल लिंग में ही मेल खाती है। और क्रिया का वचन केवल एक वचन ही रहता है परन्तु अगर क्रिया अपने कर्ता के बाद आये या लाना पड़े तो क्रिया का वचन भी अपने कर्ता से मेल खाता है। देखो वाक्य तीन और छह। ऐसा केवल उत्तम पुरुष के कर्ता के साथ ही होता है बाक़ी प्रथम पुरुष और मध्यम पुरुष की क्रियाओं के रूप सदा ऐसे ही रहते हैं। इस बात को समझने के लिये नीचे दी गई उदाहरणों को ध्यान से पढ़ो।

أَلْوَلَدُ	अल् व ल दु	लड़का
أَلْأَوْلَادُ	अल् औ ला दु	लड़के
اَلْبِنْتُ	अल् बिन् तु	लड़की
اَلْبَنَاتُ	अल् ब ना तु	लड़कियां
ذَهَبَ الْوَلَدُ	द़ह बल् व ल दु	लड़का गया
ذَهَبَ الْأَوْلَادُ	द़ ह बल् औ ला दु	लड़के गये

आप अगर ध्यान से देखें तो पता चलेगा कि ऊपर दिये गये दोनों वाक्यों में 'द़ ह ब' अपने कर्ता से पहले आया है यही कारण है कि यह क्रिया अपने कर्ता से केवल लिंग में मेल खा रही है। वचन में नहीं। परन्तु अगर हम क्रिया को कर्ता के बाद में

लायें या लाना पड़े तो यह क्रिया अपने कर्ता के वचन से भी मेल खायेगी जैसा कि नीचे के वाक्य में बताया गया है ।

اَلْأَوْلَادُ ذَهَبُوا अल् औ ला दु द़ ह बू लड़के गये

इसी प्रकार उत्तम पुरुष स्त्रीलिंग कर्ता के साथ भी होता है ।

उदाहरण :-

ذَهَبَتِ الْبِنْتُ द़ ह ब तिल् बिन् तु लड़की गई

ذَهَبَتِ الْبَنَاتُ द़ ह ब तिल् बना तु लड़कियां गईं

اَلْبَنَاتُ ذَهَبْنَ अल् ब ना तु द़ हब् न लड़कियां गईं

जैसा कि ऊपर बताया गया है मध्यम पुरुष और प्रथम पुरुष की क्रियायें सदा ऊपर बताई हुई तरह ही पढ़ी और लिखी जाती हैं यदि उसमें कर्ता पहले आये चाहे बाद में ।

उदाहरण :-

ذَهَبْتُ द़ हब् तु मैं गया

أَنَا ذَهَبْتُ अ ना द़ हब् तु मैं गया

ذَهَبْتُ أَنَا द़ हब् तु अ ना मैं गया

इन वाक्यों में क्रिया के साथ "अ ना" लगाये बिना ही अर्थ पूरा हो जाता है । "अ ना" तो केवल बल देने के लिए प्रयोग किया जाता है ।

किसी दूसरी भाषा की तरह अरबी भाषा में भी दो प्रकार की क्रियायें पाई जाती हैं ।

१. अकर्मक क्रिया (Intransitive)

२. सकर्मक क्रिया (Transitive)

अकर्मक क्रिया वह होती है जिसका काम केवल कर्ता पर समाप्त हो जाता है ।

उदाहरण :-

ذَهَبَ الْوَلَدُ द़ ह बल् व लदु लड़का गया

अरबी भाषा में कर्ता के ऊपर ·दम्मः आता है जैसा कि ऊपर वाक्य में दिखाया गया है ।

सर्कमक क्रिया वह होती है जो कर्ता के अलावा एक कर्म (Object) भी लेती है । अथवा जिस पर उस क्रिया के कार्य का असर होता है ।

उदाहरण :-

قَرَأَ الْوَلَدُ الْجَرِيدَةَ क़ र अल् व ल दुल् ज री द त — लड़के ने समाचार पत्र पढ़ा

अरबी भाषा में कर्म (Object) के ऊपर फ़त्·हः आता है ।

अभ्यास

नीचे दी गई क्रियाओं को लिखकर बताये हुए तरीक़े के अनुसार भिन्न-भिन्न रूपों में बदलो और उनको अपने वाक्यों में प्रयोग करो । ध्यान में रखो कि कौन-सी क्रिया अर्कमक है और कौन-सी सर्कमक । वाक्य बनाते समय यह बात भी ध्यान में रखना कि कर्ता के ऊपर ·दम्मः आता है और कर्म (Object) के ऊपर फ़त·हः ।

كَتَبَ	क त ब	उसने लिखा (पुरुष)
فَتَحَ	फ़ त ·ह	उसने खोला (पुरुष)
وَقَفَ	व क़ फ़	वह खड़ा हुआ (पुरुष)
شَرِبَ	श रि ब	उसने पिया (पुरुष)
قَدِمَ	क़ दि म	वह आया (")

इन क्रियाओं से वाक्य बनाते समय कोई कर्ता और कर्म (Object) आप अपनी ओर से लगायें ।

उदाहरण :-

كَتَبَ الْوَلَدُ رِسَالَةً क त बल् व ल दु रि सा ल तन् — लड़के ने एक पत्र लिखा



اَلدَّرْسُ الْعَاشِرُ
पाठ *10*

वर्तमान काल (Positive Statement, Present Tense)
सकारात्मक वर्णन

ذَهَبَ द ह ब — वह गया ।

يَذْهَبُ यद् ह बु — १. वह जाता है ।

२. वह जायेगा ।

३. वह जा रहा है ।

كَتَبَ क त ब — उसने लिखा ।

يَكْتُبُ यक् तु बु — १. वह लिखता है ।

२. वह लिखेगा ।

३. वह लिख रहा है ।

فَتَحَ फ़ त ·ह — उसने खोला

يَفْتَحُ यफ़ त ·हु — १. वह खोलता है ।

२. वह खोल रहा है ।

३. वह खोलेगा ।

قَرَأَ क़ र अ — उसने पढ़ा ।

يَقْرَأُ यक़् र अु = यक़् र उ — १. वह पढ़ता है ।

२. वह पढ़ेगा ।

३. वह पढ़ रहा है ।

جَلَسَ	ज ल स	वह बैठा।
يَجْلِسُ	यज् लि सु	१. बैठता है।
		२. वह बैठेगा।
		३. वह बैठ रहा है।
وَ	व	और एवं व व
اَلْآنَ	अल् आ न	अब
مَنْ	मन्	कौन
مَا	मा	क्या
أَيْنَ	अै न	कहां
يَدٌ	य दुन्	हाथ
غَدًا	ग़ दन्	कल (आने वाला)

هَلْ हल् इस शब्द का अपना अलग अर्थ नहीं होता परन्तु जब यह किसी वाक्य के शुरू में आता है तो वाक्य को प्रश्न में बदल देता है।

مَنْ أَنْتَ؟	मन् अन् त ?	तू कौन है ?
أَنَا وَلَدٌ	अ ना व ल दुन्	मैं एक लड़का हूं।
مَا إِسْمُكَ ؟	मा इस् मु क ?	तुम्हारा नाम क्या है ?
إِسْمِى نَبِيلٌ	इस् मी न बी लुन्	मेरा नाम नबील है।
هَلْ أَنْتَ طَالِبٌ؟	हल् अन् त ता लि बुन्	क्या तुम एक विद्यार्थी हो।
نَعَمْ، أَنَا طَالِبٌ	न अम्, अ ना ता लि बुन्	जी हां, मैं एक विद्यार्थी हूं ?

مَنْ هُوَ؟	मन् हु व ?	वह कौन है ?
هُوَ وَالِدِى	हुव वा लि दी	वह मेरे पिता हैं
أَيْنَ تَذْهَبُ الْآنَ؟	औ न तद् ह बुल् आ न ? *	तुम अब कहां जा रहे हो ?
أَذْهَبُ إِلَى الْجَامِعَةِ الْآنَ	अद् ह बु इलल् जा मि अ़ तिल् आ न *	मैं अब विश्वविद्यालय जा रहा
هَلْ يَذْهَبُ	हल् यद् ह बु वा लि दु क इलल्	क्या तुम्हारे पिता दफ़्तर
وَالِدُكَ إِلَى الْمَكْتَبِ؟	मक् त बि?	जाते हैं ?
نَعَمْ، يَذْهَبُ	न अ़म्, यद् ह बु वा लि दी इलल्	जी हां, मेरे पिता दफ़्तर जा
وَالِدِى إِلَى الْمَكْتَبِ	मक् त बि	हैं।
مَنْ أَنْتِ؟	मन् अन् ति ?	तू (लड़की) कौन है ?
أَنَا بِنْتٌ	अ ना बिन् तुन्	मै एक लड़की हूं।
مَا إِسْمُكِ؟	मा इस् मु कि ?	तुम्हारा नाम क्या है ?
إِسْمِى نِهَادُ	इस् मी नि हा दु	मेरा नाम निहाद है।
هَلْ أَنْتِ أُسْتَاذَةٌ؟	हल् अन् ति उस ता द तुन् ?	क्या तुम अध्यापिका हो ?
لَا، أَنَا طَالِبَةٌ	ला, अ ना त़ा लि ब तुन्	नहीं, मैं यूनिवर्सिटी में छात्रा
فِى الْجَامِعَةِ	फ़िल् जा मि अ़ ति	
أَيْنَ تَذْهَبِينَ الْآنَ؟	औ न तद् ह बी नल् आ न ?	तुम अभी कहां जा रही हो ?

---

* देखिये इस स्थान पर वर्तमान काल का अर्थ वर्तमान काल जारी (Present Continuous) में आ रहा है।

أَذْهَبُ إِلَى الْمَكْتَبَةِ الآنَ	अद्‌हबु इलल् मक्तबतिल्आन	मैं इस समय लायब्रेरी जा रही हूँ
مَاذَا فِي يَدِكِ ؟	मा दा फ़ी यदिकि?	तुम्हारे हाथ में क्या है ?
فِي يَدِي حَقِيبَتِي	फ़ी यदी ·हक़ीबती	मेरे हाथ में मेरा थैला है।
هَلْ يَقْرَأُ نَبِيلٌ	हल् यक़्रउ नबीलुन् मिनल्	क्या नबील पुस्तक से पढ़
مِنَ الْكِتَابِ ؟	किताबि	रहा है ?
نَعَمْ، هُوَ يَقْرَأُ	नअ़म्, हुव यक़्रउ मिनल्	हां, वह पुस्तक से पढ़ रहा
مِنَ الْكِتَابِ	किताबि	है।
هَلْ نِهَادُ تَفْتَحُ كِتَابَهَا ؟	हल् निहादु तफ़्त·हु किताब हा ?	क्या निहाद अपनी पुस्तक खोल रही है ?
نَعَمْ، هِيَ تَفْتَحُ كِتَابَهَا	न अ़म्, हिय तफ़्त·हु किताबहा	हां, वह अपनी पुस्तक खोल रही है :
هَلْ أَنْتَ تَذْهَبُ	हल् अन्त तद्‌हबु इलल् मक्तबि	क्या तुम कल दफ़्तर जाओगे?
إِلَى الْمَكْتَبَةِ غَدًا ؟	ग़दन्	
نَعَمْ، أَنَا أَذْهَبُ	न अ़म्, अना अद्‌हबु इलल्	हां, मैं कल दफ़्तर जाऊंगा।
إِلَى الْمَكْتَبَةِ غَدًا ؛	मक्तबि ग़दन्	
هَلْ أَنْتِ تَكْتُبِينَ	हल् अन्ति तक्तुबीन रिसालतन्	क्या तुम शाम को पत्र
رِسَالَةً فِي الْمَسَاءِ ؟	फ़िल् मसाइ ?	लिखोगी ?
نَعَمْ، أَنَا أَكْتُبُ	नअ़म्, अना अक्तुबु रिसालतन	हां, मैं शाम को पत्र लिखूंगी।
رِسَالَةً فِي الْمَسَاءِ *	फ़िल् मसाइ ?	
هَل انتم تذهبون	हल् अन्तुम् तद्‌हबून	क्या तुम सब (आदमी) अगले

* देखिये यहां वर्तमान काल का अर्थ भविष्य (Future) से लगाया जा रहा है।

إِلَى الْإِذَاعَةِ	इलल् इ दा अ ति	सप्ताह रेडियो स्टेशन जाओगे
فِي الْأُسْبُوعِ الْقَادِمِ؟	फ़िल् उस बू अिल् क़ा दि मि ?	
نَعَمْ نَحْنُ نَذْهَبُ	न अम्, न-ह् नु नद् ह बु	हां, हम अगले सप्ताह रेडियो
إِلَى الْإِذَاعَةِ فِي	इलल् इ दा अ ति	स्टेशन जायेंगे।
الْأُسْبُوعِ الْقَادِمِ	फ़िल् उस् बू अिल् क़ा दि मि	
هَلْ أَنْتُنَّ تَذْهَبْنَ	हल् अन् तुन् न तद् हब् न	क्या तुम सब (लड़कियां)
إِلَى الْكُلِّيَّةِ؟	इलल् कुल् ली य ति ?	कालेज जाती हो ?
نَعَمْ، نَحْنُ نَذْهَبُ	न अम्, न-ह् नु नद् ह बु	हां, हम कालेज जाती हैं।
إِلَى الْكُلِّيَّةِ	इलल् कुल् ली य ति	
هَلْ هُنَّ يَكْتُبْنَ	हल् हुन् न यक् तुब् न	क्या वे (सब) अपनी कापियों
فِي كُرَّاسَاتِهِنَّ ؟	फ़ी कुर् रा सा ति हिन् न	में लिखती हैं ?
نَعَمْ، هُنَّ يَكْتُبْنَ	न अम्, हुन् न यक् तुब् न	हां, वे अपनी कापियों में
فِي كُرَّاسَاتِهِنَّ	फ़ी कुर् रा सा ति हिन् न	लिखती हैं।
هَلْ هُمْ يَجْلِسُونَ	हल् हुम् यज् लि सू न	क्या वे (पुरुष) कैन्टीन में
فِي الْمَطْعَمِ؟	फ़िल् मत्-अ मि	बैठे हुऐ हैं ?
نعم، هم يجلسون	न अम्, हुम् यज् लि सू न	हां, वे कैन्टीन में बैठे हुए हैं।
فِي الْمَطْعَمِ	फ़िल् मत्-अ मि	

व्याकरण

अरबी भाषा में दूसरा काल वर्तमान काल होता है। इस काल में क्रियायें साधारण तौर पर तीन अर्थ देती हैं।

१. वर्तमान काल

२. भविष्य काल

३. वर्तमान काल जारी

परन्तु वाक्य में इस काल की क्रिया का क्या अर्थ है यह वाक्य देखकर ही पता चलता है। इस काल की क्रिया बनाने का तरीक़ा यह है कि भूतकाल की क्रिया के तीन या अधिक अक्षरों के आरम्भ में या बीच में नीचे लिखे अक्षरों में से एक या अधिक अक्षर लगाये जाते हैं। वह अक्षर यह हैं :-

ی य

ت त

أ अ

ن न

و व

हम उदाहरण के लिये भूतकाल की क्रिया ذَهَبَ ज़ ह ब लेते हैं। इस क्रिया में तीन अक्षर हैं जैसा कि आप देख रहे हैं ذَهَبَ ज़ ह ब

अब हम इस क्रिया से वर्तमान काल में इस प्रकार रूप बदली (Conjugation) करेंगे :-

ی + ذَهَبَ = يَذْهَبُ य+ज़ ह ब=यज़्ह बु १. वह जाता है। २. वह जायेगा। ३. वह जा रहा है।

ی + ذَهَبَ + ون = يَذْهَبُونَ य+ ज़ ह ब+ऊन= यज़्ह बू न १. वे जाते हैं। २. वे जायेंगे। ३. वे जा रहे हैं।

تَ+ذَهَبَ = تَذْهَبُ त+द़ह ब=तद्‌ह् बु १. वह जाती है। २. वह जायेगी। ३. वह जा रही है।

يَ+ذَهَبَ+نَ = يَذْهَبْنَ य+द़हब+न= यद्‌हब्‌न १. वे जाती हैं। २. वे जायेंगी। ३. वे जा रही हैं।

تَ+ذَهَبَ= تَذْهَبُ त+दहब=तद्‌ह् बु १. तुम जाते हो। २. तुम जाओगे। ३. तुम जा रहे हो।

تَ+ذَهَبَ+ونَ = تَذْهَبُونَ त+द़ह ब+ऊन= तद्‌ह बू न १. तुम (सब) जाते हो २. तुम (सब) जाओगे। ३. तुम (सब) जा रहे हो।

تَ+ذَهَبَ+ينَ = تَذْهَبِينَ त+द़ह ब+ईन= तद्‌ह बीन १. तुम जाती हो। २. तुम जाओगी। ३. तुम जा रही हो।

تَ+ذَهَبَ+نَ = تَذْهَبْنَ त+द़ह ब+न= तद्‌ हब न १. तुम (सब) जाती हो। २. तुम (सब) जाओगी। ३. तुम (सब) जा रही हो।

أَ+ذَهَبَ = أَذْهَبُ अ+द़ ह ब+अद्‌ ह बु १. मैं जाता हूं / मैं जाती हूं। २. मैं जाऊंगा / जाऊंगी। ३. मैं जा रहा / रही हूं।

نَ+ذَهَبَ = نَذْهَبُ न+द़ह ब=नद्‌ ह बु १. हम जाते / जाती हैं। २. हम जायेंगे / जायेंगी। ३. हम जा रहे / रही हैं।

अथवा हम इसको इस प्रकार कह सकते हैं :-

يَذْهَبُ यद्‌. ह बु

يَذْهَبُونَ यद्‌ ह बू न

تَذْهَبُ तद् ह बु

يَذْهَبْنَ यद् हब् न

تَذْهَبُ तद् ह बु

تَذْهَبُونَ तद् ह बू न

تَذْهَبِينَ तद् ह बी न

تَذْهَبْنَ तद् हब् न

أَذْهَبُ अद् ह बु

نَذْهَبُ नद् ह बु

इसी प्रकार किसी भी दूसरो क्रिया की Conjugation की जा सकती है ।

अभ्यास

१. नीचे दिये गये वाक्यों का अरबी में अनुवाद करो ।

१. वह कल स्कूल जायेगा ।
२. वह इस समय अपनी कुर्सी पर बैठी हुई है ।
३. वे (लड़के) अपनो कापियों में लिख रहे हैं ।
४. वे (लड़कियां) कल पत्र लिखेंगी ।
५. क्या कल तू विश्वविद्यालय जायेगा ?
६. हां, कल मैं विश्वविद्यालय जाऊंगा ।
७. मैं इस समय अपनी पुस्तक पढ़ रहा हूं ।
८. क्या तू अपनी खिड़की खोल रही है ?
९. क्या तुम अपनी पुस्तकों से पढ़ रहे हो ?
१०. तुम (लड़कियां) कहां जा रही हो ?

२. नीचे दी गई क्रियाओं की (Conjugation) करो और अपने वाक्यों में प्रयोग करो ।

أَكَلَ	अ क ल	उसने खाया
يَاكُلُ	या कु लु	वह खाता है
أَخَذَ	अ ख़ द़	उसने लिया
يَاخُذُ	या ख़ु दु़	वह लेता है
ضَرَبَ	·द र ब	उसने मारा
يَضْرِبُ	य·द् रि बु	वह मारता है
شَرِبَ	श रि ब	उसने पिया
يَشْرَبُ	यश् र बु	वह पीता है
قَدِمَ	क़ दि म	वह आया
يَقْدَمُ	यक़् द मु	वह आता है



اَلدَّرْسُ الْحَادِی عَشَرَ

पाठ *11*

नकरात्मक - भूतकाल व वर्तमान काल
(Negative, Past & Present)

अरबी वाक्य	नागरी में उच्चारण	अर्थ
حامِدٌ: مَا هٰذا يا صَدِيقِي ؟	·हा मि दुन् :-मा हा दा या ·स दी क़ी	हामिद-मेरे मित्र यह क्या है?
فَهِيمٌ :هٰذِهِ سَيَّارَةٌ ،	फ़ ही मुन् :-हा दि हि सै या र तुन्, अ मा	फ़हीम-यह एक कार है,क्या तुमने
أَمَا رَأَيتَهَا مِنْ قَبْلُ ؟	र अै त हा मिन् क़ब् लु	पहले कभी इसको नहीं देखा ?
حَامِدٌ : مَارَأَيْتُهَا	·हा मि दुन् :- मा र अै तु हा इल् लल् यौ म	हामिद-मैंने इसको केवल
إِلَّا الْيَوْمَ ، وَكَيفَ	व कै फ़ त सी रु व अ ना ला अ रा	आज ही देखा है और यह कैसे
تَسِيرُ وَأَنَا لَا أَرَى	·हयवा नन् अ मा म हा	चलती है जबकि मैं इसके आगे
حَيَوَانًا أَمَامَهَا		कोई पशु नहीं देख रहा ?
فَهِيمٌ: تَسِيرُ	फ़हीमुन् :- तसी रु बिलबन् ज़ी नि क मा	फ़हीम-यह पेट्रोल से चलती
بِالْبِنْزِينِ كَمَا يَسِيرُ	य सी रु ल् क़ि ता रु बिल बु ख़ा रि	है जिस प्रकार रेल भाप से
الْقِطَارُ بِالْبُخَارِ		चलती है।
حَامِدٌ: مَا سَمِعْتُ	·हामिदुन :-मा स मिअ् तु लहा ·सौ तन्	हामिद :- मैंनें इसकी आवाज़
لَهَا صَوْتًا عِنْدَمَا	अिन् द मा मर् रत् बी	नहीं सुनी जब यह मेरे पास
مَرَّتْ بِي		से गुज़री।
فَهِيمٌ: لَهَا عَجَلَاتٌ	फ़हीमुन् :- ल हा अ ज ला तुन् ·हौ ल हा	फ़हीम :-इसमें पहिये होते है
حولَهَا إِطَارٌ مِنَ المطَّاطِ	इ ता रुन् मि नल् मत् ता ति·	जिनके चारों तरफ़ रबड़ के
فَلِذٰلِكَ لَا تُحْدِثُ	फ़ लि दा लि क ला तुह् दि तु ·सौ तन्	टायर होते हं जिससे चलते

صَوتًا عِنْدَ سَيْرِهَا	अिन् द सै रि हा	समय यह आवाज नहीं करती
حَامِدٌ: أَشْكُرُكَ	·हामिदुन् :- अश् कु रु क या ·स दी क़ी	हामिद :-मेरे मित्र मैं तुम्हारा
يَاصَدِيقِي لِهٰذِهِ الْمَعْلُومَاتِ الْمُفِيدَةِ	लि हा दि हिल् मअ़् लू मा तिल् मु फ़ी द ति	इस उपयोगी जानकारी के लिये धन्यवाद करता हूं।

व्याकरण

जिस प्रकार दूसरी भाषाओं में स्वीकारात्मक और नकारात्मक के अर्थ के लिये दो प्रकार के वाक्ये होते हें उसी प्रकार अरबी भाषा में भी होते हैं।

स्वीकारात्मक वाक्य (Positive Statement) क्या होता है पहले यह जान लेना चाहिये। उदाहरण के लिये अगर हम यह कहें कि:- मैं बाजार गया था

ذَهَبْتُ إِلَى السُّوقِ   द हब् तु इ लस् सू क़ि

यह वाक्य जैसा कि आप देख रहें हें स्वीकारात्मक वाक्य है।

नकारात्मक वाक्य इस प्रकार होता है:– मैं बाज़ार नहीं गया था।

مَاذَهَبْتُ إِلَى السُّوقِ   मा द हब् तु इ लस् सू क़ि

अरबी भाषा में भूतकाल स्वीकारात्मक वाक्य को नकारात्मक वाक्य बनाने के लिये उससे पहले "मा مَا" लगा देते हें परन्तु वर्तमान काल के स्वीकारात्मक वाक्य को नकारात्मक वाक्य में बदलने के लिये "ला لَا" का प्रयोग करते हें जैसा कि नीचे दिये उदाहरण में बताया गया है।

أَذْهَبُ إِلَى السُّوقِ	अद् ह बु इ लस् सू क़ि	मैं बाज़ार जाता हूं।
لَا أَذْهَبُ إِلَى السُّوقِ	ला अद् ह बु इ लस् सू क़ि	मैं बाज़ार नहीं जाता हूं।

यह बात भी ध्यान में रखिये कि अगर क्रिया वाक्य के बीच में आ रही हो तो क्रिया से पहले नकारात्मक शब्द लगाया जाता है। इसी बात को हम इस प्रकार भी कह सकते हें कि नकारात्मक शब्द केवल क्रिया के पहले ही लगाया जाता है। उदाहरण:-

---

مِنْ قَبْلُ	मिन् क़ब् लु	पहले, पहले कभी

यह शब्द सदा ऐसे हो लिखा और बोला व पढ़ा जाता है।

أ अथवा "अ" हल् ضَلْ की प्रकार है।

اَلطُّلاَّبُ مَاذَهَبُوا अत्‌ तुल्‌ ला बु मा दहबू विद्यार्थी अपनी कक्षा में नहीं
إِلَى فَصْلِهِمْ इला फ़स्‌ लि हिम्‌ गये।

اَلطُّلاَّبُ لَايَذْهَبُونَ अत्‌ तुल्‌ ला बु ला यद्हबून विद्यार्थी अपनी कक्षा में नहीं
إِلَى فَصْلِهِمْ इला फ़स्‌ लि हिम्‌ जा रहे हैं।

अभ्यास

१. नीचे दिये गए वाक्यों में "मा مَا" और "ला لَا" लगाकर लिखो और फिर उनका अर्थ बताओ?

ذَهَبْتُ إِلَى السُّوقِ أَمْسِ दहब्‌ तु इलस्‌ सू क़ि अम्‌सि
قَدِمَ صَدِيقِي إِلَيَّ क़ दि म स दी क़ी इलै य
أَذْهَبُ إِلَى السُّوقِ غَدًا अद्‌ ह बु इलस्‌ सू क़ि ग़ दन्‌
يَلْبَسُ لِبَاسًا نَظِيفًا यल्*‌ ब सु लि बा सन्‌ नजी फ़न्‌
اَلْأَوْلَادُ ذَهَبُوا अल्‌ औ ला दु दहबू
إِلَى الْمَدْرَسَةِ इलल्‌ मद्‌ र स ति
أَلْأَوْلَادُ يَذْهَبُونَ अल्‌ औ ला दु यद्‌ ह बू न
إِلَى الْجَامِعَةِ इलल्‌ जा मि अ ति
ذَهَبْنَا إِلَى الْكُلِّيَّةِ द हब्‌ ना इलल्‌ कुल्‌ ली य ति
نَذْهَبُ إِلَى الْكُلِّيَّةِ नद्‌ ह बु इलल्‌ कुल्‌ ली य ति
ذَهَبَتْ بِنْتٌ إِلَى दहबत्‌ बिन्‌ तुन्‌ इ ला
مَدْرَسَتِهَا मद्‌ र स ति हा

---

* पहनता है

اَلْبَنَاتُ يَذْهَبْنَ अल् ब ना तु यद् हब् न इ ला

إِلَى مَدْرَسَتِهِنَّ मद् र स ति हिन् न

२. नीचे दिये गए वाक्यों का अरबी में अनुवाद करो ।

१. नबील अपना पाठ नहीं पढ़ता ।
२. नबील अपनी पाठशाला नहीं गया ।
३. मैं दफ़्तर नहीं जाता ।
४. वह कल अपने दफ़्तर नहीं गया ।
५. वह कल अपने कालेज नहीं जायेगा ।
६. हम कल लायब्रेरी नहीं जायेंगे ।
७. हम कल खेल के मैदान नहीं जायेंगे ।
८. हम कार में नहीं जाते ।
९. लड़कियां बाज़ार नहीं गईं ।
१०. लड़के पाठशाला नहीं गये ।



اَلدَّرْسُ الثَّانِي عَشَرَ

पाठ 12

साधारण भूतकाल के वाक्य (Simple Past Tense)

اَلْوَلَدُ مَوْجُودٌ	अल् व ल दु मौ जू दुन्	लड़का मौजूद है।
كَانَ الْوَلَدُ مَوْجُودًا	का नल् व ल दु मौ जू दन्	लड़का मौजूद था।
اَلْبِنْتُ مَوْجُودَةٌ	अल बिन् तु मौ जू द तुन्	लड़की मौजूद है।
كَانَتِ الْبِنْتُ مَوْجُودَةً	का न तिल् बिन् तु मौ जू द तन	लड़की मौजूद थी।
اَلْأَوْلَادُ مَوْجُودُوْنَ	अल् औ ला दु मौ जू दू न	लड़के मौजूद हैं
كَانَ الْأَوْلَادُ مَوْجُودِيْنَ	का नल् औ ला दु मौ जू दी न	लड़के मौजूद थे।
	या	
اَلْأَوْلَادُ كَانُوا مَوْجُودِيْنَ	अल् औला दु का नू मौ जू दी न	
اَلْبَنَاتُ مَوْجُودَاتٌ	अल् ब ना तु मौ जू दा तुन्	लड़कियां मौजूद हैं।
كَانَتِ الْبَنَاتُ مَوْجُودَاتٍ	का न तिल् ब ना तु मौ जू दा तिन्	लड़कियां मौजूद थीं।
	या	
اَلْبَنَاتُ كُنَّ مَوْجُودَاتٍ	अल् ब ना तु कुन् न मौ जू दा तिन्	
أَنْتَ طَالِبٌ	अन् त ता लि बुन्	तू (तुम) एक विद्यार्थी है
كُنْتَ طَالِبًا	कुन् त ता लि बन्	तू एक विद्यार्थी था।
أَنْتُمْ طُلَّابٌ	अन् तुम् तुल् ला बुन्	तुम (लड़के) विद्यार्थी हो।
كُنْتُمْ طُلَّابًا	कुन् तुम् तुल् ला बन्	तुम (लड़के) विद्यार्थी थे।
أَنْتِ طَالِبَةٌ	अन् ति ता लि ब तुन्	तू (लड़की) विद्यार्थी है।

كُنْتِ طَالِبَةً	कुन् ति ता लि ब तन्	तू(लड़की) विद्यार्थी थी।
أَنْتُنَّ طَالِبَاتٌ	अन् तुन् न ता लि बा तुन्	तुम (लड़कियाँ)विद्यार्थी हो।
كُنْتُنَّ طَالِبَاتٍ	कुन् तुन् न ता लि बा तिन्	तुम (लड़कियां) विद्यार्थी थीं।
أَنَا طَالِبٌ	अ ना ता लि बुन्	मैं (लड़का) विद्यार्थी हूं
كُنْتُ طَالِبًا	कुन् तु ता लि बन्	मैं विद्यार्थी था।
أَنَا طَالِبَةٌ	अ ना ता लि ब तुन्	मैं (लड़की) विद्यार्थी हूं।
كُنْتُ طَالِبَةً	कुन् तु ता लि ब तन्	मैं (लड़की) विद्यार्थी थी।
نَحْنُ طُلَّابٌ	न·ह् नु तुल् ला बुन	हम (लड़के) विद्यार्थी हैं।
كُنَّا طُلَّابًا	कुन् ना तुल् ला बन्	हम (लड़के) विद्यार्थी थे।
نَحْنُ طَالِبَاتٌ	न·ह् नु ता लि बा तुन	हम(लड़कियां) विद्यार्थी हैं।
كُنَّا طَالِبَاتٍ	कुन् ना ता लि बा तिन	हम (लड़कियां) विद्यार्थी थीं।

ऐसी पुल्लिग संज्ञायें जिनसे असली शब्द में तबदिली किये बिना बहुवचन अथवा (Sound Plural) बनाया जा सकता है उनमें कर्ता पद (Nominative Case) में वाव् और नून् लगया जाता है। वाव् से पहले अक्षर पर ·दम्मः पढ़ते हैं और नून् के ऊपर फ़त्·हः। इसको नागरी लिपि में "ऊ न" की मात्रा से लिखा है। परन्तु कर्म पद (Accusative) और सम्बन्ध सूचक (Genitive) स्थितियों में वाव् के बदले "य" लगाते हैं और नून् उसी तरह बाक़ी रहता है। अब "य" से पहले अक्षर पर कस्रः पढ़ते हैं। देखो वाक्य न० ५ व ६। इसको नागरी लिपि में ई न की मात्रा से लिखा है।

स्त्रीलिंग संज्ञाओं से (Sound Plural) बनाने के लिये गोल ता हटाकर अलिफ़् और लम्बी ता लगाई जाती है और (Nominative Case) में "ता" के ऊपर ·दम्मः पढ़ा जाता है। परन्तु बाक़ी दोनों स्थितियों में "ता" के नीचे कस्रः पढ़ा जाता है। देखो वाक्य न० ८ व ९ एवं १७ व १८।

व्याकरण

साधारण भूतकाल, साधारण वर्तमान काल से उल्टा होता है। कहने का अर्थ यह है कि "है, हूं, हैं" इत्यादि के बदले जब हम "था, थे, थी" का प्रयोग करते हुं तो यह साधारण भूतकाल होता है। अरबी भाषा में "है, हूं, हैं" इत्यादि के लिए कोई क्रिया नहीं होती बल्कि ऐसा अर्थ देने वाले वाक्य दो संज्ञाओं की सहायता से बनाये जाते हैं जिनको साधारण संज्ञाओं वाले वाक्य कहते हैं। परन्तु अगर अरबी भाषा में साधारण भूतकाल का वाक्य बनाना हो तो हम एक क्रिया का प्रयोग करते हैं। इस क्रिया को "का न" कहते हैं। जिस प्रकार दूसरी क्रियाओं की Conjugation होती है उसी प्रकार "का न" की भी Conjugation होती है। वह इस प्रकार है :–

كَانَ	का न	वह था।
كَانُوا	का नू	वे थे।
كَانَتْ	का नत्	वह थी।
كُنَّ	कुन् न	वे थीं।
كُنْتَ	कुन् त	तू था।
كُنْتُمْ	कुन् तुम्	तुम थे।
كُنْتِ	कुन् ति	तू थी।
كُنْتُنَّ	कुन् तुन् न	तुम थीं।
كُنْتُ	कुन् तु	मैं था।
كُنَّا	कुन् ना	हम थे।

जब हम साधारण वर्तमान काल के वाक्य को साधारण भूतकाल में बदलते हैं तो वचन और लिंग के अनुसार यह क्रिया वाक्य के आरम्भ में लाते हैं। इस क्रिया के बाद आने वाली (आमतौर पर पहली) संज्ञा वाक्य का कर्ता होती है और इस पर दम्मः आता है परन्तु दूसरी संज्ञा जो कि वाक्य का विधेय (Predicate) होती है उस पर फ़त्हः आता है। उदाहरण के लिए आप इस प्रकार समझ सकते हैं कि अगर हम कहें "लड़का मौजूद है" तो हम अरबी में कहेंगे:–

اَلْوَلَدُ مَوجُودٌ **अल्वलदु मौजूदुन्**

अगर आप ध्यान से देखें तो आपको पता चलेगा कि यह वाक्य साधारण वर्तमान काल का वाक्य है। यही कारण है कि इसके दोनों शब्दों के अन्तिम अक्षरों पर दम्मः आया है। परन्तु अगर हम यह कहें कि "लड़का मौजूद था" तो अब हम वाक्य में "का न" क्रिया का प्रयोग करेंगे और अरबी में इस तरह बोलेंगे:–

كَانَ الْوَلَدُ مَوجُودًا **कानल्वलदु मौजूदन्**

अब आप ध्यान से देखें तो आपको पता चलेगा कि इस वाक्य में "का न" के बाद आने वाली संज्ञा जो कि इस वाक्य का कर्ता है उस पर दम्म आया है परन्तु दूसरी संज्ञा जो इस वाक्य का विधेय है उस पर फ़त्हः आया है। इसी तरह पाठ के बाक़ी वाक्यों को भी ध्यान से पढ़ें व समझें।

अभ्यास

१. क्रिया "كَانَ का न" की Conjugation लिखो।

२. नीचे दिये गये साधारण वर्तमान काल के वाक्यों को "كَانَ का न" लगाकर साधारण भूतकाल में बदलो। (जिस प्रकार ऊपर के पाठ में बताया गया है)

اَلْوَلَدُ حَاضِرٌ **अल्वलदु हाज़िरुन्** — लड़का हाजिर है।

هُوَ مُوَظَّفٌ **हुवमुवज़्ज़फ़ुन्** — वह एक अफ़सर है।

३. नीचे दिये गए वाक्यों का अरबी में अनुवाद करो:–

१. लड़का अपनी कुर्सी पर बैठा हुआ था।
२. लड़की मैदान में खड़ी हुई थी।
३. लड़के अपनी पाठशाला से आ रहे थे।
४. लड़कियां अपने घर जा रही थीं।
५. क्या तू सो रहा था?
६. क्या तुम अपनी कक्षा में उपस्थित थे?
७. क्या तू बैठी हुई थी?
८. क्या तुम खड़ी हुई थीं?
९. मैं अपने कालेज जा रहा था।
१०. हम विश्वविद्यालय से आ रहे थे।

مَيْدَانٌ **मैदानुन्** — मैदान

نَائِمٌ **नाइमुन्** — सो रहा है



اَلدَّرْسُ الثَّالِثَ عَشَرَ

पाठ 13

संज्ञा और विशेषण (Adjectival Phrase)

آلَةٌ	आ ल तुन्	मशीन
جَدِيدَةٌ	ज दी द तुन्	नई
قِطَارٌ	क़ि ता रुन्	रेल
سَرِيعٌ	स री अुन्	तेज
طَالِبٌ	ता लि बुन्	विद्यार्थी
مُجْتَهِدٌ	मुज् त हि दुन्	मेहनती
طُلَّابٌ	तुल् ला बुन्	विद्यार्थी (बहुवचन)
مُجْتَهِدُونَ	मुज् त हि दू न	मेहनती (बहुवचन)
طَالِبَةٌ	ता लि ब तुन्	छात्रा
مُجْتَهِدَةٌ	मुज् त हि द तुन्	परिश्रमी
طَالِبَاتٌ	ता लि बा तुन्	छात्रायें
مُجْتَهِدَاتٌ	मुज् त हि दा तुन्	परिश्रमी (बहुवचन)
كِتَابٌ	कि ता बुन्	पुस्तक
جَدِيدٌ	ज दी दुन्	नई
كُتُبٌ	कु तु बुन्	पुस्तकें
جَدِيدَةٌ	जदी द तुन्	नई

अब आप इन जोड़ियों को इस प्रकार पढ़ें तो बात समझ में आ जायेगी।

آلَةٌ جَدِيدَةٌ	आ ल तुन् जदी द तुन्	नई मशीन
قِطَارٌ سَرِيعٌ	क़ि ता रुन् सरी अुन्	तेज रेल
طَالِبٌ مُجْتَهِدٌ	ता लि बुन् मुज् त हि दुन्	परिश्रमी छात्र
طُلَّابٌ مُجْتَهِدُونَ	तुल्लाबुन् मुज् त हि दू न	परिश्रमी छात्र (बहुवचन)
طَالِبَاتٌ مُجْتَهِدَاتٌ	ता लि बा तुन् मुज् त हि दा तुन्	परिश्रमी छात्रायें
كِتَابٌ جَدِيدٌ	कि ता बुन् जदी दुन्	नई पुस्तक
كُتُبٌ جَدِيدَةٌ	कु तु बुन् ज दी द तुन्	नई पुस्तकें
جَرِيدَةٌ يَوْمِيَّةٌ	ज री द तुन् यौ मी य तुन्	दैनिक समाचार पत्र
مَجَلَّةٌ شَهْرِيَّةٌ	म जल् ल तुन् शह् री य तुन्	मासिक पत्रिका
وَزِيرٌ أَمْرِيكِيٌّ	वज़ीरुन् अम्रीकीयुन्	अमरीकी मन्त्री
وَزِيرَةٌ أَمْرِيكِيَّةٌ	वज़ीरतुन् अम्री की य तुन्	अमरीकी मन्त्री (स्त्री)
اَلْجَرِيدَةُ الْيَوْمِيَّةُ	अल् ज री द तुल् यौ मी य तु	
أَلْمَجَلَّةُ الشَّهْرِيَّةُ	अल् म जल् ल तुश् शह् री य तु	
اَلْوَزِيرُ الْأَمْرِيكِيُّ	अल् वज़ीरुल् अम्रीकीयु	
اَلْوَزِيرَةُ الْأَمْرِيكِيَّةُ	अल् व ज़ी र तुल् अम् री की य तु	

जब दो अलिफ़ आगे पीछे आते हैं तो उनको अरबी भाषा में इस प्रकार लिखा जाता है : — آ

अलिफ़ के ऊपर इस चिन्ह को मद् दः कहते हैं और इसकी आवाज खोलकर पढ़ी जाती है अथवा "आ" की ध्वनि की प्रकार।

هذه سيارة جديدة	हा दि हि सै या र तुन् ज दी द तुन्	यह एक नई कार है।
ركبت سيارة جديدة	रकिब्तु सैयारतन् जदीदतन्	मैं एक नई कार में चढ़ा।
سافرت في سيارة جديدة	साफ़र्तु फ़ी सैयारतिन् जदीदतिन्	मैंने एक नई कार में यात्राकं
قدم الطلاب المجتهدون	क़दिमत् तुल्लाबुल् मुज् त हि दू न	परिश्रमी विद्यार्थी आये।
وجدت الطلاب المجتهدين في الفصل	व जत् तुत् तुल्ला बल् मुज् त हि दी न फ़िल् फ़स् लि	मैंने परिश्रमी छात्रों को कक्षा में पाया।
جلست مع الطلاب المجتهدين	ज लस् तु म अत् तुल् ला बिल् मुज् त हि दी न	मैं परिश्रमी विद्यार्थीयों के साथ बैठा।
ركبت السيارات الجديدة	र किब् तुस् सै या रा तिल् जदी द त	मैं नई कारों में चढ़ा।
سافرت في السيارات الجديدة	साफ़र्तु फ़िस् सैयारातिल् जदी द ति	मैंने नई कारों में यात्रा की।

व्याकरण

हिन्दी भाषा में जब किसी संज्ञा का विशेषण बताना होता है तो विशेषण पहले आता है और संज्ञा बाद में। उदाहरण "लम्बा लड़का", "ठिगना लड़का" परन्तु अरबी भाषा में इसका बिलकुल उल्टा होता है। अथवा अरबी में हम कहेंगे "लड़का लम्बा", "लड़का ठिगना"। जिस प्रकार हिन्दी में विशेषण अपनी संज्ञा से वचन और लिंग में मेल खाता है इसी प्रकार अरबी में भी होता है।

उदाहरणः-

लम्बा	लड़का
एकवचन पुल्लिग	एकवचन पुल्लिग
लम्बे	लड़के
बहुवचन (पुल्लिग)	बहुवचन पुल्लिग
लम्बी	लड़की
एकवचन स्त्री लिंग	एकवचन स्त्री लिंग

जैसाकि आपको पहले बताया जा चुका है, दूसरी भाषाओं की तरह अरबी भाषा में कोई भी संज्ञा तीन स्थितियों में प्रयोग हो सकती है। अथवा कर्म, कर्ता व सम्बन्ध सूचक पद या उपसर्ग के बाद। यह बात ध्यान में रखिये कि अरबी भाषा में विशेषण

अपनी संज्ञा से हर स्थिति में मेल खाता है। उदाहरण

قَدِمَ طَالِبٌ مُجْتَهِدٌ क़ दि म ता लि बुन् मुज् त हि दुन्

इस वाक्य में "त·ा लि बुन्" कर्ता है इसलिए इस पर ·ज़म्मः आया है और "मुज् त हि दुन्" इसका विशेषण है। इसी कारण इस पर भी ·ज़म्मः लगाते हैं। इसको कर्ता पद (Nominative Case) कहते हैं।

अब दूसरी उदाहरण देखिये :–

ضَرَبْتُ طَالِبًا مُجْتَهِدًا द रब् तु ता लि बन् मुज् त हि दन्

इस वाक्य में ".द रब् तु" "मैंनें मारा" कर्ता और क्रिया हैं, जिसको मारा वह कर्म है इस कारण "त·ा लि बन्" फ़त्·हः से लिखा और बोला जायेगा। और क्योंकि "मुज् त हि दन्" इसका विशेषण है इसलिये इसको भी फ़त्·हः ही लगेगा इसको कर्म पद (Accusative Case) कहते हैं।

अब तीसरी उदाहरण देखिए:–

ذَهَبْتُ مَعَ طَالِبٍ مُجْتَهِدٍ द़् हब् तु मअ़ ता लि बिन् मुज् त हि दिन्

इस वाक्य में। त·ा लि बिन् "म अ़" के बाद आया है जो कि उपसर्ग (Preposition) है। और आप जानते हैं कि Preposition के बाद आने वाले शब्द के अन्तिम अक्षर के नीचे कस्ः आता है। यही कारण है कि "त·ा लि बिन्" को कस्ः से लिखा गया है और क्योंकि "मुज् त हि दिन्" इसका विशेषण है इसलिए इसको भी कस्ः से लिखा गया है। इसको (Genitive Case) कहते हैं।

इसी प्रकार अगर संज्ञा से पहले "अलिफ़ लाम्" अथवा "अल्" होगा तो विशेषण पर भी "अल्" होगा।

उदाहरण:-

اَلْآلَةُ الْجَدِيدَةُ अल् आ ल तुल् ज दी द तु

इन सब बातों को हम एक वाक्य में इस प्रकार कह सकते हैं कि विशेषण अपनी संज्ञा से पूरी तरह से मेल खायेगा। ध्यान में रखिए कि केवल अव्यक्तिक (Non-Personal) बहुवचन संज्ञाओं के साथ एक वचन स्त्रीलिंग विशेषण आएगा।

अभ्यास

१. निम्नलिखित वाक्यों का अरबी में अनुवाद करो ।

१. यह एक पुरानी कार है ।

२. यह पुरानी कार सस्ती है ।

३. मैंने ठण्डा भोजन खाया ।

४. मैं अमरीकी मन्त्री के साथ आगरा गया ।

५. पिछले सप्ताह अमरीकी मन्त्री (बहुत से) दिल्ली आये ।

६. यह नया क़लम मंहगा है ।

७. पुरानी पुस्तकें सस्ती हैं ।

८. वे बड़े अधिकारी हैं ।

९. वह बड़े अधिकारियों से मिला ।

१०. वह एक मेहनती अध्यापक है ।

२. निम्नलिखित क्रियाओं को भूतकाल और वर्तमान काल में Conjugation करो और उनको अपने वाक्यों में प्रयोग करो ।

قَابَلَ	क़ा ब ल	वह मिला
سَافَرَ	सा फ़ र	उसने यात्रा की

قَدِيمٌ	क़ दी मुन्	पुरानी
بَارِدٌ	बा रि दुन्	ठण्डा
طَعَامٌ	त़ आ मुन्	भोजन

الدَّرْسُ الرَّابِعَ عَشَرَ

पाठ 14

संबंध पद या स्वामित्व सूचक

(Possesed and Possesor or Gentiive Case)

अरबी वाक्य	नागरी लिपि में उच्चारण	अर्थ
كِتَابُ وَلَدٍ	कि ता बु व ल दिन्	एक लड़के की पुस्तक
سَيَّارَةُ مُوَظَّفٍ	सै या र तु मुवज्·ज·फ़िन्	एक अधिकारी की कार
فَرَّاشُ مَكْتَبٍ	फ़र् रा शु मक् त बिन्	एक दफ़्तर का चपरासी
طَالِبُ مَدْرَسَةٍ	ता लि बु मद् र स तिन्	एक स्कूल का छात्र
إِسْمُ بِنْتٍ	इस मु बिन् तिन्	एक लड़की का नाम
كِتَابُ الْوَلَدِ	कि ता बुल् व ल दि	लड़के की पुस्तक
سَيَّارَةُ الْمُوَظَّفِ	सै या र तुल् मु वज्·ज·फ़ि	अधिकारी की कार
فَرَّاشُ الْمَكْتَبِ	फ़र् रा शुल् मक् त बि	दफ़्तर का चपरासी
طَالِبُ الْمَدْرَسَةِ	ता लि बुल् मद् र स ति	स्कूल का पाठक
إِسْمُ الْبِنْتِ	इस् मुल् बिन् ति	लड़की का नाम
هٰذَا كِتَابُ وَلَدٍ	हा दा कि ता बु व ल दिन्	यह पुस्तक एक लड़के की है
هٰذَا كِتَابُ الْوَلَدِ	हा दा कि ता बुल् व ल दि	यह पुस्तक लड़के की है
كِتَابُ الْوَلَدِ جَدِيدٌ	कि ता बुल् व ल दि जदीदुन्	लड़के की पुस्तक नई है
كِتَابُ الْوَلَدِ عَلَى الطَّاوِلَةِ	कि ता बुल् व ल दि अ़लत्· त वि ल ति	लड़के की पुस्तक मेज पर है
كِتَابُ الْوَلَدِ مَفْتُوحٌ	कि ता बुल् व ल दि मफ़् तू हुन्	लड़के की पुस्तक खुली है
سَيَّارَةُ الْمُوَظَّفِ قَدِيمَةٌ	सै या र तुल् मुवज्·ज·फ़ि क़दीमतुन्	अधिकारी की कार पुरानी

سَيَّارَةُ الْمُوَظَّفِ	सै या र तुल् मुवज·ज·फ़ि वा क़िफ़तुन्	अधिकारी की कार दफ़्तर
وَاقِفَةٌ أَمَامَ الْمَكْتَبِ	अ मा मल् मक् त बि	के सामने खड़ी है
مَكْتَبَةُ الْجَامِعَةِ	मक् त ब तुल् जा मि अ़ ति मफ़्तू ·ह तुन्	यूनिवर्सिटी की लायब्रेरी खुली है
جريدة اليوم على الطاولة	ज रो द तु ल् यौ मि अ़ लत्· ता वि ल ति	आज का समाचार पत्र मेज पर है
مِنْدِيلُ الْإِمْرَأَةِ	मिन् दी लुल् इम् र अ ति फ़िल्	स्त्री का रुमाल थैले में है
فِي الْحَقِيبَةِ	·ह क़ी ब ति	
سَائِقُ السَّيَّارَةِ	सा इ क़ुस् सै या र ति ज़ा हि बुन् इलल्	कार का चालक दफ़्तर जा
ذَاهِبٌ إِلَى الْمَكْتَبِ	मक् त बि	रहा है
عَمِيدُ الْكُلِّيَّةِ قَادِمٌ	अ़ मी दुल् कुल् ली य ति क़ा दि मुन्	कालेज के प्रधानाचार्य साहब आ रहे हैं
فَرَّاشُ الْمَكْتَبِ غَائِبٌ	फ़र् रा शुल् मक् त बि ग़ा इ बुन्	दफ़्तर का चपरासी ग़ायब है
زُجَاجُ الشُّبَّاكِ مَكْسُورٌ	ज़ु जा जुश् शुब् बा कि मक् सू रुन्	खिड़की का शीशा टूटा हुआ है

व्याकरण

इस पाठ में सम्बन्ध पद अथवा स्वामित्व सूचक पद के बारे में बताया गया है। हिन्दी में हम यह बताने के लिए कि "यह" या "वह" या कोई वस्तु इसकी या उसकी या किसी की है, "का, के, की" का प्रयोग करते हैं। उदाहरण के लिए हम कह सकते हैं कि—

१. यह पुस्तक एक लड़के की है।

या

२. यह पुस्तक लड़के की है।

आपने ऊपर के दोनों वाक्यों में देखा कि पुस्तक का सम्बन्ध एक लड़के या लड़के से जोड़ने के लिए हमने "की" का प्रयोग किया। अब ऊपर के वाक्य न० १ को फिर पढ़िये आप देखेंगे कि इस वाक्य में पुस्तक का सम्बन्ध एक लड़के से जोड़ने पर पुस्तक तो कोई विशेष पुस्तक हो गई परन्तु एक लड़का कोई भी लड़का हो सकता है।

वाक्य न० दो में वाक्य के दोनों भाग विशेष हैं अथवा पुस्तक भी विशेष है क्यों कि यह लड़के की है और लड़का भी विशेष है क्योंकि यहां कोई ऐसा लड़का है जिसके बारे में बात करने वाले जानते हैं।

अरबी भाषा में इस प्रकार का अर्थ लाने के लिए ऐसे दो शब्दों को एक विशेष प्रकार से जोड़ा जाता है। उदाहरण के लिए ऐसा समझिए कि पुस्तक जो लड़के की है अरबी भाषा में पहले आयेगी और लड़का जिसकी पुस्तक है बाद में।

अरबी भाषा में सम्बन्ध सूचक (Possesor) अथवा जिसकी चीज होती है उसके अन्तिम अक्षर के नीचे सदा कस्रः आता है यह कस्रः एक होता है अगर उस शब्द पर "अल् اَلْ" लगा हो परन्तु अगर वह शब्द बिना "अल् اَلْ" के हो तो दो कस्रः आयेंगे।

यहां पर यह बात भी जान लेनी चाहिए कि वह वस्तु जो किसी की होती है उस पर पद (Case) के अनुसार ज़म्मः, फ़त्हः या कस्रः आता है। इन पदों के बारे में हमने उन पाठों में बताया है जहां क्रियात्तिक वाक्य के बारे में बताया गया है। आगे भी उनका उल्लेख आयेगा।

यहां यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि वह संज्ञा जो सम्बन्ध सूचक के तौर पर आती है उस पर तो "अल् اَلْ" आ भी सकता है और नहीं भी परन्तु वह चीज जो किसी की होती है उस पर कभी भी "अल्" नहीं आता।

अभ्यास

१. इस पाठ में दिए गए नियमों को बार-बार पढ़ो और अच्छी प्रकार याद करो। इस पाठ के सब वाक्यों को बार-बार पढ़ो और लिखो।

२. निम्नलिखित संज्ञाओं के जोड़ों को नियमों के अनुसार मिलाकर लिखो।

سَيَّارَةٌ १. सै या र तुन्

أُسْتَاذٌ उस् ता ज़ुन्

مَكْتَبَةٌ २. मक् त ब तुन्

كُلِّيَّةٌ कुल् ली य तुन्

مَكْتَبٌ ३. मक् त बुन्

وِزَارَةٌ वि ज़ा र तुन्

بَيْتٌ ४. बैतुन्

سَفِيرٌ सफ़ीरुन्

غُرْفَةٌ ५. ग़ुर् फ़ तुन्

نَوْمٌ नौ मुन्

بَابٌ ६. बा बुन्

غُرْفَةٌ ग़ुर् फ़ तुन्

بَابٌ ७. बा बुन्

سَيَّارَةٌ सै या र तुन्

أَبْوَابٌ ८. अब् वा बुन्

مَدْرَسَةٌ मद् र स तुन्

أَقْلَامٌ ९. अक़् ला मुन्

أَوْلَادٌ औ ला दुन्

طُلَّابٌ १०. तुल् ला बुन्

فَصْلٌ फस् लुन्

३. प्रश्न न० दो के जोड़ों के साथ निम्नलिखित शब्दों में से कोई शब्द विधेय (Predicate) के तौर पर लगा कर वाक्य बनाओ।

جَدِيدٌ ज दी दुन्

كَبِيرٌ क बी रुन्

مَقْفُولٌ मक़् फ़ू लुन् [बन्द]

بَعِيدٌ ब ओ़ दुन् [दूर]

نَظِيفٌ न ज़ी फ़ुन्

مَفْتُوحٌ मफ़् तू हुन्

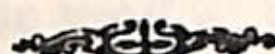
حَاضِرٌ ·हा ादि रुन्

उदाहरण

سَيَّارَةُ أُسْتَاذٍ جَدِيدَةٌ सैयारतु उस्तादिन् जदीदतुन् एक अध्यापक की कार नई है

سَيَّارَةُ الأُسْتَاذِ جَدِيدَةٌ सैयारतुल् उस्तादि जदीदतुन् अध्यापक की कार नई है

नोटः—वाक्य बनाते समय यह बात' ध्यान में रखिए कि विधेय का लिंग अपने उद्देश्य के लिंग के अनुसार होता है। इसके अलावा वचन में भी वह दोनों एक जैसे होते हैं। परन्तु बहुवचन अव्यक्तिक संज्ञा के लिए विधेय एक वचन स्त्री लिंग में होता है। यह बात भी आप याद रखिये कि किसी भी विशेषण संज्ञा के अन्त में गोल "त ةً" लगाकर उसे स्त्रीलिंग में बदला जा सकता है।



اَلدَّرْسُ الْخَامِسَ عَشَرَ

पाठ 15

तुलनात्मक विवरण (Comparative degree)

جَمِيلٌ	ज मी लुन्	सुन्दर
أَجْمَلُ مِنْ	अज् म लु मिन्	अधिक सुन्दर
رَخِيصٌ	र ख़ी ़सुन्	सस्ती
أَرْخَصُ مِنْ	अर् ख़ ़सु मिन्	अधिक सस्ती
سَرِيعٌ	स री अुन्	तेज़ रफ़्तार
أَسْرَعُ مِنْ	अस् र अु मिन्	अधिक तेज़ रफ़्तार
طَوِيلٌ	त़ वी लुन्	लम्बा
أَطْوَلُ مِنْ	अत़् व लु मिन्	अधिक लम्बा
قَصِيرٌ	क़ ़सी रुन्	ठिगना
أَقْصَرُ مِنْ	अक़् ़स रु मिन्	अधिक ठिगना

هٰذَا الْقَلَمُ جَمِيلٌ	हा दल् क़लमु ज मी लुन्	यह क़लम सुन्दर है।
هٰذَا الْقَلَمُ أَجْمَلُ	हा दल् क़ लमु अज् म लु मिन्	यह क़लम उस कलम से
مِنْ ذٰلِكَ الْقَلَمِ	दा लि कल् क़ ल मि	अधिक सुन्दर है।
هٰذَا أَجْمَلُ الْأَقْلَامِ	हा दा अज् म लुल् अक़् ला मि	यह सबसे अधिक सुन्दर क़लम है।

هٰذِهِ الدَّرَّاجَةُ رَخِيصَةٌ	हा दि़ हिद् दर् राजतु रख़ी-सतुन्	यह साईकल सस्ती है।
هٰذِهِ الدَّرَّاجَةُ أَرْخَصُ	हा दि़ हिद् दर् राजतु अर् ख़-सु	यह साईकल उस साईकल से
مِنْ تِلْكَ الدَّرَّاجَةِ	मिन् तिल् कद् दर् राज ति	अधिक सस्ती है।
هٰذِهِ أَرْخَصُ الدَّرَّاجَاتِ	हा दि़ हि अर् ख़-सुद् दर् रा जा ति	यह सबसे अधिक सस्ती साईकिल है
هٰذَا الْقِطَارُ سَرِيعٌ	हा दल् क़ि त़ा रु स री अुन्	यह रेल तेज रफ़्तार है।
هٰذَا الْقِطَارُ أَسْرَعُ	हा दल् क़ि त़ा रु अस् र अु	यह रेल उस रेल से अधिक
مِنْ ذٰلِكَ الْقِطَارِ	मिन् दा़ लि कल् क़ि त़ा रि	तेज रफ़्तार है।
هٰذَا أَسْرَعُ الْقِطَارَاتِ	हा दा़ अस् र अुल् क़ि त़ा रा ति	यह रेल सबसे अधिक तेज है।
هٰذَا الرَّجُلُ طَوِيلٌ	हा दर् र जु लु त़ वी लुन्	यह पुरुष लम्बा है।
هٰذَا الرَّجُلُ أَطْوَلُ	हा दर् र जु लु अत़् व लु मिन्	यह पुरुष उस पुरुष से अधिक
مِنْ ذٰلِكَ الرَّجُلِ	दा़ लि कर् र जु लि	लम्बा है।
هٰذَا أَطْوَلُ الرِّجَالِ	हा दा़ अत़् व लुर् रि जा लि	यह सबसे अधिक लम्बा पुरुष है।
هٰذِهِ الْبِنْتُ قَصِيرَةٌ	हा दि़ हिल् बिन् तु क़-सीरतुन्	यह लड़की ठिगनी है।
هٰذِهِ الْبِنْتُ أَقْصَرُ	हा दि़ हिल् बिन् तु अक़् स रु मिन्	यह लड़की उस लड़की से
مِنْ تِلْكَ الْبِنْتِ	तिल् कल् बिन् ति	अधिक ठिगनी है।
هٰذِهِ أَقْصَرُ الْبَنَاتِ	हा दि़ हि अक़् स रुल ब ना ति	यह सबसे ठिगनी लड़की है।
بَيْتِي أَجْمَلُ	बै ती अज् म लु मिन् बै ति क	मेरा घर तुम्हारे घर से
مِنْ بَيْتِكَ		अधिक सुन्दर है।
بَيْتِي أَجْمَلُ الْبُيُوتِ	बै ती अज् म लुल् बु यू ति	मेरा घर सबसे अधिक सुन्दर है।

व्याकरण

अरबी भाषा में किसी भी चार अक्षरों वाली विशेषण संज्ञा को तुलनात्मक विवरण में बदल सकते हैं। आमतौर पर ऐसी विशेषण संज्ञाओं का तीसरा अक्षर निकाल देते हैं जैसाकि आप (ज मी लुन् "جَمِيلٌ") में देख रहे हैं। इस विशेषण संज्ञा की "य" " ی " अथवा " f " को निकाल देने पर "ज म ल ج م ل " रह जाते हैं। अब पहले अक्षर से पहले " أ " अथवा " अ " लगाते हैं और अन्तिम अक्षर पर तन्वीन् अथवा दो ज़म्मः, दो फ़त्‌हः दो कस्रः के बदले पद के अनुसार केवल एक ज़म्मः या फ़त्‌हः या कस्रः रह जाता है।

उदाहरणः–

جَمِيْلٌ ज मी लुन्

ج م ل ज म ल

أَجْمَلُ = ل + م + ج + أ अ+ज+म+ल= अज् म लु

अब इसको "अज म लु" पढ़ेंगे और तुलना करते समय "मिन مِنْ " लगायेंगे जिसका अर्थ होता है "से"। इस बात को इस प्रकार समझिये कि अगर हम कहें कि "हा ज़ल् बै तु ज मी लुन्" هٰذَا الْبَيْتُ جَمِيْلٌ तो इसका अर्थ होगा यह घर सुन्दर है। परन्तु अगर हम कहें: هٰذَا الْبَيْتُ أَجْمَلُ مِنْ ذٰلِكَ الْبَيْتِ "हा ज़ल् बै तु अज् म लु मिन् ज़ा लि कल् बै ति" तो इसका अर्थ होगा यह घर उस घर से अधिक सुन्दर है।

परन्तु अगर हम यह कहना चाहें कि यह घर सबसे अधिक सुन्दर है तो भी "अज् म लु" का ही प्रयोग करेंगे लेकिन अब इसके बाद "मिन्" का प्रयोग नहीं होगा। बल्कि इसके बाद सम्बन्धित संज्ञा का बहुवचन "अल्" के साथ आयेगा। और इसके अन्तिम अक्षर के नीचे एक कस्रः आयेगा। उदाहरणः–

هٰذَا أَجْمَلُ الْبُيُوتِ हा ज़ा अज् म लुल् बुयू ति

यह "अज़् म लु मिन्" तुलनात्मक वाक्य में या केवल "अज़् म लु" उत्तमावस्था (Superlative) वाक्य में सब वचनों और सब लिंगों के साथ बिना बदले प्रयोग होता है। जैसा कि आपने इस पाठ में भी देखा।

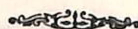
अभ्यास

१. निम्नलिखित विशेषण संज्ञाओं को तुलनात्मक विवरण में बदलकर अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

عَادِلٌ	आ दि लुन्	न्याय करने वाला
كَبِيرٌ	क बी रुन्	बड़ा
قَبِيحٌ	क़ बी हुन्	बदसूरत (असुन्दर)
مَاطِرٌ	मा ति रुन्	वर्षा वाला (दिन)
قَدِيمٌ	क़ दी मुन्	पुराना
ثَمِينٌ	स़ मी नुन्	महंगा

२. निम्नलिखित वाक्यों का अरबी में अनुवाद करो।

१. यह घड़ी उस घड़ी से अधिक सुन्दर है।
२. मेरा पुत्र तुम्हारे पुत्र से अधिक लम्बा है।
३. यह लड़का कक्षा में सबसे अधिक लम्बा लड़का है।
४. तुम्हारा क़लम मेरे क़लम से सस्ता है।
५. वह मेज़ मेरी मेज़ से पुरानी है।
६. यह कुर्सी उन कुर्सियों से अधिक सुन्दर है।
७. क्या तुम्हारा लड़का मेरे लड़के से अधिक छोटा है।
८. मेरी पुस्तक तुम्हारी पुस्तक से सस्ती है।
९. यह सबसे बड़ा कमरा है।
१०. मेरा कमरा उस कमरे से बड़ा है।



اَلدَّرْسُ السَّادِسَ عَشَرَ

पाठ *16*

दो वचन (Dual)

अरबी वाक्य	नागरी लिपि में उच्चारण	अर्थ
قَدِمَ وَلَدَانِ إِلَى مَكْتَبِي ۔	क़ दि म व ल दा नि इ ला मक् त बी	दो लड़के मेरे दफ़्तर में आये।
يَقْرَأُ الْوَلَدَانِ فِي	यक़् र अुल् व ल दा नि फ़ी हा दि हिल्	दोनों लड़के इस कालेज में
هٰذِهِ الْكُلِّيَّةِ	कुल् ली य ति	पढ़ते हैं।
هٰذَانِ الطَّالِبَانِ مُجْتَهِدَانِ	हा दा नित् · त्ा लि बा नि मुज् त हि दा नि	यह दोनों विद्यार्थी मेहनती हैं।
وَجَدْتُ الطُّلَّابَ فِي الْفَصْلَيْنِ	व जत् तुत् · तु·ल् ला ब फ़िल् फ़·स् लै नि	मैंने दोनों कक्षाओं में विद्यार्थियों को पाया।
ذَهَبْتُ مَعَ الطَّالِبَيْنِ	द हब् तु म अत् · त्ा लि बै नि	मैं दो विद्यार्थियों के साथ
إِلَى الْفَصْلِ	इलल् फ़·स् लि	कक्षा गया।
ضَرَبَ عَادِلٌ وَلَدَيْنِ	द र ब आ दि लुन् व ल दै नि	आदिल ने दो लड़कों को मारा।
أَخَذَ نَبِيلٌ كِتَابَيْنِ	अ ख़ द न बी लुन् कि ता बै नि	नबील ने मेरी पुस्तकों में से
مِنْ كُتُبِي	मिन् कु तु बी	दो पुस्तकें लीं।
أَكَلَ سَمِيرٌ	अ क ल स मी रुन् ख़ुब् ज़ै नि	समीर ने दो रोटियां सालन
خُبْزَيْنِ مَعَ الْإِدَامِ	म अल् इ दा मि	के साथ खाईं।
وَجَدْتُ طَالِبَيْنِ فِي الْفَصْلِ	व जत् तु त्ा लि बै नि फ़िल् फ़·स् लि	मैंने कक्षा में दो विद्यार्थियों को पाया।
ذَهَبْتُ إِلَى أُسْتَاذَيْنِ	द हब् तु इला उस् ता दै नि	मैं दो अध्यापकों के पास गया।
اَلطَّالِبَانِ ذَهَبَا إِلَى لَنْدَنْ	अत् · त्ा लि बा नि द ह बा इला लन् दन्	दो विद्यार्थी लन्दन गये।
اَلطَّالِبَانِ يَذْهَبَانِ	अत् · त्ा लि बा नि यद् ह बा नि इला	दो विद्यार्थी लन्दन जायेंगे।

إِلَىٰ لَنْدَن	लन् दन्	
اَلطَّالِبَتَانِ ذَهَبَتَا	अत्· तालिबतानि द़हबता इला	दो विद्यार्थी (लड़कियां)
إِلَىٰ لَنْدَن	लन् दन्	लन्दन गईं।
أَلطَّالِبَتَانِ تَذْهَبَانِ	अत्· तालिबतानि तद़् ह बा नि	दो विद्यार्थी (लड़कियां)
إِلَىٰ لَنْدَن	इला लन् दन्	लन्दन जायेंगी।
أَنْتُمَا ذَهَبْتُمَا إِلَىٰ لَندَن	अन् तु मा द़हब् तु मा इ ला लन् दन्	तुम दोनों (लड़के-लड़कियां) लन्दन गये।
أَنْتُمَا تَذْهَبَانِ إِلَىٰ	अन् तु मा तद़्ह बा नि	तुम दोनों (लड़के-लड़कियां)
لَنْدَن	इला लन् दन्	लन्दन जाओगे।

व्याकरण

अरबी भाषा में तीन वचन होते हैं।

एकवचन
दो वचन
बहुवचन

एकवचन और बहुवचन के बारे में तो ऊपर के पाठों में बहुत कुछ बताया जा चुका है। अब दो वचन के बारे में यहां अच्छी प्रकार समझ लीजिये। अरबी भाषा में किसी भी एकवचन संज्ञा को दो वचन संज्ञा में बदलना बहुत आसान है।

किसी भी एकवचन संज्ञा के अन्त में "आ नि ان " अथवा अलिफ़ और नून् लगाने से वह एकवचन संज्ञा दो वचन में बदल जाती है। परन्तु यह बात ध्यान में रखनी चाहिये कि इस अलिफ़ से पहले वाले अक्षर पर फ़त्हः आता है और इस नून् के नीचे कस्रः लगाया जाता है। उदाहरणः-

"कि ता बुन्" एकवचन संज्ञा है और इसका अर्थ है एक पुस्तक

परन्तु इसके बाद अगर बताये हुये तरीक़े के अनुसार अलिफ़ और नून् लगा दें तो यह इस प्रकार लिखा और पढ़ा जायेगा।

كِتَابٌ+ان=كِتَابَانِ कि ता बुन्+आ नि= कि ता बा नि

और अब इसका अर्थ होगा "दो पुस्तकें" इसी प्रकार किसी भी एकवचन संज्ञा को लेकर दोवचन संज्ञा में बदला जा सकता है। देखिये :–

كُرَّاسَةٌ+انِ=كُرَّاسَتَانِ **कुर् रा स तुन्+आ नि =कुर् रा स ता नि**

आपको यह भी मालूम है कि और दूसरी भाषाओं की तरह अरबी भाषा में भी तीन पद होते हैं।

१. कर्तापद (Nominative Case)

अथवा

वह संज्ञा जो किसी वाक्य में कर्ता हो। इस स्थिति में संज्ञा पर ज़म्मः आता है।

२. कर्मपद (Accusative Case)

अथवा

वह संज्ञा जो वाक्य में कर्म हो इस दशा में संज्ञा पर फ़त्हः आता है।

३. सम्बन्ध सूचक पद (Genitive)

अथवा

वह संज्ञा जो या तो (Possesor) हो या किसी (Preposition) के बाद आये क्योंकि इन दोनों दशाओं में संज्ञा के अन्तिम अक्षर पर कस्रः आता है।

एकवचन और बहुवचन संज्ञाओं में ऊपर बताये हुये तरीक़ों के अनुसार ही पद का संकेत किया जाता है। परन्तु दो वचन संज्ञाओं में पद का संकेत इस प्रकार किया जाता है। दो वचन संज्ञा में जब "आ नि انِ " अथवा अलिफ़ और नून् होते हैं तो वह संज्ञा कर्तापद में होती है।

उदाहरण :-

قَدِمَ وَلَدَانِ **क़ दि म व ल दा नि** — दो लड़के आये

इस वाक्य में "दो लड़के" कर्ता हैं इसीलिये "व ल दा नि" अथवा अलिफ़ और नून् आया है। बाक़ी दोनों पदों में दो वचन संज्ञा में अलिफ़ के बदले "य" आता है और इससे पहले वाले अक्षर पर फ़त्हः ही रहता है। इस प्रकार लिखी गई संज्ञा को "अै नि" की आवाज से पढ़ते हैं। उदाहरण :-

ضَرَبْتُ وَلَدَيْنِ **द रब् तु व ल दै नि** — मैं ने दो लड़कों को मारा।

इस वाक्य में दो लड़के क्योंकि कर्म हैं इसलिए यह दो वचन संज्ञा "य" के साथ लिखी गई है।

ذَهَبْتُ إِلَى وَلَدَيْنِ **ज़ हब् तु इला व ल दै नि** — मैं दो लड़कों के पास गया।

इस वाक्य में दो लड़के (Preposition) "इला" के बाद आये हैं इसी कारण यहां पर भी यह दो वचन संज्ञा "य" के साथ लिखी गई है।

इसी प्रकार क्रिया में भी दो वचन संज्ञा के लिये क्रिया का अलग रूप होता है। उदाहरण के लिये ऐसा समझिये कि "द ह ब ذَهَبَ वह गया और "द ह बत् ذَهَبَتْ वह गई एकवचन कर्ता संज्ञा के साथ आते हैं परन्तु दोवचन कर्ता संज्ञा के बाद जब क्रिया लायेंगे तो इन दोनों एकवचन क्रियाओं के अन्त में अलिफ़ अथवा "अ" लगा देंगे।

उदाहरण

ذَهَبَا द़ ह बा

ذَهَبَتَا द़ ह ब ता

ऐसा तो हम भूतकाल की उत्तम पुरुष क्रियाओं के साथ करते हैं परन्तु वर्तमान काल में उत्तम पुरुष एकवचन क्रिया के बाद हम अलिफ़ और नून् लगाते हैं।

उदाहरण :-

يَذْهَبُ	यद् ह बु	वह जाता है।
تَذْهَبُ	तद् ह बु	वह जाती है।
يَذْهَبَانِ	यद् ह बा नि	वे दो लड़के जाते हैं।
تَذْهَبَانِ	तद् ह बा नि	वे दो लड़कियां जाती हैं।

यह बात भी यहाँ समझ लीजिये कि भूतकाल की दो वचन मध्यम पुरुष क्रिया बनाने के लिए क्रिया के असली तीन या अधिक अक्षरों के बाद "तु मा تُمَا" लगाते हैं

उदाहरण :-

ذَهَبَ+تُمَا=ذَهَبْتُمَا द़ ह ब+तु मा= द़ हब् तु मा तुम दोनों (लड़के, लड़कियां) गये।

वर्तमान काल में एकवचन मध्यम पुरुष क्रिया के अन्त में "आ नि انِ" लगाने से एकवचन क्रिया दो वचन क्रिया में बदल जाती है।

تَذْهَبُ+انِ=تَذْهَبَانِ तद् ह बु+आ नि तद् ह बा नि तुम दोनों (लड़के, लड़कियां) जाते हो।

अभ्यास

१. नीचे दी गई एकवचन संज्ञाओं को दो वचन संज्ञाओं में बदलो और उनका तीनों पदों में अपने वाक्यों में प्रयोग करो ।

بِنْتٌ	बिन् तुन्	लड़की
طَاوِلَةٌ	ता वि ल तुन्	मेज़
بَابٌ	बा बुन्	दरवाज़ा
مُوَظَّفٌ	मु वज़् ज़ फ़ुन्	अधिकारी
دَرَّاجَةٌ	दर् रा ज तुन्	साईकिल
جَرِيدَةٌ	ज री द तुन्	अख़बार
مَجَلَّةٌ	म जल् ल तुन्	पत्रिका
خِطَابٌ	ख़ि ता बुन्	पत्र
شُبَّاكٌ	शुब् बा कुन्	खिड़की
جَامِعَةٌ	जा मि अ तुन्	विश्वविद्यालय

२. नीचे दी गई क्रियाओं को भूतकाल और वर्तमान काल के दो वचन में बदलो ।

أَكَلَ	अ क ल	उसने खाया
قَرَأَ	क़ र अ	उसने पढ़ा
سَافَرَ	सा फ़ र	उसने यात्रा की
ضَرَبَ	द र ब	उसने मारा
شَرِبَ	श रि ब	उसने पिया

اَلدَّرْسُ السَّابِعَ عَشَرَ

पाठ *17*

गिनती

		पुंल्लिग	स्त्रीलिंग		
۱	وَاحِدٌ	वा ह़ि दुन्	वा ह़ि द तुन्	وَاحِدَةٌ	१
۲	إِثْنَانِ	इत़् ना नि	इत़् नता नि	إِثْنَتَانِ	२
۳	ثَلَاثَةٌ	त़ ला त़ तुन्	त़ ला तु़न्	ثَلَاثٌ	३
۴	أَرْبَعَةٌ	अर् ब अ़ तुन्	अर् ब अ़ुन्	أَرْبَعٌ	४
۵	خَمْسَةٌ	ख़म् स तुन्	ख़म् सुन्	خَمْسٌ	५
۶	سِتَّةٌ	सित् त तुन्	सित् तुन्	سِتٌّ	६
۷	سَبْعَةٌ	सब् अ़ तुन्	सब् अ़ुन्	سَبْعٌ	७
۸	ثَمَانِيَةٌ	त़ मा नि य तुन्	त़ मा नी [या]	ثَمَانِى	८
			त़ मा निन्	ثَمَانٍ	
۹	تِسْعَةٌ	तिस् अ़ तुन्	तिस् अ़ुन्	تِسْعٌ	९
۱۰	عَشَرَةٌ	अ़ श र तुन्	अ़ श रुन्	عَشْرٌ	१०
۱۱	أَحَدَ عَشَرَ	अ·ह़ द अ़ श र	इ·ह़् दा अ़ श र त	إِحْدَى عَشَرَةَ	११
۱۲	إِثْنَا عَشَرَ	इत़् ना अ़ श र	इत़् न ता अ़ श र त	إِثْنَتَا عَشَرَةَ	१२
۱۳	ثَلَاثَةَ عَشَرَ	त़ ला त़ त अ़ श र	त़ ला त़ अ़ श र त	ثَلَاثَ عَشَرَةَ	१३

١٤	أَرْبَعَةَ عَشَرَ	अर्बअ़तअ़शर	अर्बअअ़शरत	أَرْبَعَ عَشَرَةَ	१४
١٥	خَمْسَةَ عَشَرَ	ख़म्सतअ़शर	ख़म्सअ़शरत	خَمْسَ عَشَرَةَ	१५
١٦	سِتَّةَ عَشَرَ	सित्ततअ़शर	सिततअशरत	سِتَّ عَشَرَةَ	१६
١٧	سَبْعَةَ عَشَرَ	सब्अतअ़शर	सब्अअ़शरत	سَبْعَ عَشَرَةَ	१७
١٨	ثَمَانِيَةَ عَشَرَ	त़मानियतअ़शर	त़मानियअ़शरत	ثَمَانِيَ عَشَرَةَ	१८
١٩	تِسْعَةَ عَشَرَ	तिस्अतअ़शर	तिस्अअ़शरत	تِسْعَ عَشَرَةَ	१९

स्त्रीलिंग/पुल्लिंग

٢٠	عِشْرُونَ	अ़िश्रून	२०
٣٠	ثَلَاثُونَ	त़लात़ून	३०
٤٠	أَرْبَعُونَ	अर्बअ़ून	४०
٥٠	خَمْسُونَ	ख़म्सून	५०
٦٠	سِتُّونَ	सित्तून	६०
٧٠	سَبْعُونَ	सब्अ़ून	७०
٨٠	ثَمَانُونَ	त़मानून	८०
٩٠	تِسْعُونَ	तिस्अ़ून	९०
١٠٠	مِائَةٌ	मिअतुन्	१००

قَدِمَ إِلَيَّ ثَلَاثَةُ طُلَّابٍ	क़ दि म इ लै य त़ ला त़ तु तुल् ला बिन्	मेरे पास तीन विद्यार्थी आये
قَدِمَتْ إِلَيَّ ثَلَاثُ طَالِبَاتٍ	क़ दि मत् इ लै य त़ ला त़ु ता लि बा तिन्	मेरे पास तीन छात्रायें आई
ذَهَبَ أَرْبَعَةُ طُلَّابٍ إِلَى الْجَامِعَةِ	द़ ह ब अर् ब अ़ तु तुल् ला बिन् इलल् जा मि अ़ ति	चार विद्यार्थी यूनिवर्सिटी गये
ذَهَبَتْ أَرْبَعُ طَالِبَاتٍ إِلَى الْجَامِعَةِ	द़ ह बत् अर् ब अ़ु ता लि बा तिन् इलल् जा मि अ़ ति	चार विद्यार्थी (लड़कियां) यूनिवर्सिटी गईं
حَضَرَ خَمْسَةُ طُلَّابٍ فَصْلَهُمْ	·ह ·द र ख़म् स तु तुल् ला बिन् फ़स् ल हुम्	पांच विद्यार्थी अपनी कक्षा में उपस्थित हुये
حَضَرَتْ خَمْسُ طَالِبَاتٍ فَصْلَهُنَّ	·ह ·द रत् ख़म् सु ता लि बा तिन् फ़स् ल हुन् न	पांच विद्यार्थी (लड़कियां) अपनी कक्षा में उपस्थित हुईं
ذَهَبَ سِتَّةُ طُلَّابٍ إِلَى الْمَلْعَبِ	द़ ह ब सित् त तु तुल् ला बिन् इलल् मल् अ़ बि	छह विद्यार्थी खेल के मैदान गये
ذَهَبَتْ سِتُّ طَالِبَاتٍ إِلَى الْمَلْعَبِ	द़ ह बत् सित् तु ता लि बा तिन् इ लल् मल् अ़ बि	छह विद्यार्थी (लड़कियां) खेल के मैदान गईं
عِنْدِي سَبْعَةُ كُتُبٍ	अि़न् दी सब् अ़ तु कु तु बिन्	मेरे पास सात पुस्तकें हैं
عِنْدِي سَبْعُ كُرَّاسَاتٍ	अि़न् दी सब् अ़ु कुर् रा सा तिन्	मेरे पास सात कापियां हैं
عِنْدَهُ ثَمَانِي طَاوِلَاتٍ	अि़न् द हु त़ मा नी ता वि ला तिन्	उसके पास आठ मेजें हैं
عِنْدَ الْبِنْتِ تِسْعَةُ كُتُبٍ	अि़न् दल् बिन् ति तिस् अ़ तु कु तु बिन्	लड़की के पास नौ पुस्तकें है

عِنْدَهَا تِسْعُ كُرَّاسَاتٍ	अि़न् द हा तिस् अ़ु कुर् रा सा तिन्	उसके पास (लड़की) नौं कापियां हैं
عِنْدَ الْوَلَدِ عَشَرَةُ أَقْلَامٍ	अि़न् दल् व ल दि अ़ श र तु अक़् ला मिन्	लड़के के पास दस् क़लम हैं
عِنْدَهُ عَشْرُ كُرَّاسَاتٍ	अि़न् द हु अ़ श रु कुर् रा सा तिन्	उसके पास (लड़का) दस कापियां हैं

व्याकरण

अरबी भाषा में गिनती का प्रयोग थोड़ा कठिन है । परन्तु अगर इस पाठ को ध्यान से पढ़ा जाये और बताये हुए नियमों को याद कर लिया जाये तो फिर कोई कठिनाई नहीं होगी । सबसे पहले हम एक से दस तक की गिनती का प्रयोग बताते हैं ।

अरबी भाषा में एक अथवा (वा ङि दुन्) और (वा ङि द तुन्) और दो अथवा (इत् ना नि)और(इत् न ता नि)का प्रयोग न करने के बराबर होता है क्योंकि जब हम कहते हैं "कि ता बुन् كِتَابٌ" तो इसका अर्थ "एक पुस्तक" ही होता है । इसी प्रकार जब हम दो पुस्तकें कहना चाहते हैं तो हम "कि ता बा नि كِتَابَانِ" कहते हैं और इसका अर्थ केवल "दो पुस्तकें" ही होता है न कम न अधिक ।

परन्तु तीन से दस तक की गिनती का प्रयोग बताने से पहले मैं आपको याद दिलादूं कि वह संज्ञा जिसके अन्त में गोल "त" होती है वह स्त्रीलिंग संज्ञा होती है ।

तीन से दस तक की गिनती का प्रयोग इस प्रकार है ।

१. अगर वह संज्ञा जिसकी आप गिनती कर रहे हैं पुल्लिग संज्ञा है तो संख्या स्त्रीलिंग में होगी परन्तु अगर वह संज्ञा स्त्रीलिंग संज्ञा है तो संख्या पुल्लिग में होगी अथवा यूं समझना चाहिए कि पुल्लिग संज्ञा के साथ जो संख्या आती है उसके अन्त में गोल "त" आयेगी और स्त्रीलिंग संज्ञा के साथ आने वाली संख्या बिना गोल "त" के होगी ।

२. तीन से दस तक गिनी जाने वाली संज्ञा सदा संख्या के बाद आयेगी ।

३. तीन से दस तक गिनी जाने वाली संज्ञा बहुवचन में होगी और बिना "अल् ال" के आयेगी । इसके अन्तिम अक्षर के नीचे सदा दो कस्रः आयेंगे ।

४. तीन से दस तक की गिनती के अन्तिम अक्षर पर पद (Case) के अनुसार दम्मः फ़त्हः और कस्रः आयेगा । और इस पर (Possesed) और (Possesor) के प्रकार केवल एक ही दम्मः, फ़त्हः या कस्रः आयेगा ।

अब ध्यान से देखिये :–

وَلَدٌ व ल दुन् — लड़का

एक पुल्लिग संज्ञा है और इसका बहुवचन

أَوْلَادٌ औ ला दुन् — लड़के

है।

अब हम इसके साथ जो संख्या लायेंगे वह स्त्रीलिंग में होगी। उदाहरण के लिए हम कहते हैं तीन लड़के। इसको हम अरबी में कहेंगे "त़ ला त़ तु औ ला दिन्" तीन लड़के। अब एक स्त्रीलिंग संज्ञा को लीजिये।

بِنْتٌ बिन् तुन् — एक लड़की

بَنَاتٌ ब ना तुन् — लड़कियां

अगर हमको तीन लड़कियां कहना हो तो हम कहेंगे "त़ ला त़ ब ना तिन्" तीन लड़कियां।

११ से १९ तक

१. ११ से १९ तक की गिनती के दोनों भागों के अन्तिम अक्षर पर फ़त्हः ही आता है और तीनों पदों में इसी प्रकार रहता है।

२. इस मिश्रित (Compound) संख्या में पुल्लिग संज्ञा के लिये पहला भाग स्त्रीलिंग में होता है और दूसरा भाग पुल्लिग में और स्त्रीलिंग संज्ञा के लिए पहला भाग पुल्लिग में होता है और दूसरा भाग स्त्रीलिंग में। परन्तु ११ और १२ की संख्याओं में स्त्रीलिंग संख्या के दोनों भाग स्त्रीलिंग में और पुल्लिग संख्या के दोनों भाग पुल्लिग में होते हैं।

३. वह संज्ञा जिसको गिना जाता है एकवचन होती है और कर्म पद में आती है।

अब ध्यान से देखिये।

ثَلَاثَةَ عَشَرَ وَلَدًا त़ ला त़ त अ़ श र व ल दन् — १३ लड़के

أَرْبَعَةَ عَشَرَ وَلَدًا अर् ब अ़ त अ़ श र व ल दन् — १४ लड़के।

और इसी प्रकार १९ तक पढ़ जाइये।

ثَلَاثَ عَشَرَةَ بِنْتًا त़लात़ अ़शरत बिन् तन् १३ लड़कियां

أَرْبَعَ عَشَرَةَ بِنْتًا अर्बअ़ अ़शरत बिन् तन् १४ लड़कियां

इसी प्रकार १९ तक पढ़ जाइये।

२० से लेकर ऊपर की सब दहाईयां पुल्लिग और स्त्रीलिंग दोनों प्रकार की संज्ञाओं के लिए एक समान होती हैं। २१, २२, ३१, ३२ और इसी प्रकार की मिश्रित गिनती में पुल्लिग के लिए पहला भाग पुल्लिग में होगा और स्त्रीलिंग के लिए स्त्रीलिंग में।

२३, २४, ३३, ३४ और इसी प्रकार ऊपर की गिनती के लिए मिश्रित संख्या में पुल्लिग के लिए पहला भाग स्त्रीलिंग में और स्त्रीलिंग के लिए पहला भाग पुल्लिग में होगा।

दहाईयां तो दोनों लिंगों की संज्ञाओं के लिये एक समान होती हैं परन्तु मिश्रित संख्या बनाने के लिये २१ से आगे की सब मिश्रित संख्याओं में संख्या के दोनों भागों के बीच व अथवा वाव् आयेगा। उदाहरणः—

أَحَدٌ وَعِشْرُونَ अ·ह दुन् व अिश् रून ११

إِحْدَى وَعِشْرُونَ इ·ह् दा व अिश् रू न १२

ثَلَاثَةٌ وَعِشْرُونَ त़ ला त़ तुन् व अिश् रू न

ثَلَاثٌ وَعِشْرُونَ त़ ला तुन् व अिश् रू न

२१ से ९९ तक गिनी जाने वाली संज्ञा एकवचन होगी और सदा कर्म पद में आयेगी। उदाहरणः—

أَحَدٌ وَعِشْرُونَ وَلَدًا अ·ह दुन् व अिश् रू न व ल दन् २१ लड़के

ثَلَاثَةٌ وَعِشْرُونَ وَلَدًا त़ ला त़ तुन् व अिश् रू न व ल दन् २३ लड़के

إِحْدَى وَعِشْرُونَ بِنْتًا इ·ह् दा व अिश रू न बिन् तन् २१ लड़कियां

ثَلَاثٌ وَعِشْرُونَ بِنْتًا त़ ला तुन् व अिश् रू न बिन् तन् २३ लड़कियां

१०० से आगे की गिनती में गिनी जाने वाली संज्ञा एक वचन होगी और वह सदा (Genitive Case) में आयेगी । उदाहरणः–

مِائَةُ بِنْتٍ	मि अ तु बिन् तिन्	१०० लड़कियां
مِائَةُ وَلَدٍ	मि अ तु व ल दिन्	१०० लड़के
ثَلَاثُمِائَةِ وَلَدٍ	त़ ला त़ु मि अ ति व ल दिन्	३०० लड़के
ثَلَاثُمِائَةِ بِنْتٍ	त़ ला त़ु मि अ ति बिन् तिन्	३०० लड़कियां

इसी प्रकार ९०० तक गिन जाइए ।

एक हजार को अरबी में

أَلْفٌ	अल् फ़ुन् कहते हैं	
أَلْفُ وَلَدٍ	अल् फ़ु व ल दिन्	एक हजार लड़के
أَلْفُ بِنْتٍ	अल् फ़ु बिन् तिन्	एक हजार लड़कियां

अभ्यास

१. एक से सौ तक की गिनती को बार-बार पढ़कर और लिखकर याद करो ।

२. निम्नलिखित वाक्यों का अरबी में अनुवाद करो ।

१. मेरे पास १५ पुस्तकें और १६ कापियां हैं ।

२. उसके (लड़की) पास ३ क़लम और ४ कापियां हैं ।

३. मेरे घर में ५ कमरे हैं ।

४. उसके (लड़का) पास २५ पुस्तकें और ४५ कापियां हैं ।

५. ३५ पुरुष और ५५ स्त्रियां लन्दन गये ।

६. मेरे पास ४ लड़कियां और ६ लड़के आये ।

७. १३ लड़के और १८ लड़कियां पेरिस से भारत आये ।

८. क्या आपके पास ५० कापियां हैं ।

९. इस पाठशाला में १०८ लड़के पढ़ते हैं ।

१०. इस पाठशाला में १०० लड़कियां पढ़ती हैं ।

---

* بَارِيس बारीस्

اَلدَّرْسُ الثَّامِنَ عَشَرَ

पाठ *18*

आज्ञार्थक क्रिया (Imperative) और निषेधात्मक क्रिया (Negative)

अरबी वाक्य	नागरी लिपि में उच्चारण	अर्थ
قَالَ الْوَالِدُ لِوَلَدِهِ :	क़ा लल् वा लि दु लि व ल दि हि :-	पिता ने अपने पुत्र से कहा :-
إِذْهَبْ إِلَى الْمَدْرَسَةِ	इद् हब् इलल् मद् र स ति	पाठशाला जाओ और इस
وَلَا تَذْهَبْ إِلَى الْمَلْعَبِ الْآنَ	व ला तद् हब् इलल् मल् अ बिल् आ न	समय खेल के मैदान न जाओ
قَالَتِ الْأُمُّ لِبِنْتِهَا :	क़ा ल तिल् उम् मु लि बिन् ति हा :-	माता ने अपनी पुत्री से कहा:-
إِذْهَبِي إِلَى الْمَدْرَسَةِ وَلَا	इद् ह बी इलल् मद् र स ति व ला	पाठशाला जाओ और इस
تَذْهَبِي إِلَى الْمَلْعَبِ الْآنَ	तद् ह बी इलल् मल् अ बिल् आ न	समय खेल के मैदान न जाओ
قَالَ الْأُسْتَاذُ لِلطُّلَّابِ	क़ा लल् उस ता दु लित् तुल् ला बि :-	अध्यापक ने विद्यार्थियों से
إِذْهَبُوا إِلَى فَصْلِكُمْ	इद् ह बू इला फ़स् लि कुम् व	कहा :-अपनी कक्षा में जाओ
وَلَا تَذْهَبُوا إِلَى الْمَلْعَبِ	ला तद् ह बू इलल् मल् अ बि	और खेल के मैदान मत जाओ
قَالَ الْأُسْتَاذُ لِلطَّالِبَاتِ	क़ा लल् उस ता दु लित् ता लि बा ति:-	अध्यापक ने विद्यार्थीओं
إِذْهَبْنَ إِلَى فَصْلِكُنَّ	इद् हब् न इला फ़स् लि कुन् न	(लड़कियों) से कहा :-अपनी
وَلَا تَذْهَبْنَ إِلَى الْمَلْعَبِ	व ला तद् हब् न इलल् मल् अ बि	कक्षा में जाओ और खेल के मैदान मत जाओ
دَخَلَ الْأُسْتَاذُ الْفَصْلَ	द ख़ लल् उस् ता दुल् फ़स् ल व क़ा ल	अध्यापक ने कक्षा में प्रवेश
وَقَالَ لِلطُّلَّابِ :-	लित् तुल् ला बि: -	किया और विद्यार्थियों से
إِفْتَحُوا كُتُبَكُمْ وَاقْرَءُوا دَرْسَكُمْ	इफ़् त ·हू कु तु ब कुम् वक़् र ऊ दर् स कुम्	कहा :- अपनी पस्तकें खोलो और अपना पाठ पढ़ो

فَتَحَ الطُّلَّابُ كُتُبَهُمْ	फ़त हत् तुल् ला बु कुतु ब हुम् व क़ र ऊ	विद्यार्थियों ने अपनी पुस्तकें
وَقَرَأُوا دَرْسَهُمْ	दर् स हुम्	खोलीं और अपना पाठ पढ़ा
ثُمَّ قَالَ الْأُسْتَاذُ	तुम् म क़ा लल् उस् ता दु	फिर अध्यापक ने एक विद्यार्थी से
لِطَالِبٍ أَيْنَ كِتَابُكَ ؟	लि ता लि बिन्:-ऐ न कि ता बु क ?	कहा :- तुम्हारी पुस्तक कहां है ?
قَالَ الطَّالِبُ هٰذَا كِتَابِي	क़ा लत् ता लि बु:- हा ज़ा कि ता बी	विद्यार्थी ने कहा :-मेरी पुस्तक यह रही
قَالَ الْأُسْتَاذُ : إِقْرَأْ	क़ा लल् उस ता दु इक़् रअ् दर् स क	अध्यापक ने कहा:–अपने पाठ
دَرْسَكَ بِصَوتٍ عَالٍ	बि सौ तिन् आ लिन्, बअ् द ज़ा लि क	को ऊंची आवाज से पढ़ो,
بَعْدَ ذٰلِكَ قَالَ الْأُسْتَاذُ	क़ा लल् उस् ता दु लि ता लि ब तिन्:-	उसके बाद अध्यापक ने एक
لِطَالِبَةٍ : إِقْرَئِي	इक़् रई दर् स कि तुम् म बअ् द	छात्रा से कहा :-अपना पाठ पढ़ो
دَرْسَكِ ثُمَّ بَعْدَ	ज़ा लि क क़ा लल् उस् ता दु :-	फिर उसके बाद अध्यापक
ذٰلِكَ قَالَ الْأُسْتَاذُ :	या तुल् ला बु इक़् र ऊ दर् स कुम्	ने कहा :- विद्यार्थियो, अपने
يَا طُلَّابُ ، إِقْرَؤُا	मि रा रन् वक् तु बू म आ नि य हा फ़ी	पाठ को बार बार पढ़ो और
دَرْسَكُمْ مِرَارًا وَاكْتُبُوا	कुर् रा सा ति कुम् व ला त त कल् ल मू	अपनी कापियों में इसका अर्थ
مَعَانِيَهَا فِي كُرَّاسَاتِكُمْ	फ़ी मा बै न कुम्	लिखो और आपस में बातें न
وَلَا تَتَكَلَّمُوا فِيمَا بَيْنَكُمْ		करो

व्याकरण

किसी भी दूसरी भाषा की तरह अरबी भाषा में भी किसी को किसी काम का आदेश देने या उस काम से मना करने के लिये क्रिया को थोड़ा बदल कर प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिये इस तरह समझिये कि "जाना" एक क्रिया है और जब हम किसी से कहते हैं 'जाओ" तो इसमें आदेश या विनती होती है। इसी को आज्ञार्थक क्रिया कहते हैं। परन्तु अगर हम किसी से कहें "मत जाओ" तो इस तरह हम उसको जाने से रोकने का आदेश देते हैं या विनती करते हैं।

ऊपर की उदाहरणों से यह बात आपको स्पष्ट हो गई होगी कि क्रिया "जाना" में थोड़ी तब्दीली करके हमने जाने या मत जाने का आदेश दिया। आपको यह बात भी स्पष्ट हो गई होगी कि आदेश या विनती केवल मध्यम पुरुष अथवा जिससे बात कर रहे हैं उसी को दे सकते हैं। बिलकुल इसी प्रकार अरबी भाषा में भी होता है। हम यह बात इस प्रकार भी कह सकते हैं कि आज्ञार्थक और निषेधात्मक केवल मध्यम पुरुष वर्तमान काल की क्रियाओं से ही बनाये जा सकते हैं।

उदाहरण के लिए इस प्रकार समझिये कि:-

تَذْهَبُ	तद् ह बु	तू जाता है
تَذْهَبُونَ	तद् ह बू न	तुम सब जाते हो
تَذْهَبِينَ	तद् ह बी न	तू जाती है
تَذْهَبْنَ	तद् हब् न	तुम सब जाती हो

मध्यम पुरुष वर्तमान काल की क्रियायें हैं। अब इन क्रियाओं से आज्ञार्थक क्रियायें बनाने के लिए हमको निम्नलिखित नियमों का पालन करना होगा।

१. क्रिया के शुरू से वर्तमान काल का चिन्ह अथवा तद् ह बु تَذْهَبُ में से त ت हटा देंगे। ~~त~~द् ह बु ~~ت~~ذهب

अब हमारे पास जो शब्द रह जाता है वह ऐसे अक्षर से शुरू होता है जिस पर सुकून अथवा हलन्त का चिन्ह है इस तरह इसका पढ़ा जाना असम्भव है। इस कारण इससे पहले एक 'अलिफ़ ا' जिसको व्याकरण की भाषा में "हम्ज़ः ء" कहते हैं लगायेंगे।

२. अगर सुकून वाले अक्षर के बाद आने वाले अक्षर पर फ़त्हः या कस्रः हो तो इस अलिफ़ के नीचे कस्रः आयेगा परन्तु अगर सुकून वाले अक्षर के बाद वाले अक्षर पर दम्मः हो तो इस अलिफ़ पर भी दम्मः आयेगा।

३. इसके बाद इस क्रिया के अन्तिम अक्षर पर सुकून आयेगा।

अब देखिए

تَذْهَبُ	तद् ह बु	तू जाता है
~~تَ~~ذْهَبُ	~~त~~द् ह बु	
إِذْهَبْ	इद् हब्	(तू) जा

تَضْرِبُ तन्द् रि बु — तू मारता है

تَضْرِبُ तन्द् रि बु

* اِضْرِبْ इन्द् रि ब् — (तू) मार

تَكْتُبُ तक् तु बु — तू लिखता है

تَكْتُبُ तक् तु बु

** اُكْتُبْ उक् तुब् — (तू) लिख

इसी प्रकार बाक़ी सारी क्रियाओं में भी किया जाता है। परन्तु यह बात भी जान लेनी चाहिये कि पुल्लिग की बहुवचन क्रियाओं का "नून ن" भी निकाल दिया जाता है और उसके बदले एक अलिफ़ लगाया जाता है। देखिए :-

تَذْهَبُوْنَ तद् ह बून

اِذْهَبُوْا इद् ह बू — (तुम सब पुरुष) जाओ

मध्यम एकवचन स्त्रीलिंग क्रिया में भी अन्तिम नून निकाल दिया जाता है जैसाकि नीचे की उदाहरण से स्पष्ट है।

تَذْهَبِيْنَ तद् ह बीन

اِذْهَبِيْ इद् ह बी — तू (लड़की) जा

परन्तु मध्यम बहुबचन स्त्रीलिंग क्रिया में नून बाक़ी रहता है और इस पर सुकून भी नहीं आता।

---

* अलिफ़ पर जब कस्रः आयेगा तो हम नागरी लिपि में "इ" लायेंगे और जब इस पर ़दम्मः आयेगा तो "उ" लायेंगे।

** यह अलिफ़ केवल अरबी भाषा में ही लगाया जाता है परन्तु नागरी लिपि में केवल 'उ' की मात्रा ही बाक़ी रहेगी

تَذْهَبْنَ तद् हब् न

إِذْهَبْنَ इद् हब् न (तुम सब स्त्रियां) जाओ

स्त्रीलिंग और पुल्लिंग दो वचन क्रिया से आज्ञार्थक क्रिया बनाने के लिए भी वर्तमान काल का चिन्ह और नून निकाल दिया जाता है।

تَذْهَبَانِ तद् ह बा नि

إِذْهَبَا इद् ह बा तुम दोनों (पुरुष-स्त्री) जाओ

यहां यह बात भी जान लेनी चाहिये कि ऐसी क्रियाएँ (आम तौर पर तीन अक्षरों से अधिक) जिनमें वर्तमान काल का चिन्ह निकाल देने के बाद उसके तुरन्त बाद आने वाले अक्षर पर अगर फ़त्‌हः, ज़म्मः या कस्रः हो तो उसको उसी प्रकार बाक़ी रखा जाता है और अन्तिम अक्षर पर सुकून लगाया जाता है और ऊपर बताये हुए स्थानों से नून् निकाल दिया जाता है। उदाहरण

قَابَلَ क़ा ब ल वह मिला

تُقَابِلُ तु क़ा बि लु तू मिलता है

इस में

تُقَابِلُ तु क़ा बि लु

का "त ت" गिराने के बाद उसके तुरन्त बाद आने वाले अक्षर पर फ़त्‌हः है, इस कारण हम केवल इस क्रिया के अन्तिम अक्षर पर सुकून लगायेंगे जैसाकि नीचे की उदाहरण से स्पष्ट है।

تُقَابِلُ तु क़ा बि लु

قَابِلْ क़ा बि ल् तू (लड़का) मिल

इसी प्रकार किसी भी क्रिया को आज्ञार्थक क्रिया में बदला जा सकता है।

अगर किसी को किसी काम के न करने का आदेश देना हो तो भी यह मध्यम पुरुष ही हो सकता है।

निषेधात्मक क्रिया बनाने के लिए मध्यम पुरुष वर्तमान काल की क्रिया से पहले "ला لَا " लगाना होगा और अन्तिम अक्षर को सुकून देंगे। आज्ञार्थक क्रिया में बताये हुए स्थानों पर जहां-जहां नून् निकाला जाता है, इसमें भी उन्हीं स्थानों पर निकाल दिया जाएगा। उदाहरण :–

تَذْهَبُ	तद्‌ ह बु	
لَاتَذْهَبْ	ला तद्‌ हब्	मत जा (एक पुरुष)
تَذْهَبُونَ	तद्‌ ह बू न	
لَاتَذْهَبُوا	ला तद्‌ ह बू	मत जाओ (बहुत से पुरुष)
تَذْهَبِينَ	तद्‌ ह बी न	
لَاتَذْهَبِى	ला तद्‌ ह बी	मत जा (एक स्त्री)
تَذْهَبْنَ	तद्‌ हब् न	
لَاتَذْهَبْنَ	ला तद्‌ हब् न	मत जाओ (स्त्रियां)
تَذْهَبَانِ	तद्‌ ह बा नि	
لَاتَذْهَبَا	ला तद्‌ ह बा	मत जाओ (दो पुरुष-स्त्रियां)

अभ्यास

१. निम्नलिखित क्रियाओं से आज्ञार्थक और निषेधात्मक क्रियाएँ बनाओ और उनको अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

تَفْتَحُ	तफ़् त ·हु	तू खोलता है
تَشْرَبُ	तश् र बु	तू पीता है
تَكْتُبُ	तक् तु बु	तू लिखता है

تَضْرِبُ	तद्‌रिबु	तू मारता है
تَقْتُلُ	तक़्तुलु	तू जान से मारता है

२. निम्नलिखित वाक्यों का अरबी में अनुवाद करो।

१. तू (लड़का) अपने घर जा।

२. आप (पुरुष) मेरे घर आईए।

३. आप (सब लड़के) अपने घर जाईए।

४. तू (लड़की) अपने पिता के संग जा।

५. तुम (लड़कियाँ) अपनी पाठशाला जाओ।

६. तू (लड़का) इस समय खेल के मैदान मत जा।

७. तुम (लड़के) यह पुस्तक न पढ़ो।

८. तुम (लड़के) यह रोटी न खाओ।

९. तुम (दो लड़के) पत्र न लिखो।

१०. तुम (दो लड़कियां) उसके घर मत जाओ।



اَلدَّرْسُ التَّاسِعَ عَشَرَ

पाठ 19

रंगों के नाम और उनका प्रयोग (Colours)

अरबी वाक्य	नागरी में उच्चारण	अर्थ
هَلْ قَمِيصُكَ أَحْمَرُ؟	हल् क़ मी ·सु क अ·ह् म रु	क्या तुम्हारी क़मीज लाल है ?
نَعَمْ، قَمِيصِي أَحْمَرُ	न अम् क़ मी ·सी अ·ह् म रु	हां, मेरी क़मीज लाल है
هَلْ سَيَّارَتُكَ حَمْرَاءُ؟	हल् सै या र तु क ·हम् रा उ	क्या तुम्हारी मोटर लाल है?
نَعَمْ سَيَّارَتِي حَمْرَاءُ	न अम्, सै या र ती ·हम् रा उ	हां, मेरी मोटर लाल है।
هٰذَا كَلْبٌ أَسْوَدُ	हा दा कल् बुन् अस् व दु	यह एक काला कुत्ता है।
هٰذِهِ سَيَّارَةٌ سَوْدَاءُ	हा दि हि सै या र तुन् सौ दा उ	यह एक काली मोटर है।
هٰذَا الْقَلَمُ أَخْضَرُ	हा दल् क़ ल मु अख़् ·द रु	यह क़लम हरा है।
هٰذِهِ الشَّجَرَةُ خَضْرَاءُ	हा दि हिश् श ज र तु ख़द् रा उ	यह पेड़ हरा है।
هٰذَا الرَّجُلُ أَسْوَدُ	हा दर् र जु लु अस् व दु	यह पुरुष काला है।
هٰذِهِ الْإِمْرَأَةُ سَوْدَاءُ	हा दि हिल् इम् र अ तु सौ दा उ	यह स्त्री काली है।
أَلْقَلَمَانِ الْأَحْمَرَانِ عَلَى الطَّاوِلَةِ	अल् क़ ल मा निल् अ·ह् म रा नि अ लत्· ता वि ल ति	दो लाल क़लम मेज पर है।
اَلسَّيَّارَتَانِ الْحَمْرَاوَانِ أَمَامَ الْمَكْتَبِ	अस् सै या र ता निल् ·हम् रा वा नि अ मा मल् मक् त बि	दो लाल मोटरें दफ्तर के सामने हैं।

هٰذِهِ الْأَقْلَامُ حَمْرَاءُ हा दि हिल् अक़् ला मु ·हम रा उ — यह क़लमें लाल हैं।

هٰذِهِ السَّيَّارَةُ حَمْرَاءُ हा दि हिस् सै या रा तु ·हम् रा उ — यह मोटरें लाल हैं।

هٰؤُلَاءِ الرِّجَالُ حُمْرٌ हा उ ला इर् रि जा लु ·हुम् रुन् — ये पुरुष लाल (रंग के) हैं

هٰؤُلَاءِ النِّسَاءُ حُمْرٌ हा उ ला इन् नि सा उ ·हुम् रुन् — ये स्त्रियां लाल (रगं की) हैं

व्याकरण

किसी भी दूसरी भाषा की तरह अरबी भाषा में रंग बताने वाली संज्ञायें विशेषण संज्ञायें होती हैं।

आप को पहले ही बताया जा चुका है कि अरबी भाषा में विशेषण बताने वाली संज्ञा उस संज्ञा के बाद आती है जिसका विशेषण बताया जाये। अथवा हम इस बात को इस प्रकार भी कह सकते हैं कि हम हिन्दी में कहते हैं :–

लाल क़मीज

परन्तु अरबी में हमको कहना होगा :—

क़मीज लाल

अरबी भाषा में रंग बताने वाले शब्द अथवा संज्ञायें एक विशेष प्रकार की होती हैं। यहां यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि रंग बताने वाले शब्द पुल्लिग संज्ञाओं के लिए एक प्रकार के होते हैं और स्त्रीलिंग संज्ञाओं के लिए दूसरी प्रकार के।

उदाहरण के लिए इस प्रकार समझिए कि :–

أَحْمَرُ अ·ह् म रु — लाल

का "लाल रंग" बताने वाला शब्द पुल्लिग एक वचन संज्ञा के लिए प्रयोग होगा, परन्तु अगर यही रंग किसी स्त्रीलिंग संज्ञा का बताना हो तो हम :—

حَمْرَاءُ ·हम् रा उ

प्रयोग करेंगे अथवा इस बात को इस प्रकार समझिए कि हम कहना चाहते हैं :–

क़मीज लाल है

अरबी भाषा में क़मीज को 'क़ मी ·सुन् قَمِيْصٌ' कहते हैं और यह एक पुल्लिग संज्ञा है। यही कारण है कि इसका रंग बताने के लिए हम "अ·ह् म रु, أَحْمَرُ" का प्रयोग करेंगे। अथवा हम कहेंगे :–

اَلْقَمِيصُ أَحْمَرُ अल् क मी ·सु अ·ह् म रु — क़मीज़ लाल है

यहां यह बात भी जान लेना ज़रूरी है कि पुल्लिग रँग वाले शब्दों के अन्तिम अक्षर पर कर्ता पद में केवल एक ही ·दम्मः आएगा और बाक़ी पदों में केवल एक ही फ़त्·हः आयेगा।

रँग बताने वाले स्त्रीलिंग एक वचन शब्द को दो वचन में बदलने के लिए इस शब्द के अन्तिम अक्षर "अ" अथवा हम्ज़ः को "व अथवा वाव् و" में बदलना होगा और फिर इसके बाद कर्ता पद में अलिफ़ और नून अथवा اِن और बाक़ी दोनों पदों में या और नून अथवा يْنِ लगाना होगा। उदाहरण के लिए "·हम् रा अु حَمْرَاءُ" को लेते हैं इससे दो वचन होगा :—

حَمْرَاوَانِ ·हम् रा वा नि

अब अगर हम यह कहना चाहें कि :—

दो मोटरें लाल हैं।

तो हम कहेंगे :—

اَلسَّيَّارَتَانِ حَمْرَاوَانِ अस् सै या र ता नि ·हम् रा वा नि

परन्तु अगर हमको कहना हो कि:—

मोटर लाल है

तो हम कहेंगे:—

اَلسَّيَّارَةُ حَمْرَاءُ अस् सै या र तु ·हम् रा उ

क्योंकि हमको पता है कि "सै या र तुन् سَيَّارَةٌ" स्त्रीलिंग एक वचन संज्ञा है।

पुल्लिग दो वचन संज्ञा के साथ जो रंग बताने वाला शब्द आयेगा वह भी दो वचन में होगा। रंग बताने वाले एक वचन पुल्लिग शब्द को दो वचन में बदलने के लिये इस शब्द के अन्तिम अक्षर के बाद "आ और नि" अथवा अलिफ़ और नून् اِن लगा देंगे। और ऐसा कर्ता पद में होगा। परन्तु बाक़ी दोनों पदों में "अै नि" अथवा या और नून् يْنِ लगाना होगा।

उदाहरण के लिये इस प्रकार समझिये कि हम कहना चाहते हैं कि:—

दो क़मीज़ें लाल हैं

तो हम कहेंगे :—

اَلْقَمِيصَانِ أَحْمَرَانِ अल् क़ मी ·सा नि अ·ह् म रा नि

पुल्लिग और स्त्रीलिंग अव्यिकतक बहु वचन संज्ञाओं के लिये रंग बताने वाला जो शब्द प्रयोग होगा वह स्त्रीलिंग एक वचन होगा। मतलब यह है कि अगर हम कहना चाहें किः-

क़मीजें लाल हैं

तो हम कहेंगेः–

اَلْقُمْصَانُ حَمْرَاءُ अल् क़ुम् ·सा नु ·हम् रा उ

और अगर हम कहना चाहें किः–

मोटरें लाल हैं।

तो भी इसी प्रकार हम कहेंगे :-

اَلسَّيَّارَاتُ حَمْرَاءُ अस् सै या रा तु ·हम् रा उ

पुल्लिग और स्त्रीलिंग व्यक्तिक बहुवचन संज्ञा के लिए जो रंग बताने वाला शब्द प्रयोग होता है वह एक समान होता है। उदाहरण के लिए अगर हम यह कहना चाहें कि वे पुरुष लाल (रंग के) हैं। तो हम कहेंगेः-

أُولٰئِكَ الرِّجَالُ حُمْرٌ उ ला इ कर् रि जा लु ·हुम् रुन्

और अगर हम कहना चाहें कि वे स्त्रियां लाल (रंग की) हैं। तो भी इसी प्रकार हम कहेंगेः–

أُولٰئِكَ النِّسَاءُ حُمْرٌ उ ला इ कन् नि सा उ ·हुम् रुन्

अरबी भाषा में रंग के लिये जो शब्द है उसको "लौ नुन् لَوْنٌ" कहते हैं। अरबी भाषा में ऐसी संज्ञा से पहले जिसका रंग बताना हो अगर "लौ नुन् لَوْنٌ" का शब्द हो तो वह संज्ञा चाहे पुल्लिग हो चाहे स्त्रीलिंग रंग बताने वाला शब्द सदा पुल्लिग होगा। उदाहरण के लिये इस प्रकार समझिये कि अगर हमको कहना हो कि :-

क़मीज़ का रंग लाल है।

तो हम कहेंगे कि :-

لَوْنُ الْقَمِيصِ أَحْمَرُ लौ नुल् क़ मी न्सि अ ह् म रु

और अगर हमको कहना हो कि :–

मोटर का रंग लाल है।

तो भी हम इसी प्रकार कहेंगे:–

لَوْنُ السَّيَّارَةِ اَحْمَرُ लौ नुस् सै या र ति अ ह् म रु

ऐसा इस कारण है कि ऊपर के दोनों वाक्यों में रंग बताने वाला शब्द "रंग अथवा "लौ नुन् لَوْنٌ" का विशेषण है और आपको पता है कि विशेषण बताने वाला शब्द आपनी संज्ञा के समान होता है।

अभ्यास

(१) सब रंगों के अरबी नाम याद करो और उनको अपने वाक्यों में नियम अनुसार प्रयोग करो।

(२) निम्नलिखित वाक्यों का अरबी में अनुवाद करो।

१. तुम्हारी साईकल काली है।

२. उसकी कार हरी है।

३. यह कमरा लाल है।

४. यह क़लम काला है।

५. मेरी कमीज का रंग नीला है।

६. वे पुरुष काले हैं।

७. वे स्त्रियां काली हैं।

८. यह कमरे काले हैं।

९. यह घर सफ़ेद है।

१०. इन घरों का रंग सफ़ेद है।



اَلدَّرْسُ الْعِشْرُوْنَ

पाठ 20

भूतकाल जारी एवं कर्म वाच्य क्रिया
(Past Continuous and Passive Voice)

अरबी वाक्य	नागरी में उच्चारण	अर्थ
كَانَ قَرْيَتُنَا فِي جِوَارِ	का न क़र् य तु ना फ़ी जि वा रि	हमारा गांव एक घने जगंल के
غَابَةٍ كَثِيفَةٍ	ग़ा ब तिन् क ती़ फ़ तिन्	पास में था
كَانَتْ تَسْكُنُ فِي	का नत् तस् कु नु फ़ी	इस जंगल में फाड़ खाने वाले
هٰذِهِ الْغَابَةِ	हा दि़ हिल् ग़ा ब ति	पशु रहते थे
حَيَوَانَاتٌ مُفْتَرِسَةٌ	·ह य वा ना तुन् मुफ़् त रि स तुन्	
كَانَ فِي الْغَابَةِ	का न फ़िल् ग़ा ब ति	जंगल में एक शेर भी रहता
أَسَدٌ أَيضًا	अ स दुन् अै ·दन्	था
كَانَ يَقْدَمُ هٰذَا	का न यक़् द मु हा दल् अ स दु इ ला	यह शेर हर रात हमारे गांव
الْأَسَدُ إِلَى قَرْيَتِنَا فِي	क़र् य ति ना फ़ी	में आता था
كُلِّ لَيلٍ	कुल् लि लै लिन्	
كَانَ يَخَافُ	का न य ख़ा फ़ु	गांव के वासी इस शेर से
أَهْلُ الْقَرْيَةِ	अह् लुल् क़र् य ति	डरते थे
مِنْ هٰذَا الْأَسَدِ	मिन् हा दल् अ स दि	
طَلَبَ أَهْلُ الْقَرْيَةِ	त· ल ब अह् लुल् क़र् य ति ·सै या दन्	गांव के वासियों ने इस शेर
		को जान से मारने के लिए

صَيَّادًا لِقَتْلِهِ	लि क़त् लि हि	एक शिकारी को बुलाया
ذَاتَ لَيْلٍ	दा त लै लिन्	एक रात को
جَلَسَ الصَّيَّادُ	ज ल सस्‌ ·सै या दु	यह शिकारी एक
فِي مَكَانٍ مُظْلِمٍ	फ़ी म का निन् मुज़्·लि मिन्	अंधेरी जगह में बैठ गया
وَأَطْلَقَ الرَّصَاصَ	व अत्· ल क़र् र ·सा ·स	और शेर पर उसने गोली
عَلَى الْأَسَدِ	अ़ लल् अ स दि	चलाई
قُتِلَ الْأَسَدُ	क़ु ति लल् अ स दु	शेर मारा गया
ثُمَّ أُخِذَتْ	तु म् म उ ख़ि दत्	फिर शेर के मृतक शरीर को
جُثَّةُ الْأَسَدِ إِلَى بَيْتِ	जुत्. त तुल् अ स दि इ ला बै ति	गांव के चौधरी के घर ले
رَئِيسِ الْقَرْيَةِ	र ई सिल् क़र् य ति व	जाया गया
وَوُضِعَتْ أَمَامَهُ	वु ·दि अत् अ मा म हु	और उस के सामने रख दिया
فَرِحَ رَئِيسُ الْقَرْيَةِ	फ़ रि ·ह र ई सुल् क़र् य ति	गया गांव का चौधरी बहुत
وَقَدَّمَ لِلصَّيَّادِ	व क़द् द म लिस्·सै या दि जा इ ज़ तन्	प्रसन्न हुआ और उसने शिकारी
جَائِزَةً نَقْدِيَّةً	नक़् दी य तन्	को नक़द इनाम दिया

व्याकरण

क्रिया दो प्रकार की होती हैं :-

(१) अकर्मक

(२) सकर्मक

अकर्मक क्रिया वह होती है जिसका काम केवल कर्ता पर अन्त हो जाता है अथवा अगर हम यह कहें कि:—

नबील पाठशाला गया। ذَهَبَ نَبِيلٌ إِلَى الْمَدْرَسَةِ

तो हमको पता चलेगा कि "जाना" एक अकर्मक क्रिया है क्योंकि इसका काम नबील पर अन्त हो जाता है और नबील इस क्रिया का कर्ता है।

परन्तु सर्कमक क्रिया एक कर्ता लेती है और एक कर्म। उदाहरण के लिये हम कह सकते हैं कि:-

नबील ने रोटी खाई

इस वाक्य में "खाना" एक सर्कमक क्रिया है और नबील जिसने रोटी खाई कर्ता और "रोटी" जो खाई गई कर्म है। "नबील ने रोटी खाई" इस बात को हम अरबी में इस प्रकार कहेंगे:-

अ क ल न बी लुन् अल् ख़ुब्ज़ أَكَلَ نَبِيلٌ الْخُبْزَ

इस वाक्य में क्रिया अ क ल "أَكَلَ" भूतकाल की कर्तवाच्य (Active Voice) क्रिया है परन्तु अगर हम यह कहना चाहें कि "रोटी खाई गई" तो यही क्रिया कर्मवाच्य में बदल जायेगी। अरबी भाषा में भूतकाल की कर्तावाच्य क्रियायें निम्नलिखित नियमों के अनुसार कर्मवाच्य में बदली जा सकती है।

भूतकाल की कर्तावाच्य क्रिया के पहले अक्षर पर फ़त्‌हः के बदले दम्मः आयेगा अथवा नागरी लिपि में हम क्रिया के पहले अक्षर को 'उ' की मात्रा से लिखेंगे। और इसके अलावा इस क्रिया के अन्तिम अक्षर से पहले वाले अक्षर के नीचे कस्रः आयेगा अथवा इस अक्षर को हम "इ" की मात्रा से लिखेंगे। अब आप उदाहरण के लिए अ क ल أَكَلَ ही ले लें। इसका अर्थ है "उसने खाया" परन्तु अगर हम कहना चाहें कि "वह खाया गया" तो हम नियमों के अनुसार तबदीली करते हुये कहेंगे:-

उ कि ल	أُكِلَ	वह खाया गया या कोई चीज जो खाई गई

आपने देखा कि इस क्रिया में "अ" "उ" से बदल गया और "क" को "कि" अथवा इ की मात्रा से लिखा गया है। परन्तु अन्तिम अक्षर पर फ़त्‌हः ही बाक़ी रहता है। इसी प्रकार इन क्रियाओं को देखिये:-

क़ त ल	قَتَلَ	उस ने क़तल किया
़द र ब	ضَرَبَ	उस ने मारा

श रि ब   شَرِبَ   उस ने पिया

यह सब क्रियायें कर्तावाच्य क्रियायें हैं अब इनको कर्मवाच्य में देखिएः–

قُتِلَ   क़ु ति ल   वह क़तल किया गया

ضُرِبَ   दु रि ब   वह(उसको) मारा गया

شُرِبَ   शु रि ब   वह (जल इत्यादि) पियागया

अगर आप ध्यान से देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि ऊपर जितनी भी क्रियायें दी गई हैं वह सर्कमक क्रियायें हैं अथवा बताना यह है कि केवल सकर्मक क्रियाओं से ही कर्मवाच्य क्रियायें बनाई जा सकती हैं।

वर्तमान काल की सकर्मक कर्तावाच्य क्रियाओं से कर्मवाच्य क्रियायें इस प्रकार बनाई जाती हैं।

क्रिया में वर्तमान काल के चिन्ह अथवा वर्तमान काल की क्रिया के पहले अक्षर पर दम्मः लगाते हैं (इसको हम नागरी लिपि में "उ" की मात्रा से लिखेंगे) और अन्तिम अक्षर से पहले वाले अक्षर पर फ़त्हः लगाते हैं (इसको हम नागरी लिपि में अलग अक्षर कि प्रकार लिखेंगे।

इसको इस प्रकार समझिए कि

يَقْتُلُ   यक़् तु लु   वह क़तल करता है

يَضْرِبُ   यन्द् रि बु   वह मारता है

يَشْرَبُ   यश् र बु   वह पीता है

वर्तमान काल की सकर्मक कर्तावाच्य क्रियायें हैं। और इनको कर्मवाच्य में इस प्रकार कहेंगेः–

يُقْتَلُ   युक़् त लु   वह क़तल किया जाता है

يُضْرَبُ   युद् र बु   वह (उसको) मारा जाता है

يُشْرَبُ   युश् र बु   वह (पानी इत्यादि) पिया जाता है

ऐसी क्रियायें जिनका पहला अक्षर अलिफ़ अथवा हम्ज़ः होता है उसको वर्तमान काल कर्मवाच्य में "वाव् و " के ऊपर लिखा जाता है। उदाहरणः-

أَكَلَ अकल

يَأكُلُ या कु लु

يُوكَلُ यू क लु वह (रोटी इत्यादि) खाईजाती है

वर्तमान काल क्रिया से पहले जब भूतकाल में क्रिया "का न كَانَ " या वचन और पुरुष के अनुसार इसका कोई रूप आता है तो अर्थ "भूतकाल जारी" में बदल जाता है उदाहरणः-

يَذْهَبُ यद् ह बु

इसका अर्थ है "वह जाता है।" परन्तु अगर हम कहें:-

كَانَ يَذْهَبُ कानयद् हबु

तो इसका अर्थ होगा:-"वह जाता था।" या वह जा रहा था

इसका अर्थ यह हुआ कि इस प्रकार की मिश्रित क्रिया भूतकाल जारी में अर्थ देगी या फिर कर्ता की आदत बतायेगी।

यहां यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि साधारण वाक्य में सकर्मक कर्तावाच्य क्रिया के बाद कर्ता और फिर कर्म आता है। उदाहरण के लिए:-

قَتَلَ الرَّجُلُ أَسَدًا क़तलर्रजुलु अ स दन् आदमी ने एक शेर मारा

कर्ता के अन्तिम अक्षर पर दम्मः आता है और इसको नागरी लिपि में "उ" की मात्रा से लिखा जाता है। दो दम्मः हों तो अक्षर के बाद न लगाते हैं (कुन्) और एक दम्मः हो तो अक्षर को अलग से उ की मात्रा के साथ लिखते है उदाहरण 'कु'। कर्म के अन्तिम अक्षर पर फ़त्हः आता है और नागरी लिपि में दो फ़त्हः को शब्द के अन्तिम अक्षर के बाद 'न' मिलाकर लिखा गया है 'कन्' और इस पर एक फ़त्हः होने की दशा में अन्तिम अक्षर को अलग लिखा गया है। उदाहरण के लिए 'क'। परन्तु कर्म वाच्य की

क्रिया के बाद जो संज्ञा आती है वास्तव में होती तो वह कर्म है लेकिन उसको कर्ता की प्रकार -दम्मः से लिखा जाता है।

ऊपर के वाक्य में अगर आप ध्यान से देखें तो एक क्रिया, एक कर्ता और एक कर्म पायेंगे।

परन्तु इस वाक्यः—

قُتِلَ أَسَدٌ क़ुतिलअसदुन् एक शेर मारा गया

में कर्ता ग़ायब है—यही कारण है कि इस प्रकार अथवा कर्मवाच्य की क्रियाओं के बाद जो कर्म आता है उसको कर्ता के समान लिखा जाता है।

अभ्यास

१. निम्नलिखित क्रियाओं की नियम अनुसार कर्मवाच्य में बदलो।

فَتَحَ	फ़ त ह	उसने खोला
كَتَبَ	क त ब	उसने लिखा
كَسَرَ	क स र	उसने तोड़ा
أَخَذَ	अ ख़ द़	उसने लिया
دَفَنَ	द फ़ न	उसने (ज़मीन में) गाड़ा
يَفْتَحُ	यफ़् त हु	वह खोलता है
يَكْتُبُ	यक् तु बु	वह लिखता है
يَكْسِرُ	यक् सि रु	वह तोड़ता है
يَأْخُذُ	या ख़ु द़ु	वह लेता है
يَدْفُنُ	यद् फ़ु नु	वह (ज़मीन में) गाड़ता है

२. प्रश्न न० १ में दी गई वर्तमान काल की क्रियाओं के साथ 'का न' जोड़ कर लिखें और फिर उनको अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

३. निम्नलिखित वाक्यों का अरबी में अनुवाद करो।

१. उसने हाथी मारा।

२. हाथी मारा गया।

३. उसने पानी पिया।

४. पानी पिया गया।

५. मेज़ तोड़ी गई।

६. दरवाज़ा खोला गया।

७. लड़का मारा गया।

८. लड़की मारी गई।

९. वे लड़के क़तल किये गये।

१०. वे लड़कियां क़तल की गईं।

४. प्रश्न न० २ के वाक्यों को वर्तमान काल में बदल कर अरबी में अनुवाद करो।



—

اَلدَّرْسُ الْحَادِي وَالْعِشْرُونَ

पाठ 21

अल् मु ·हा द त़ तु

اَلْمُحَادَثَةُ

अरबी वाक्य	नागरी में उच्चारण	अर्थ
صَبَاحَ الْخَيْرْ يَا سَيِّدِي	·स बा ·हल् ख़ैर् या सै यि दी	शुभ प्रातः महोदय।
صَبَاحَ الْخَيْرْ	·स बा ·हल् ख़ैर्	शुभ प्रातः।
كَيْفَ الْحَالُ	कै फ़ल् ·हाल्?	क्या हाल-चाल हैं?
طَيِّبْ، كَيْفَ أَنْتَ	तै· यिब् व कैफ़् अन् त?	ठीक हूं और तुम कैसे हो?
أَنَا بِخَيْرْ	अ ना बि ख़ैर्	मैं ठीक हूं।
وَمَنْ أَنْتَ	व मन् अन् त?	और आप कौन हैं?
أَنَا مُهَنْدِسٌ	अ ना मु हन् दि सुन्	मैं इन्जीनियर हूं।
إِسْمِي جَمِيل	इस् मी ज मील्	मेरा नाम जमील है।
وَهٰذَا صَدِيقِي، شَنْكَر	व हा दा ·स दी क़ी शन् कर	यह मेरे मित्र शंकर हैं।
هُوَ زَمِيلِي فِي الْعَمَلْ	हु व ज़ मी लो फ़िल् अ़ मल्	यह मेरे सहकारी हैं।
مِنْ أَيْنَ أَنْتُمْ	मि नेन् अन तुम्	आप लोग कहां से आये हैं?
نَحْنُ مِنَ الْهِنْدِ	न·ह् नु मि नल् हिन् दि	हम लोग भारत से आये हैं।
حَضَرْنَا الْآنَ	·ह ·दर् नाल् आन्	इस समय हम उद्योग मन्त्री से

لِمُقَابَلَةِ	लि मु क़ा ब ला ति	मिलने आये हैं।
وَزِيرِ الصِّنَاعَةِ	व ज़ी रि·स् ·सिना अ:	
آسِفٌ، اَلْوَزِيرُ مَشْغُولٌ	आसिफ़्, अल् व ज़ीर् मश् ग़ूल्	मुझे अफ़सोस है, मन्त्री व्यस्त हैं।
مَتَى يَكُونُ الْوَزِيرُ فَاضِي	म ता य कू नुल् व ज़ीर् फ़ा ·दी?	मन्त्री किस समय व्यस्त नहीं होंगें?
غَدًا، صَبَاحًا	ग़ दन् ·स बा ·हन्	कल सुबह।
طَيِّبْ، نَاتِي غَدًا	तै· यिब्, ना ती ग़दन्	ठीक है, हम कल आयेंगे।
مِنْ فَضْلِكْ	मिन् फ़ ·द् लिक्	कृपया आप हमें उनसे कल
حَدِّدْ مَوعِدَنَا	·हद् दिद् मौ अि द ना	मिलने का समय दे दिजिये?
مَعَهُ غَدًا	म अ़ हु ग़दन्	
طَيِّبْ،	तै· यिब्, ग़दन्	ठीक है कल सुबह ११ बजे।
صَبَاحًا فِي الْعَاشِرَة	·स बा ·हन् फ़िल् आ शि र:	
شُكْرًا جَزِيلاً	शुक् रन् ज ज़ी लन्	बहुत बहुत धन्यवाद
وَإِلَى اللِّقَاء	व इलल् लि क़ा इ	कल मिलेंगे।

يَاسَيِّدِي 'या सै यि दी' अरबी भाषा में आदर प्रकट करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

اَلدَّرْسُ الثَّانِي وَالْعِشْرُونَ

पाठ 22

अल् मु ·हा द त तु

أَلْمُحَادَثَةُ

أَهْلاً وَسَهْلاً	अह् लन् व सह् लन्	स्वागतम आइये, मेरे मित्र
يَا صَدِيقِي الْمُهَنْدِسْ	या ·स दी क़ी अल् मुहन् दिस्	इंजीनियर साहब।
هَلْ أَنْتَ هِنْدِي؟	हल् अन् त हिन दी	क्या आप भारतीय हैं।
نَعَمْ، أَنَا هِنْدِي	न अम्, अ ना हिन् दी	जी हां, मैं भारतीय हूं।
هَلْ أَنْتَ مُتَزَوِّجٌ	हल् अन् त मु त ज़ौ विज् या	मेरे मित्र, क्या आप विवाहित
يَا صَدِيقِي	·स दी क़ी ?	हैं ?
لاَ أَنَا لَسْتُ مُتَزَوِّجًا	ला, अ ना लस् तु मु त ज़ौ वि जन्	नहीं मैं विवाहित नहीं हूं।
نَعَمْ، أَنَا مُتَزَوِّجٌ وَ	न अम्, अ ना मु त ज़ौ विज् व	जी हां, मैं विवाहित हूं
عِنْدِي طِفْلاَنْ	अ़िन् दि तिफ़् लान्	मेरे दो बच्चे हैं।
قُلْ لِي مِنْ فَضْلِكْ	क़ुल् ली मिन्	कृपया मुझे बताइये कि आप
مَاذَا جَاءَ بِكْ إِلَى	फ़द् लिक्, मा दा जा अ बिक् इला	मिश्र क्यों आये हैं ?
مِصْر	मिसर्	
أَنَا مُهَنْدِسْ	अ ना मुहन् दिस्,	मैं इंजीनियर हूं

قَدِمْتُ إِلَىٰ مِصْر	क़ दिम् तु इ ला	मैं एक सरकारी काम से
فِي مُهِمَّةٍ رَسْمِيَّة	मिसिर् फ़ी मु हिम् म तिन् रस् मी य:	मिस्र आया हूं।
أَيْنَ تُقِيمُ هُنَا؟	अै न तु क़ीम् हु ना	आप यहां कहां ठहरेंगे ?
أُقِيمُ فِي فُنْدُق	उ क़ीम् फ़ी फ़ुन् दुक़्	मैं होटल में ठहरूंगा।
قُلْ لِي مِنْ	क़ुल् ली मिन्	कृपया मुझे बताइये कि यहां
فَضْلِكَ أَيْنَ يُوجَدُ	फ़द् लिक् अै न यू जद्	अच्छा होटल कहां है
أَحْسَنُ مَطْعَمٍ هُنَا؟	अ·ह् सनु मत्· अम्	और उसका किराया कितना
وَكَمْ سِعْرُهُ؟	हु ना व कम् सिअ् रु हु	है ?
هَلْ تُشَاهِدُ الأَفْلَامَ؟	हल् तु शा हि दुल् अफ़् लाम् ?	क्या आप फ़िल्में देखते हैं ?
لَا يَا سَيِّدِي	ला या सै यि दी	नहीं महोदय,
أَنَا لَا أُحِبُّ الأَفْلَامَ	अ ना ला उ ह़िब् बुल् अफ् लाम्	मैं फ़िल्में पसन्द नहीं करता।
طَيِّبْ تُرِيدُ الشَّاي	तै·यिब्, तु रीदुश् शाये	अच्छा,आप चाय पियेंगे या
أَوِ الْقَهْوَة	अ विल् क़ह् व:	काफ़ी ?
شُكْرًا	शुक् रन्	धन्यवाद, मुझे इस समय कुछ
لَا أُرِيدُ أَيَّ شَيْءٍ	ला उ रीद् अै य शै अिन्	नहीं चाहिये।
إِلَى اللِّقَاءِ غَدًا صَبَاحًا	इलल् लि क़ाइ ग़ दन् स बा ·हन्	अब कल सुबह मिलेंगे।
مَعَ السَّلَامَة	म अस् स लाम:	ठीक है
إِلَى اللِّقَاء	इलल् लि क़ाइ	कल मिलेंगे।



اَلدَّرْسُ الثَّالِثُ وَالْعِشْرُونَ

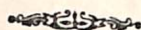
पाठ 23

अल् मु ·हा द त़ु

اَلْمُحَادَثَةُ

अरबी वाक्य	नागरी में उच्चारण	अर्थ
مَنْ أَنْتَ ؟	मन् अन् त	आप कौन हैं ?
مَنْ هُوَ؟	मन् हु व	वह कौन है ?
مَاذَا قُلْتَ؟	मा दा़ कु ल् त	तुम ने क्या कहा ?
مَاذَا تَقُولُ؟	मा दा़ त कूल्	तुम क्या कह रहे हो ?
مَاذَا تُرِيدُ ؟	मा दा़ तु रीद्	तुम को क्या चाहिए ?
مَنْ تُرِيدُ ؟	मन् तु रीद्	तुम को किस से मिलना है ?
هَلِ السَّيِّدُ جَمِيلٌ	ह लिस् सै यिद्	क्या मिस्टर जमील मौजूद हैं?
مَوْجُودٌ	ज मील् मौ जूद्	
نَعَمْ	न अ़म	जी हां।
مَا اِسْمُكْ	मा इस् मुक् मस् मुक्	तुम्हारा नाम क्या है।
إِسْمِي حَامِدٌ	इस् मी ·हा मिद्	मेरा नाम हामिद है।
جِئْتُ فِي مُهِمَّةٍ خَاصَّةٍ	जी तु फ़ी मु हिम् म तिन् ख़ा·स ·स:	मैं उनसे एक ख़ास काम से मिलने आया हूं।
تَفَضَّلْ	त फ़न्द् ·दल्	आइये, आइये,

هُوَ فِي انْتِظَارِكْ	हु व फ़िन् ति ज़ारिक्	वह आप का इन्तिज़ार कर रहे हैं।
صَبَاحَ الْخَيْرْ	सबा ·हल् ख़ैर्	गुड मानिग
مَسَاءَ الْخَيْرْ	म सा अल् ख़ैर्	गुड ईवनिंग
كَيْفَ الْحَالْ	कै फ़ल् ·हाल्	कैसे हाल हैं ? क्या समाचार हैं?
طَيِّبْ، شُكْرًا	तै· यिब्, शुक् रन्	ठीक है। धन्यवाद
وَكَيْفَ أَنْتَ	व कैफ़् अन् त	और आप कैसे हैं ?
بِخَيْرْ شُكْرًا	बि ख़ैर्, शुक् रन्	ठीक है, धन्यवाद
أَيُّ خِدْمَة	अै यु ख़िद् मः	क्या सेवा करों ?/ कोई सेवा ?



اَلدَّرْسُ الرَّابِعُ وَالْعِشْرُونَ

पाठ 24

अल् मु ·हा द त तु

اَلْمُحَادَثَةُ

अरबी शब्द	नागरी लिपि में उच्चारण	अर्थ
كَيْفْ	कैफ़्	कैसा, कैसी
كَمْ	कम्	कितना, कितने
مَتَى	मता	कब
فَيْنْ	फ़ैन्	कहां
مَنْ مَيْنْ	मन्, मेन्	कौन
فِي سَاعَة كَمْ	फ़ी सा अ: कम्	किस समय
هَلْ تَعْرِفْ عَرَبِي	हल् तअ् रिफ़् अ र बी	क्या आपको अरबी आती है
فُرَنْسِي	फ़ुरन् सी	फ़्रानसीसी
أَلْمَانِيَا	अल् मान् या	जर्मन भाषा
فَارِسِي	फ़ा रि सी	फ़ारसी
فَيْن مُمْكِنْ أَجِدْ..	फ़ेन् मुम् किन् अजिद् ········	मुझे ······ ············· कहां मिल सकता है
هَلْ مُمْكِنْ تُسَاعِدْنِي	हल् मुम्किन् तुसा अिद् नी	क्या आप मेरी मदद कर सकते हं ?

بِكَمْ هٰذَا	बि कम् हा दा	यह कितने का है ?
هَلْ هٰذَا جَاهِزْ	हल् हा दा जा हिज़्	क्या यह तैयार है ?
هَلْ تُرْشِدْنِي إِلَى شَارِع	हल् तुर् शिद्नी इला शारिअ्.......	क्या आप मुझको .... सड़क का रास्ता बता सकते हैं?
كَمْ عُمْرُكْ	कम् अ़ुम् रुक्	तुम्हारी आयु क्या है ?
فَيْنْ تَسْكُنْ	फ़ेन् तस कुन्	तुम कहां रहते हो ?
فَيْنْ أَنْتَ مُقِيمْ	फ़ेन् अन् त मुक़ीम्	आप कहां ठहरे हुए हैं ?
فَيْنْ سَتَقِيمْ	फ़ेन स तु क़ीम्	आप कहां ठहरेंगे ?
أَنْتَ مِنْ أَيْنْ	अन् त मि नेन्	आप कहां के रहने वाले हैं
أَنَا جَوعَانْ	अ ना जो आन्	मैं भूका हूं
أَنَا عَطْشَانْ	अ ना अ़त् शान्	मैं प्यासा हूं
أَنَا تَعْبَانْ	अ ना तअ़् बान्	मैं थका हुआ हूं
أَنَا مَرِيضْ	अना म री़द्	मैं बीमार हूं
حَاضِرْ يَا سَيِّدِي	हा ़िदर, या सै यि दी	सरकार, मैं आपकी सेवा में उपस्थित हूं। महोदय, मैं अभी आपकी सेवा में उपस्थित होता हूं

اَلدَّرْسُ الْخَامِسُ وَالْعِشْرُونَ

पाठ 25

दिन और महीनों के नाम

أُسْبُوعْ	उस बूअ्	सप्ताह
يَوْمْ	यौम्	दिन
اَلسَّبْتْ	अस् सब्त्	शनि
اَلْأَحَدْ	अल अ·हद्	रवि
اَلْإِثْنَيْنْ	अल् इत् नैन्	सोम
اَلثُّلَاثَاء	अत् तु ला ता	मंगल
اَلْأَرْبِعَاء	अल् अर् बि आ	बुध
اَلْخَمِيْس	अल् ख़ मीस्	गुरु (वार)
اَلْجُمْعَة	अल् जुम् अ:	शुक्र
يَنَايِرْ	य ना यिर्	जनवरी
فِبْرَايِرْ	फ़िब् रा यिर्	फ़रवरी
مَارِسْ	मा रिस	मार्च

إِبْرِيلْ	इब् रील्	अप्रेल
مَايُو	मा यू	मई
يُونْيُو	यून् यू	जून
يُولْيُو	यूल् यू	जुलाई
أُغُسْطُسْ	उग़ुस् तु·स्	अगस्त
سِبْتِمْبِرْ	सिब् तिम् बिर्	सितम्बर
أُكْتُوبِرْ	उक् तू बिर्	अक्बतूर
نُوفِمْبِرْ	नू फ़िम् बिर्	नवम्बर
دِيسِمْبِرْ	दी सिम् बिर्	दिसम्बर
سَنَة	स नः	वर्ष, साल
عَامْ	आम्	वर्ष साल



यह पुस्तक

किसी भी भाषा को दूसरी भाषा की लिपि के द्वारा सीखना-सिखाना आसान कार्य नहीं है। यह काम उस समय और भी कठिन होता है जब सिखाई जानेवाली भाषा के अक्षरों की ध्वनि उस भाषा के अक्षरों की ध्वनि से भिन्न हो।

आजकल हमारे बहुत से भारतीय भाई नौकरी और व्यापार के लिए अरब देशों को जा रहे हैं। अरबी भाषा न आने के कारण उनको अनेक कठिनाइयां का सामना करना पड़ता है। ऐसे ही लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर यह पुस्तक तैयार की गई है।

इस पुस्तक में इस बात का ध्यान रखा गया है कि नागरी लिपि में अरबो भाषा के केवल ऐसे वाक्य और शब्द दिये जायें जो रोज़ाना की जिन्दगी में उपयोगी हों और जिनके बिना काम चलाना असम्भव हो। साथ ही साथ अरबी लिपि भी दे दी है ताकि जो लोग अरबो लिपि को भी सीखना चाहें, लाभ उठा सकें और आगे भी अरबी लिपि के माध्यम से भाषा सीखने का प्रयास जारी रख सकें।